डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

पाक्षिक समाचार पत्र, भोपाल दि. 03.04.2022 वर्ष-19 अंक-1 मूल्य ₹ 0.00

महिला उद्यमियों को मिलेगा भरपूर प्रोत्साहन - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में मध्यप्रदेश महिला उद्यमी संगठन की कॉन्फ्रेंस 'स्वीप-2022' को संबोधित करते हुये।

भोपाल, महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए नए लाभकारी प्रावधान किए जाएंगे। इसके लिए प्रचलित योजनाओं में जरूरी संशोधन किए जाएंगे। मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना प्रारंभ होगी। भोपाल और इंदौर में महिला उद्यमियों के लिए अलग इंडस्ट्रियल क्लस्टर बनाया जाएगा। जिलों में एमएसएमई सेक्टर में प्रत्येक जिले में महिलाओं के लिए क्लस्टर आरक्षित करने की व्यवस्था की जाएगी। नई स्टार्टअप नीति में भी महिला उद्यमियों के लिए सुविधाएं बढ़ाने के प्रावधान रहेंगे। स्टार्ट योर बिजनेस इन थर्टी डेज में महिला उद्यमियों को विशेष सुविधा, जबलपुर और अन्य स्थान पर मल्टी स्टोरीज फैक्ट्री कॉम्पलेक्स के निर्माण सहित मुख्यमंत्री नारी सम्मान कोष की स्थापना भी होगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में मध्यप्रदेश महिला उद्यमी संगठन की कॉन्फ्रेंस 'स्वीप 2022' का शुभारंभ करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जब तक महिलाओं का सशक्तिकरण नहीं होगा, तब तक महिलाएं तेजी से प्रगति नहीं कर सकती हैं। मध्यप्रदेश महिला सशक्तिकरण की प्रयोग भूमि है। करीब 15-16 वर्ष पूर्व तक मध्यप्रदेश में लिंगानुपात चिंता का विषय था। सामाजिक स्तर पर भी महिलाओं के प्रति भेदभाव देखा जाता था। वर्ष 2001 में प्रति एक हजार पुरुषों के पीछे 901 महिलाएं थीं, जो बढ़ कर 956 हो गई हैं। भारत सरकार के अभिलेखों में इसका उल्लेख है। श्री चौहान ने कहा कि लक्ष्य यह है कि यह संख्या एक हजार पर एक हजार हो। बेटियां संख्या में समान हो जाएं। लाड़ली लक्ष्मी योजना बेटियों को लखपति बनाने वाली योजना है। पढ़ने के लिए किताबें, स्कूल जाने के लिए साइकिल और कक्षा 12वीं में प्रथम श्रेणी में आने पर बिटिया गांव की बेटी कहलाती है। सभी तरह की उच्च शिक्षा के लिए बेटियों का शिक्षा व्यय मध्यप्रदेश सरकार उठाएगी।

महिला स्व-सहायता समूहों की ताकत

श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में निकाय चुनावों में 50 प्रतिशत आरक्षण और पुलिस में महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण किया गया है। इंदौर ने 5 बार स्वच्छता के क्षेत्र में कीर्तिमान बनाया है, जिसका श्रेय इंदौर की महापौर रही श्रीमती मालनी गौड़ को भी है। राज्य सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एक नहीं अनेक कदम उठाए हैं, ताकि हमारी बहनें तेजी से आगे बढ़ सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कोरोना काल में महिलाओं ने अभूतपूर्व कार्य किया है। स्व-सहायता समूहों के महासंघ को पोषण आहार सामग्री के सात संयंत्रों के संचालन का जिम्मा दिया गया है। ये महासंघ 800 करोड़ रुपये का कारोबार कर रहा है। मध्यप्रदेश में 40 लाख स्व-सहायता समूह की हमारी बहनें हैं और इनका कुल 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक का टर्नओवर है। मध्यप्रदेश में महिलाओं के विरुद्ध अपराध करने वालों की सम्पत्ति नष्ट करने का कदम उठाया गया है। दुराचारी को फांसी का प्रावधान किया गया है।

जीआईएस में आएं महिला उद्यमी

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाएं शक्ति का पुंज हैं, श्रद्धा हैं। वे अबला नहीं हैं। महिलाएं हर क्षेत्र में पारंगत होती हैं। बड़ी संख्या में हमारी बहनें महिला उद्यमी बन सकें, इसके लिए उन्हें प्रोत्साहन में कोई कमी नहीं रहेगी। उन्हें उत्पाद की ब्रांडिंग, मार्केटिंग, ट्रेनिंग, ट्रेडिंग, काउंसिलिंग संबंधी कार्यों में पूरा सहायोग दिया जाएगा। मध्यप्रदेश देश का दिल है। यहां भूमि की उपलब्धता है, पानी और बिजली है, निवेशक प्रोत्साहन नीतियां हैं और प्रशासन सहयोगी है। जो मध्यप्रदेश आता है यही का होकर रह जाता है। मुख्यमंत्री ने अधिवेशन में आईं महिला उद्यमियों को आगामी 4, 5, और 6 नवम्बर को इंदौर में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में ख्याति प्राप्त भारतीय महिलाओं का भी विशेष रूप से उल्लेख किया।

वूमेन का अर्थ बताया मुख्यमंत्री श्री चौहान ने

श्री चौहान ने कहा कि वूमेन का अर्थ डब्ल्यू अर्थात विल पावर (दृढ़ इच्छाशक्ति), ओ का अर्थ ऑर्गनाइज (हमेशा व्यवस्थित), एम का अर्थ मास्टर अर्थात हर क्षेत्र में पारंगत, ई का अर्थ इंटरप्रेन्योर (अपने बलबूते उद्यम स्थापित करने) और एन का अर्थ नोबल अर्थात ईमानदार और ममतामयी होने से है।

अधिवेशन में जिनेवा से आए वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के डॉ. श्री शिशिर प्रियदर्शी ने कहा कि महिला उद्यमियों का प्रोत्साहन आवश्यक है।

अंदर के पृष्ठों पर

- **खेल चर्चा-** प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी-** देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में-** प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह-** देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण

मध्यप्रदेश का गेहूं विश्व की मंडियों में बिखेरेगा अपनी चमक

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री पीयूष गोयल एवं गेहूं निर्यातकों के साथ बैठक कर मध्यप्रदेश के गुणवत्तापूर्ण गेहूं के अंतर्राष्ट्रीय निर्यात में वृद्धि के संबंध में चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनाज की कीमतों में वृद्धि को देखते हुए प्रदेश के किसानों को ज्यादा से ज्यादा लाभ प्राप्त हो सके, इस ओर प्रदेश सरकार एवं गेहूं निर्यातक मिल कर सघन प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हमारे संयुक्त प्रयास से मध्यप्रदेश का कनक समान गेहूं विश्व की मंडियों में अपनी चमक बिखेरेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में गेहूं का उत्पादन प्रदेश की ताकत है, इसे पूरी दुनिया में एक्सपोर्ट करना है। इसके लिए हमने कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। प्रदेश का जो गेहूं निर्यात किया जाएगा, उस पर मंडी टैक्स नहीं लगाया जाएगा। प्रदेश में एक लाइसेंस पर कोई भी कंपनी या व्यापारी कहीं से भी गेहूं खरीद सकेगा। मंडी में ऑनलाइन नीलामी की प्रकिया उपलब्ध है, निर्यातक किसी स्थानीय व्यक्ति से पंजीयन करवा कर गेहूं खरीद सकते हैं। गेहूं के वैल्यू एडिशन और गुणवत्ता प्रमाणीकरण के लिए प्रदेश की प्रमुख मंडियों में इंफ्रा-स्ट्रक्चर और लैब आदि की सुविधाएं निर्यातकों को उपलब्ध करवाई जाएंगी। प्रमुख मंडियों में एक्सपोर्ट हाउस के लिए यदि निर्यातकों को जगह की जरूरत होगी, तो अस्थाई तौर पर रियायती दरों पर मुहैया करवाएंगे।

संकल्पसिद्ध और कर्मसिद्ध शिवराज सिंह चौहान

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान मध्यप्रदेश के राजनैतिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ने में कामयाब हुए हैं। यह नया अध्याय है मुख्यमंत्री के रूप में रिकॉर्ड 15 साल की कालावधि पूरा करना। यही नहीं श्री शिवराज सिंह चौहान अपने दल में भी यह गौरव हासिल करने वाले प्रदेश और देश के पहले व्यक्ति हैं।

श्री शिवराज सिंह चौहान का विकास के लिये संकल्प और लगन आम लोगों को विश्वास दिलाती है कि वे ऐसे विकास के साथ लोगों की तरक्की और खुशहाली के कामों को कर सकते हैं। उनकी मंजिल है आत्मनिर्भर 'मध्यप्रदेश'। ऐसा प्रदेश जो देश का अग्रणी प्रदेश हो जहां हर परिवार के पास रोटी, कपड़ा, मकान, दवाई और रोज़गार हो।

श्री शिवराज सिंह चौहान के संबंध में अब यह बिल्कुल स्पष्ट है कि वे दिन गिनने वाले लोगों में से नहीं, काम करने वालों में हैं। उन्होंने हमेशा काम को प्रधानता दी है और ऐसा वही कर पाता है जो पद के आने-जाने की चिन्ता से मुक्त हो। जिसका लक्ष्य पद के अनुरूप दायित्वों के निर्वहन में प्रयत्नों की पराकाष्ठा करना हो। श्री शिवराज सिंह चौहान मध्यप्रदेश में ऐसा कर पाये हैं और कर रहे हैं और सिर्फ मुख्यमंत्री के रूप में ही नहीं उनका अब तक का जीवन-क्रम बताता है कि आपातकाल के दौर में अपनी कच्ची उम्र में ही वे लोकतंत्र की रक्षा के उद्देश्य से कारावास जा चुके हैं। गृह ग्राम जैत में मजदूरों को पूरी मजदूरी दिलाने के लिये जुलूस निकाल चुके हैं। इसके बाद अपने मातृ संगठन में विभिन्न अनुषांगिक संगठनों में विभिन्न पदों के दायित्व निर्वहन ने उन्हें अपरिमित राजनैतिक अनुभव से समृद्ध किया है। सन् 1990 में थोड़े समय के लिये विधायक और फिर विदिशा से लगातार पांच बार लोकसभा चुनाव जीतकर 14 वर्ष तक की संसद सदस्यता से वे न केवल राजनैतिक रूप से परिपक्व हुए, बल्कि कर्मठ जननेता और जनसेवी बन गये।

यह सब कहने का आशय यह है कि वे हर रूप में, हर समय में जनसेवा और अपने दायित्वों के निर्वहन के लिये समर्पित रहे हैं। विकास और जनसेवा के साथ जनपीड़ा को हरने की उनकी प्रतिबद्धता के चलते उन्हें लगातार महत्वपूर्ण दायित्व मिलते रहे। यह अलग बात है कि शिवराज सिंह चौहान ने उनको मिले पद या दायित्व का निर्वहन इतनी सक्षमता से किया कि हर कसौटी उन्हें खरा उतारती रही।

चाहे संगठन का काम हो या मुख्यमंत्री के रूप में प्रशासन का, कोई काम उनके लिये कठिन नहीं रहा। स्वामी विवेकानंद के विचारों और कर्म से अनुप्राणित श्री शिवराज सिंह चौहान स्वयंसिद्ध प्रमाणित होते रहे हैं। उनकी अपरिमित ऊर्जा और कुछ करने की तड़प, धारा को विपरीत दिशा में मोड़ने का माद्दा और असंभव को संभव बनाने वाली जिद का उदाहरण है उनका पन्द्रह साल का मुख्यमंत्री कार्यकाल। पांव-पांव वाले भैया, जैसा उन्हें कहा जाता है, लोकसेवा और राष्ट्र के पुनर्निर्माण का अविराम पथिक है। उन्हीं के शब्दों में वे जनता के पांवों में कांटे नहीं आने देंगे। खुद तो उन्हें चुनेंगे ही, लोगों को भी प्रेरित करेंगे, प्रदेश के विकास की बाधाओं रूपी कांटों को हटाने के लिये।

पन्द्रह साल के मुख्यमंत्री के रूप में एक ऐसे देश और प्रदेश में जहां एक बार पद पर पहुंचने को ही जीवन भर की उपलब्धि मानकर जश्न मनाये जाते हों, वहां श्री चौहान की यह उपलब्धि अप्रतिम, ऐतिहासिक और उल्लेखनीय है और रहेगी। यह उपलब्धि तब और विशिष्ट हो जाती है जब इस अरसे में उन्होंने प्रदेश के पुनर्निर्माण के कामों को उपलब्धिपरक और भूतो न भविष्यति निरंतरता और सफलता दी हो।

कुल मिलाकर श्री शिवराज सिंह चौहान के बारे में कहा जा सकता है कि सत्ता उनका कभी लक्ष्य रहा ही नहीं है। सत्ता उनके लिये अपने प्रेरणास्रोत पंडित दीनदयाल उपाध्याय के आदर्शों के अनुरूप अंतिम पंक्ति के अंतिम आदमी के दुख-दर्द दूर करने का एक साधन भर है। उनका लक्ष्य आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण के साथ राष्ट्र के पुनर्निर्माण का है, राजनीति को छल, फरेब, दुरभि-संधियों और जाति और धर्म की संकीर्णताओं से ऊपर उठाकर विकासपरक बनाने का है और इसमें वे अब तक अकल्पनीय रूप से सफल रहे हैं। 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की भावना के अनुरूप वे राजनैतिक दल बन्दी, मत-मतान्तर, धर्म-जाति, वर्ग और समुदाय से परे सबके मंगल, सबके कल्याण, सबके निरोगी होने के कार्य के कठिन व्रत को पूरा करने में जुटे हैं। उन्होंने प्रदेश में राजनीति की धारा पिछले डेढ़ दशक के अरसे में बदल दी है। अब प्रदेश में राजनीति तुष्टीकरण की नहीं विकास की ही हो सकेगी, ऐसा उन्होंने स्थापित कर दिया है।

सरकार में जनता के विश्वास को और अधिक मजबूती देने के उनके प्रयास आज भी लगातार जारी हैं। वंचितों को सामाजिक सुरक्षा देने के लिये समर्पित शिवराज सिंह जी के लिये कोई भी वर्ग भूला-बिसरा नहीं रहा। किसानों, गरीब, महिला, युवा, जनजातीय, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, सामान्य और श्रमिक वर्ग के दुख-दर्द को दूर करने के लिये हरसंभव प्रयास कर रहे हैं, सरकार और समाज को विकास के कामों में साथ ला रहे हैं। उन्होंने मध्यप्रदेश में शासकीय कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन में सरकार के साथ जन-भागीदारी का अनूठा उदाहरण देश में प्रस्तुत किया है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह प्रक्रिया भविष्य में समृद्ध प्रशासनिक परम्परा बनेगी। एकात्म मानववाद की अवधारणा से दीक्षित-संस्कारित श्री शिवराज सिंह चौहान अपनी कथनी-करनी को एकात्म कर प्रदेशवासियों की आशा और विश्वास के ऐसे सफल प्रतीक हैं, जो संकल्पसिद्ध और कर्मसिद्ध हैं। सच्चे अर्थों में प्रदेशवासियों के दिल और इतिहास दोनों में उन्होंने अपना अमिट स्थान बना लिया है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

कोविड कंट्रोल के बाद जनता का उत्साह है चरम पर - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में मंत्रीगण एवं वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश में कोविड कंट्रोल के बाद जनता का उत्साह चरम पर है। जनता प्रसन्न है एवं आनंदमय वातावरण है। दो साल पहले इसी सभाकक्ष में मैंने कोविड की पहली बैठक ली थी। हम सभी के सामूहिक प्रयत्नों से कोविड पर काबू पाया है। लड़ाई अनजाने शत्रु से थी और कठिन थी। लगातार बैठकें होती रहीं। हर विभाग ने अपनी भूमिका निभाई। अपनी क्षमता और सम्पूर्ण शक्ति से काम किया। मध्यप्रदेश की उपलब्धियां अभूतपूर्व हैं। किसानों, गरीबों को धन की कमी नहीं आने दी। हमने विकास के कामों को पर्याप्त पैसा दिया। आत्मनिर्भर भारत के लिए आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का रोडमैप बनाया। अधोसंरचना विकास, खेती, निवेश सभी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन किया। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में मंत्रीगणों, मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, प्रमुख सचिव तथा सचिवों की बैठक को संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर से बेहतर कार्य करने के लिए हम कोशिश करेंगे। एक-एक क्षण को प्रदेश के विकास और कल्याण के लिए लगायेंगे। अगली कमिश्नर-कलेक्टर, आई.जी., एस.पी. कॉन्फ्रेंस 8 अप्रैल को होगी। उन्होंने कहा कि बजट में जिन कार्यों के लिए प्रावधान किया गया है, उनके लिये लिए रोडमैप तैयार करें। कार्यों में देरी नहीं हो। सप्ताह, माह, तीन माह और छह महीने के लिए कार्ययोजना तैयार करें। गुणवत्तापूर्ण कार्य हों। समय पर हितग्राहियों को लाभ मिले।

श्री चौहान ने कहा कि तय किये गये लक्ष्य सीएम डैशबोर्ड में फीड हो जायें। इसी के अनुसार समीक्षा होगी। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था के मामले में प्रदेश को शीर्ष पर रहना है। बेटियों, महिलाओं पर अपराध नहीं हों। अपराधियों को कठोर दंड देना है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में अच्छी कार्यवाही हुई है। अपराधियों और गरीबों पर अत्याचार करने वालों पर कठोरतम कार्यवाही जारी रखना है। अपराधियों में ऐसा खौफ हो कि वे अपराध करना छोड़ दें। उन्होंने कहा कि 28 मार्च को प्रधानमंत्री आवास योजना के आवास वितरण संबंधी कार्यक्रम व्यवस्थित हों। रोज़गार दिवस का कार्यक्रम 29 मार्च को होगा। इसी तरह 30 मार्च को जल महोत्सव का कार्यक्रम होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर और गांवों के गौरव दिवस मनाने की तिथियां सभी जगह तय कर ली जाएं। जनभागीदारी के साथ विकास और जनकल्याण के कार्य हों। स्वच्छता में मध्यप्रदेश नम्बर एक पर आए। सरकार की योजनाओं के हर पंचायत में होर्डिंग लगें।

रीवा की बेटी को दी बधाई

श्री चौहान ने कहा कि कठिन परिश्रम से रीवा की बेटी ने अपना स्थान बनाया है। उन्होंने उसे बधाई दी। कलेक्टर को भी मदद करने के आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि संवेदना के साथ लोगों की मदद कर सेवा करें। अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करें। स्कूल और आंगनवाड़ी अच्छी चलें। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के प्रयास करें। एक जिला-एक उत्पाद के लिए बेहतर कार्य करें। निर्यात बढ़ाने के प्रयास हों। जल जीवन मिशन में अच्छा कार्य हो। पानी के पुनर्भरण के लिए प्रयास करें। उन्होंने कहा कि 10 अप्रैल से जलाभिषेक अभियान शुरू होगा। साइकिल खरीदने के लिए ई-वाउचर दिये जायेंगे। योजनाओं में गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि मिलावट पर कड़ी कार्यवाही हो। सजग एवं सतर्क रहकर कार्य करें। सभी विभाग और अधिकारी अच्छे कार्य करें। कई मामलों में मध्यप्रदेश नंबर वन है। जब तक सांस है, तब तक कार्य करें। जनता के सुझावों के आधार पर सुधार करेंगे।

मध्यप्रदेश के लिये एक लाख 15 हजार 564 प्रधानमंत्री आवास (शहरी) स्वीकृत

भोपाल, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा मध्यप्रदेश के लिये प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के बीएलसी घटक में एक लाख 15 हजार 564 हितग्राहियों के आवास स्वीकृत किये गये हैं। मध्यप्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने आवासों की स्वीकृति पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी का आभार व्यक्त किया है।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री सिंह ने बताया है कि इन आवासों के लिये केंद्र और राज्य के अंश के रूप में आवास बनाने के लिये हितग्राहियों के खाते में 2889 करोड़ रुपये अंतरित किये जायेंगे। प्रधानमंत्री आवास (बीएलसी) बनाने के लिये हितग्राहियों को ढाई लाख रुपये की अनुदान राशि दी जाती है। श्री सिंह ने बताया है कि 197 नगरीय निकायों के हितग्राहियों के लिये यह आवास स्वीकृत किये गये हैं।

उल्लेखनीय है कि नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री सिंह ने गत 17 मार्च को नई दिल्ली में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री पुरी से भेंट कर प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लंबित प्रस्तावों को स्वीकृत करने का आग्रह किया था।

मध्यप्रदेश में बांध की क्षतिग्रस्त नहरों की कराएं शीघ्र मरम्मत

नरवाई न जलाने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाये

नर्मदापुरम, जल संसाधन, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने नर्मदापुरम जिले के इटारसी के ग्राम तवानगर स्थित एचईजी विश्राम गृह में जल संसाधन विभाग की समीक्षा की।

श्री सिलावट ने बैठक में जिले के सिवनी मालवा ब्लॉक में 148 करोड़ रुपये की झारबीड़ी सिंचाई योजना को शीघ्र चालू करवाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। श्री सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के संकल्प कृषि को लाभ का धंधा बनाने के लिए सभी अधिकारी पूरी गंभीरता से काम करें। विधायक सिवनी-मालवा श्री प्रेम शंकर वर्मा एवं विधायक सोहागपुर श्री विजय पाल सिंह ने भी अपनी विधानसभा क्षेत्र में नहरों के सुचारू संचालन के संबंध में सुझाव दिए। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह, मुख्य अभियंता जल संसाधन विभाग श्री शिशिर कुशवाह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

श्री सिलावट ने तवा बांध का निरीक्षण किया और विभागीय अधिकारियों को बांध सुरक्षा का ऑडिट कराने के साथ क्षतिग्रस्त नहरों को सुधारने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में पानी का अपव्यय न हो। मूंग फसल की सिंचाई के लिए हरदा एवं नर्मदापुरम के सभी किसानों को समान रूप से लाभान्वित किया जाए। श्री सिलावट ने राजस्व एवं पुलिस विभाग के साथ समन्वय बनाकर नहरों के आस-पास अतिक्रमण हटवाने के निर्देश दिए। उन्होंने बेहतर कार्ययोजना बनाकर नहरों के आसपास सघन पौधारोपण करने के निर्देश दिए। श्री सिलावट ने कहा कि विभागीय अधिकारी रोस्टर बनाकर नियमित नहरों का निरीक्षण करें।

श्री सिलावट ने किसानों को नरवाई के फायदे और उसके बेहतर उपयोग के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला करने के लिए कृषि वैज्ञानिकों से चर्चा करने को कहा। साथ ही जिले में नरवाई नहीं जलाई जाए इससे लिए जागरूकता अभियान चलाए जाने के निर्देश भी दिए।

राज्य सरकार समर्थन मूल्य पर किसानों की उपज का एक-एक दाना खरीदेगी

भोपाल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह ने कहा कि सरकार किसानों की उपज का एक एक दाना खरीदेगी। इसके लिए शासन द्वारा पंजीयन से लेकर भुगतान तक की पारदर्शी व्यवस्था की गई है। श्री बिसाहूलाल सिंह एवं सहकारिता मंत्री श्री अरविंद सिंह भदौरिया ने किसानों से समर्थन मूल्य पर रबी विपणन की खरीदी पर मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए कहा कि इस वर्ष गेहूं का समर्थन मूल्य 2015 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, जो विगत वर्ष से 40 रुपये प्रति क्विंटल अधिक है। प्रदेश सरकार 28 मार्च से गेहूं उपार्जन प्रारंभ करने जा रही है। इंदौर एवं उज्जैन संभाग के जिलों में 28 मार्च से 10 मई, 2022 तक एवं नर्मदापुरम, जबलपुर, रीवा, शहडोल, सागर, ग्वालियर, भोपाल एवं चम्बल संभाग के जिलों में 4 अप्रैल से 16 मई तक खरीदी की जायेगी।

श्री सिंह ने बताया कि समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिये विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी 4663 उपार्जन केंद्रों पर खरीदी की जायेगी। इसके अतिरिक्त सायलो मालिकों द्वारा संचालित उपार्जन केंद्र पर अलग से खरीदी होगी, जो 4663 केंद्रों के अतिरिक्त होंगे।

बायोमेट्रिक सत्यापन से हुआ पंजीयन

मंत्रीद्वय ने बताया कि वास्तविक कृषकों का ही पंजीयन हो सके, इसके लिये शासन द्वारा पंजीयन करने के लिये आधार नम्बर आधारित बायोमेट्रिक/ओटीपी सत्यापन के आधार पर पंजीयन की व्यवस्था की गई थी। इसमें कुल पंजीयन का 41 प्रतिशत बायोमेट्रिक सत्यापन के द्वारा पंजीयन किया गया। इसके तहत ऐसे शारीरिक रूप से अक्षम एवं वृद्ध कृषक, जिनके पास आधार नम्बर नहीं था, उन्हें नामिनी के माध्यम से पंजीयन की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। इस सुविधा का लाभ 28 हजार 298 कृषकों द्वारा लिया गया। गेहूं उपार्जन के लिये 19 लाख 81 हजार किसानों ने पंजीयन कराया, जो विगत वर्ष का 80 प्रतिशत है। इसमें कुल रकबा 42.24 लाख हेक्टेयर है, जो विगत वर्ष से 84 प्रतिशत अधिक है।

उपार्जन केंद्र होगा किसान की पसंद का

किसानों को फसल बेचने के लिये एसएमएस की प्रतीक्षा नहीं करनी होगी। अब वे स्वयं स्लॉट बुकिंग कर अपनी पसंद के उपार्जन केंद्र और विक्रय के लिये दिनांक तथा समय का चयन www.mpeuparjan.nic.in पर कर सकेंगे। उपार्जन सोमवार से शुक्रवार तक प्रातः 9 से दोपहर एक बजे तक एवं 2 बजे से 6 बजे तक किया जायेगा। फसल विक्रय के लिये स्लॉट की वैधता 3 कार्य दिवस के लिये होगी। स्लॉट बुकिंग करने के पश्चात कृषक उपार्जन केंद्र का नाम, विक्रय योग्य मात्रा एवं विक्रय के दिनांक की जानकारी का प्रिंट निकाल सकेंगे। श्री सिंह ने बताया कि कृषकों को उसकी उपज का भुगतान उनके आधार लिंक खाते में करने की व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटि की संभावना को समाप्त किया जा सके। इसके लिए किसान को बैंक शाखा में जाकर खाते को आधार से लिंक कराना होगा।

शासन और जनता के एक साथ आने से विकसित हुआ इंदौर मॉडल - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा इंदौर में बस स्टैंड के नवीन भवन का लोकार्पण करते हुये।

इंदौर, इंदौर स्वच्छता सहित कई क्षेत्रों में नम्बर-वन है। एक और संकल्प के प्रकटीकरण का यह दिन है। यह सुगम, सुलभ यातायात व्यवस्था के साथ नगर में क्लीन एयर और ग्रीन मोबिलिटी का ध्यान रखते हुए लोक परिवहन सेवा की लास्ट माइल्स कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के प्रयासों का आरंभ है। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 14 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से इंदौर में बने सरवटे बस स्टैंड के नवीन भवन का वर्चुअली लोकार्पण करते हुये कही। मुख्यमंत्री ने 300 स्थानों से तीन हजार बाइसिकल किराए पर देने की 10 करोड़ रुपये लागत की इंदौर पब्लिक बाइसिकल योजना का लोकार्पण भी किया। इस योजना का संचालन पीपीपी मॉडल पर होगा। मुख्यमंत्री ने लक्ष्मी मेमोरियल हॉस्पिटल के पास 39 करोड़ 18 लाख रुपये की लागत से बन रहे 35 एमएलडी क्षमता के सीवरेज वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और 40 करोड़ 15 लाख रुपये की लागत से सिरपुर तालाब के समीप बनने वाले 20 एमएलडी क्षमता के सीवरेज वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का भूमि-पूजन भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर में जन-प्रतिनिधि, प्रशासन और जनता के लोग एक साथ मिलकर आगे आएं। जनभागीदारी की इस पहल ने ही इंदौर मॉडल को पूरे देश में स्थापित किया है। यह एक आदर्श व्यवस्था है। श्री चौहान ने कहा कि इंदौर मेरे सपनों का शहर है, मैं स्वयं को इंदौरी कहने में गर्व का अनुभव करता हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए वर्ष 2030, 2050 तथा 2070 तक का रोडमैप बनाया है। नगरों में बैटरी चलित वाहनों, कम दूरी के लिए साइकिल के उपयोग को प्रोत्साहित करने और डीजल-पेट्रोल की खपत को कम कर प्रत्येक व्यक्ति प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लक्ष्य की पूर्ति में अपना सहयोग प्रदान कर सकता है।

श्री चौहान ने कहा कि इंदौर में बने सरवटे बस स्टैंड में यात्रियों की समस्त सुविधाओं का ध्यान रखा गया है। प्रयास यह है कि यात्रियों को सुखद अनुभूति हो। नवीन बस स्टैंड में पार्किंग, यात्री प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, पुलिस चौकी, रेस्टोरेंट, सिटिंग एरिया के साथ ही लॉकर रूम की व्यवस्था की गई है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कार्य समिति का गठन

भोपाल, राज्य शासन ने प्रदेश के औद्योगिक विकास के दृष्टिगत राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में प्रदेश की हिस्सेदारी बढ़ाने एवं चयनित उत्पादों की गुणवत्ता वृद्धि, वैल्यू एडिशन कर निर्यात को प्रोत्साहन देने और रोज़गार सृजन के संबंध में आवश्यक सुझाव, नीति-निर्धारण के संदर्भ में मध्यप्रदेश ट्रेड प्रमोशन काउंसिल का गठन मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में किया गया है। मध्यप्रदेश ट्रेड प्रमोशन काउंसिल के उद्देश्यों की पूर्ति के निष्पादन के लिए काउंसिल के अधीन कार्य समिति का गठन मुख्य सचिव की अध्यक्षता में किया गया है।

अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, वन, वित्त, परिवहन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यटन, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग, कृषि, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास और श्रम विभाग सदस्य होंगे। राज्य निर्यात आयुक्त (प्रबंध संचालक, एमपीआईडीसी भोपाल) सदस्य सचिव होंगे।

कार्य समिति द्वारा मुख्य रूप से राज्य स्तर से राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए समय-समय पर चिन्हित उत्पादों कृषि फार्मास्युटिकल, टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल एवं इंजीनियरिंग, फूड प्रोसेसिंग, आईटी, हस्तशिल्प आदि के राज्य स्तरीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं स्टेक होल्डर्स से चर्चा कर प्राप्त सुझावों के आधार पर प्रस्तावित कार्य योजना का अनुमोदन किया जाएगा। साथ ही राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अन्तर्गत राज्य शासन द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं की समीक्षा एवं कठिनाईयों का निराकरण हेतु निर्देश जारी करना तथा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले विभिन्न आयोजनों यथा मेले, प्रदर्शनी, सेमीनार, इन्वेस्टर्स समिट और भारत सरकार निर्यात परिषद के आयोजन में भाग लेने के लिये पैनल समिति से प्राप्त प्रस्ताव और कार्ययोजना का अनुमोदन समिति करेगी।

चना, मसूर, सरसों का समर्थन मूल्य पर उपार्जन 21 मार्च से हुआ शुरू

भोपाल, मध्यप्रदेश में किसानों से चना, मसूर और सरसों का समर्थन मूल्य पर उर्पाजन 21 मार्च से प्रारंभ हो गया है। उपार्जन संबंधी सभी आवश्यक तैयारियां कर ली गई हैं।

किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने बताया कि रबी मौसम वर्ष 2021-22 में 'प्राइस सपोर्ट स्कीम' में प्रदेश के किसानों द्वारा उत्पादित चना, मसूर, सरसों की उपज का उचित मूल्य किसानों को दिलाने के लिये 21 मार्च से 31 मई तक समर्थन मूल्य पर खरीदी की जाएगी। उन्होंने बताया कि पूर्व में यह खरीदी गेहूं के उपार्जन के बाद की जाती थी, जिससे किसानों को मजबूरी में कम कीमत पर अपनी उपज बेचना पड़ती थी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में किसानों के हित में निर्णय लिया जाकर, गत वर्ष से उपार्जन का कार्य पहले किये जाने से किसानों को लाभ होने लगा है। श्री पटेल ने कहा कि समर्थन मूल्य पर 21 मार्च से खरीदी होने पर चना, मसूर, सरसों के भाव में उछाल आएगा और गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी समर्थन मूल्य से अधिक मूल्य पर किसानों की फसल विकेगी, जिससे किसानों को अधिक लाभ प्राप्त होगा।

जेल विभाग में उच्च पदों पर प्रभार देने की प्रक्रिया निर्धारित

भोपाल, अपर मुख्य सचिव गृह एवं जेल डॉ. राजेश राजौरा ने बताया है कि जेल विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को कार्यवाहक तौर पर उच्च पद का प्रभार देने संबंधी प्रक्रिया निर्धारित कर आदेश जारी कर दिये गये हैं।

डॉ. राजौरा ने बताया है कि अधीक्षक जिला जेल, उप अधीक्षक जेल, वरिष्ठ परिवीक्षा एवं कल्याण अधिकारी, मुख्य परिवीक्षा एवं कल्याण अधिकारी इत्यादि पदों के लिये पात्र एवं योग्य अधिकारियों का निर्धारण छानबीन समिति करेगी। चार सदस्यीय समिति में अध्यक्ष, महानिदेशक जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं रहेंगे। अन्य 3 सदस्यों में अतिरिक्त महानिदेशक जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं, जेल उप महानिरीक्षक (स्थापना) और जेल उप महानिरीक्षक (विधि)/अधीक्षक केन्द्रीय जेल रहेंगे। समिति में कम से कम एक सदस्य अनुसूचित-जाति/अनुसूचित-जनजाति वर्ग का होगा।

डॉ. राजौरा ने बताया है कि अन्य पदों के लिये महानिदेशक जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं द्वारा छंटनी समिति बनाई जायेगी। कार्यवाहक प्रभार दिये जाने के लिये उच्चतर पद की वास्तविक रिक्तियों को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यकता अनुसार स्थानांतरण सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रभार दिये जाने के आदेश के साथ ही किये जा सकेंगे तथा जो पद कार्यवाहक प्रभार के कारण रिक्त होंगे, उन पद पर अन्य को कार्यवाहक प्रभार नहीं दिया जायेगा। वर्तमान इकाई/स्थानांतरण इकाई में इनका वेतन प्रभार में दिये गये स्वीकृत पद के विरुद्ध आहरण किया जायेगा।

अपर मुख्य सचिव डॉ. राजौरा ने बताया है कि स्थानापन्न प्रभाव से कार्यवाहक प्रभार के लिये पात्रता की शर्तें भी निर्धारित कर दी गई हैं। अन्य शर्तों के अतिरिक्त निर्धारित किया गया है कि कार्यवाहक प्रभार वाले अधिकारी/कर्मचारी अपने कार्यवाहक पद के सभी अधिकार एवं दायित्वों का व्यवहरण करने में सक्षम होंगे।

कार्यवाहक प्रभार ग्रहण करने वाले किसी भी अधिकारी/कर्मचारी को भविष्य में पदोन्नति के विचारण में वरीयता का कोई अधिकार नहीं होगा।

एमएसएमई इकाइयों को 200 करोड़ रुपये का अनुदान वितरण प्रारम्भ

भोपाल, सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा के प्रयासों से प्रदेश में एमएसएमई इकाइयों को पिछले 2 साल का लंबित अनुदान वितरण का कार्य प्रारम्भ हो गया है।

श्री सखलेचा ने बताया कि कोरोना काल में वित्तीय संकट के कारण विगत दो वर्षों से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को एमएसएमई विकास नीति में किये गये प्रावधान अनुसार अनुदान का लाभ नहीं मिल पा रहा था। उन्होंने बताया कि विशेष प्रयासों से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग द्वारा इस अनुदान के लिए अनुपूरक बजट में 200 करोड़ रुपये का बजट प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को इस रुके हुए अनुदान की राशि मिलने से बड़ी मदद मिलेगी और वे अपने कामकाज को फिर प्रारम्भ कर सकेंगे। श्री सखलेचा द्वारा किये गये विशेष प्रयासों से प्रदेश में एमएसएमई विकास और निवेश प्रोत्साहन को नई गति प्राप्त होगी और प्रदेश में औद्योगिकीकरण को नई दिशा भी मिलेगी।

गरीब और जनजातीय वर्ग के विरुद्ध होने वाले अत्याचार को सख्ती से रोकें

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान रायसेन जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुये।

रायसेन, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि गुंडे और बदमाशों के मकानों को खोदकर मैदान बना दूंगा। मामा का बुलडोजर चल पड़ा है और अब रुकेगा नहीं, गुंडे-बदमाशों को ठिकाने लगाकर ही दम लेगा। उन्होंने गुंडे-बदमाशों को सख्त लहजे में हिदायत दी कि गरीबों और कमजोरों को सताना बन्द कर दें या मध्यप्रदेश छोड़ दें।

मुख्यमंत्री ने रायसेन जिले की तहसील सिलवानी के खमरिया गांव में विगत दिनों हुए विवाद में मृत श्री राजू धुर्वे के परिवारजनों से चन्द्रपुरा में भेंट कर संवेदना व्यक्त की। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी और क्षेत्रीय विधायक श्री रामपाल सिंह भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीबों और जनजातीय लोगों के विरुद्ध होने वाले हर अत्याचार को सख्ती से रोका जाएगा और अत्याचारियों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने उल्लेख किया कि एक जमाने में उन्होंने कहा था कि प्रदेश में डकैतों का सफाया करूंगा और अब प्रदेश में एक भी डाकू नहीं है।

श्री चौहान ने कहा कि उनका बुलडोजर पूरे प्रदेश में चल रहा है। चाहे सिवनी हो, श्योपुर, शहडोल या जावरा, सब जगह गुंडे-बदमाशों के मकानों को मैदान बना दिया है। उन्होंने जनजातीय वर्ग को आश्वस्त किया कि पूरी सरकार और मुख्यमंत्री उनके साथ है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सर्चिंग कर सभी तरह के अवैध कारोबार पर सख्ती से रोक लगाएं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि घटना से प्रभावित हुए लोगों को सहायता राशि भोपाल से भी दी जा सकती थी, लेकिन चन्द्रपुरा सिर्फ इसलिए आया हूं कि गुंडे-बदमाशों को यह चेतावनी मिल जाये कि उन्हें सरकार छोड़ेगी नहीं।

स्वर्गीय राजू के परिवार की जिम्मेदारी सरकार की

मुख्यमंत्री विवाद में अपनी जान गवां चुके स्वर्गीय श्री राजू धुर्वे के घर गए और उनकी पत्नी श्रीमती माया बाई को 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि का चेक भेंट किया। मुख्यमंत्री ने सहायता स्वरूप मृतक के पिता और भाई को प्रधानमंत्री आवास योजना में 2 आवास के स्वीकृति-पत्र भी सौंपे। उन्होंने कहा कि मृतक के तीनों बच्चों को प्रतिमाह 2-2 हजार रुपये दिये जायेंगे और उनकी पत्नी को स्व-रोज़गार से जोड़ा जाएगा।

प्रतापगढ़ टप्पा बनेगा तहसील और दिए जाएंगे वन अधिकार पट्टे

श्री चौहान ने कहा कि ग्रामीणों को अब अपनी समस्याओं को लेकर दूर नहीं जाना पड़ेगा। नजदीकी प्रतापगढ़ टप्पा को तहसील बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वन अधिकार पट्टों का फिर सर्वे हो और वर्ष 2006 के पहले के कोई पट्टाधारी छूट गए हों, तो उन्हें पट्टा दिया जाये।

रोटी-कपड़ा-मकान सबका हक

मुख्यमंत्री ने कहा कि रोटी-कपड़ा मकान का हक सबको है। पूरे इलाके का सर्वे कराकर गरीबों को पक्के मकान दिए जाएंगे। राशन उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री भू-आवासीय योजना का लाभ भी दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जनकल्याण शिविरों के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक गरीब को शासन की योजनाओं से लाभान्वित करें। उन्होंने जिला पंचायत सीईओ को निर्देश दिए कि क्षेत्र में स्व-सहायता समूह बनाए जाएं।

शासकीय सेवकों को महंगाई भत्ते में 11 प्रतिशत वृद्धि के आदेश जारी

भोपाल, राज्य शासन ने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की घोषणा के परिपालन में शासकीय सेवकों को देय महंगाई भत्ते की दर में मार्च 2022 से 11 प्रतिशत वृद्धि के आदेश जारी कर दिए हैं।

वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार सातवें वेतनमान में बढ़ा हुआ महंगाई भत्ते का भुगतान माह मार्च पेड अप्रैल 2022 से मिलेगा। उपरोक्त वृद्धि के बाद महंगाई भत्ते की दर 1 मार्च 2022 से कुल 31 प्रतिशत हो जाएगी।

उल्लेखनीय है कि शासकीय सेवकों को माह अक्टूबर 2021 (भुगतान माह नवम्बर 2021) से सातवें वेतनमान में 20 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता दिया जा रहा है।

शासकीय कार्यालयों में 30 जून 2022 तक रहेगी फाइव-डे वीक व्यवस्था

भोपाल, शासकीय कार्यालयों के कार्य-दिवस सप्ताह में 5 दिवस (सोमवार से शुक्रवार) की व्यवस्था 30 जून 2022 तक प्रभावशील रहेगी। सचिव सामान्य प्रशासन विभाग डॉ. श्रीनिवास शर्मा ने बताया कि राज्य शासन द्वारा कोविड-19 महामारी के रोकथाम एवं बचाव के संबंध में सम्पूर्ण प्रदेश के शासकीय कार्यालयों के कार्यदिवस सप्ताह में 5 दिवस (सोमवार से शुक्रवार) निर्धारित किए गये थे। यह आदेश 31 मार्च 2022 तक प्रभावशील था, जिसे 30 जून 2022 तक बढ़ाया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा इस संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश में
खंडवा, धार, खरगौन,
बुरहानपुर, झाबुआ, बड़वानी
तथा अलीराजपुर जिलों में
एजेंसी नियुक्त करना है।

संपर्क करें
9425625746, 9424442725

प्रमुख आकर्षण

- कैरियर की खबरें
- सम-सामायिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

श्री योगी आदित्यनाथ

लगातार दूसरी बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने

श्री योगी आदित्यनाथ लगातार दूसरी बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बन गए हैं। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम में हुए समारोह में राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने उन्हें मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। श्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

श्री पुष्कर सिंह धामी

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री बने

राज्यपाल श्री गुरमीत सिंह ने श्री पुष्कर सिंह धामी को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। श्री पुष्कर सिंह धामी उत्तराखंड के 12वें मुख्यमंत्री बने हैं। उन्होंने प्रदेश में लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बनकर रिकॉर्ड बनाया है। देहरादून स्थित परेड ग्राउंड में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया था।

श्री एन बीरेन सिंह

दूसरी बार बने मणिपुर के मुख्यमंत्री

श्री एन बीरेन सिंह ने मणिपुर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उन्हें राज्यपाल श्री एल गणेशन ने शपथ दिलाई। श्री बीरेन सिंह दूसरी बार मणिपुर के मुख्यमंत्री बने हैं। श्री बीरेन सिंह के साथ श्री नेमचा किपगेन, श्री वाई. खेमचंद सिंह, श्री विस्वजीत सिंह, श्री अवंगवौ न्यूमाई और श्री गोविंदास कोंथौजम ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली।

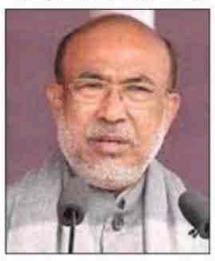

श्री भगवंत मान

पंजाब के मुख्यमंत्री बने

राज्यपाल श्री बनवारी लाल पुरोहित ने श्री भगवंत मान को पंजाब के मुख्यमंत्री पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। श्री मान पंजाब के 17वें मुख्यमंत्री बने हैं। उन्होंने सरदार भगत सिंह के पैतृक गांव खटकर कलां में शपथ ग्रहण की। शपथ ग्रहण समारोह में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत दिल्ली के कई मंत्री भी शामिल हुए।

लुधियाना में

दुनिया के सबसे बड़े सोलर ट्री का उद्घाटन

लुधियाना में तैयार विश्व के सबसे बड़े सोलर ट्री का उद्घाटन सिटी मेयर ने किया। इसे 21 जनवरी 2022 को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी शामिल किया जा चुका है। 309.83 वर्ग मीटर में सोलर ट्री तैयार किया गया है।

शेफाली राजदान दुग्गल

नीदरलैंड्स में अमेरिकी राजदूत नामित

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भारतवंशी राजनीतिक कार्यकर्ता शेफाली राजदान दुग्गल को नीदरलैंड्स में राजदूत नामित किया है। इसके साथ ही व्हाइट हाउस ने कई अन्य प्रमुख प्रशासनिक और राजनयिक पदों पर नियुक्ति की घोषणा भी की है। शेफाली ने बाइडेन के लिये महिलाओं की राष्ट्रीय सह-अध्यक्ष और डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी में उप राष्ट्रीय वित्त अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है।

हांगकांग में

सौर ऊर्जा से चलने वाले सुपर याट का मॉडल तैयार

सोलर एनर्जी के बढ़ते उपयोग के बीच जल्द ही समुद्र में चलने वाले सुपर याट भी सूर्य की ऊर्जा से चलेंगे। हांगकांग स्थित एम 51 डिजाइन स्टूडियो के एंथनी ग्लैसन ने इसका मॉडल तैयार किया है। एंथनी एक दशक से सुपर याट पर काम कर रहे हैं। 130 मीटर लंबा यह सुपर याट पूरी तरह से सोलर पैनल से ढंका हुआ होगा।

इलेक्ट्रिक साइकिल

स्वदेशी मोटर कंट्रोलर से चलेगी

भारत में इलेक्ट्रिकल साइकिल स्वदेशी मोटर कंट्रोलर से चलेगी। स्टार्टअप इंडिया से प्रेरित होकर इंजीनियरिंग के छात्र शेष पटेल ने स्वदेशी कंट्रोलर तैयार किया है। यह चीन में बने कंट्रोलर के मुकाबले काफी सस्ता होगा। आइक्रिएट अहमदाबाद, गुजरात की ओर से स्वदेशी कंट्रोलर बनाने के लिए शेष को 3 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई है। शेष पटेल उत्तरप्रदेश के फतेहपुर जिले के रहने वाले हैं। उन्होंने 2021 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग की परीक्षा पास की है।

प्रिंसिपैलिटी ऑफ आइलैंडिया

क्राउड फंडिंग के जरिये बना कैरेबियाई देश

गैरथ जॉनसन और मार्शल मेयर ने क्राउड फंडिंग के जरिये एक अलग देश बना लिया है। इन्होंने एक आइलैंड खरीदकर इसे अलग देश बनाया है। इस देश का नाम प्रिंसिपैलिटी ऑफ आइलैंडिया रखा है। इस देश के पास अपना राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय गान, सरकार और सीक्रेट पुलिस भी है। 15 वर्ष पहले गैरेथ जॉनसन ने क्राउड फंडिंग के आइडिया को आकार देना शुरू कर दिया था। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने इसे मान्यता नहीं दी है।

बेंगलुरु में

देश का पहला वॉटर डेटा एक्वेरियम शुरू

कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी मंत्री सीएन अश्वथ नारायण ने देश के पहले डिजिटल वॉटर डेटा बैंक एक्वेरियम का उद्घाटन किया। नारायण ने बेंगलुरु स्थित कंपनी एक्वाफ्रॉफ्ट ग्रुप वेंचर्स के इस डिजिटल स्टार्टअप की शुरुआत करते हुये कहा कि टिकाऊ एवं हरित प्रौद्योगिकियों का आईटी, कौशल एवं उद्यमशीलता का यह अनूठा नवाचार है। जल प्रबंधन की दिशा में वॉटर डेटा एक्वेरियम एक सही जल प्रबंधन में मददगार होगा।

मिनी रॉकेट लॉन्चर

एसएसएलवी पहली उड़ान के लिये तैयार

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) आगामी मई में अपने मिनी रॉकेट लॉन्चर एसएसएलवी की पहली उड़ान के लिये तैयार है। इसरो ने घोषणा की कि आंध्र प्रदेश के श्री हरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल के लिये नव विकसित ठोस बूस्टर चरण (एसएस-1) का जमीनी परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान सभी पैरामीटर संतोषजनक पाये गये। इसरो के अनुसार नव विकसित ठोस बूस्टर चरण एक तीन खंडों वाला प्रणोदक चरण है। यह चरण मूल रूप से अंतरिक्ष यान को प्रारंभिक जोर प्रदान करता है।

चंद्रयान-2

पहली बार डाली ऑर्गन-40 गैस पर रोशनी

चंद्रमा की कक्षा में चक्कर लगा रहे चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर ने चांद के बाह्य मंडल में ऑर्गन गैस को लेकर महत्वपूर्ण अध्ययन किया है। चंद्रयान-2 के 8 वैज्ञानिक उपकरणों में से एक चेस-2 ने चंद्रमा के बाह्य मंडल में ऑर्गन-40 गैस के वितरण पर रोशनी डाली है। भारतीय तारा भौतिक संस्थान के प्रोफेसर रमेश कपूर ने बताया कि ऑर्गन-40 गैस का घनत्व चंद्रमा के सूर्योदय और सूर्यास्त वाले स्थान पर अन्य स्थानों के सापेक्ष बढ़ जाता है। ऑर्गन-40 के चंद्रमा के विभिन्न भागों में फैलाव का पहली बार पता चला है।

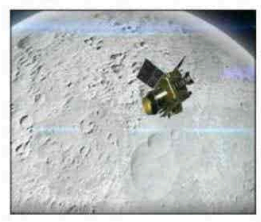

रइफ बदावी

एक दशक तक कैद में रहे सउदी ब्लॉगर रिहा

सऊदी अरब के ब्लॉगर रइफ बदावी करीब एक दशक के बाद जेल से रिहा हुये हैं। रइफ को सऊदी अरब के रूढ़िवादी धार्मिक संस्थानों की आलोचना करने की वजह से सजा हुई थी। कनाडा के शेरब्रुक में तीन बच्चों के साथ रह रहीं रइफ की पत्नी इंसाफ हैदर ने ट्वीट कर बताया कि वर्ष 2015 के यूरोप के साखरोव मानवाधिकार पुरस्कार से सम्मानित रइफ हाल ही में कैद से रिहा हुए हैं।

निशांत बत्रा

चंद्रमा पर 4जी नेटवर्क कर रहे तैयार

चंद्रमा पर 4जी नेटवर्क की व्यवस्था की जा रही है, यानी चांद पर जाने वाले अंतरिक्ष यात्री वहां से मोबाइल फोन पर बात और वीडियो कॉल भी कर सकेंगे। नासा ने इसकी जिम्मेदारी नई दिल्ली में जन्में निशांत बत्रा को दी है। निशांत अब फिनलैंड के इस्पू में रहते हैं। वह 22 अरब यूरो (लगभग 1841 अरब 65 करोड़ 12 लाख 11 हजार 180 रुपये) की कीमत वाली कंपनी में स्ट्रैटेजी एवं टेक्नोलॉजी के वैश्विक अध्यक्ष हैं।

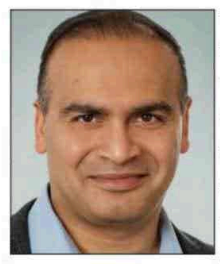

न्यूजीलैंड में

रहस्मयी छिपकली 19 करोड़ वर्ष से है जिंदा

न्यूजीलैंड में एक छिपकली पाई जाती है जिसे तुआतारा कहते हैं। यह धरती की सबसे रहस्मयी छिपकली है। इसे वैज्ञानिक जीवित जीवाश्म भी कहते हैं, क्योंकि इसका संबंध 19 करोड़ साल पुराने इसके पूर्वजों रिचोसिफैलियंस (डायनासोर काल) से बताया जाता है। यह ठंडी से ठंडी जगह पर विपरीत परिस्थितियों को बर्दाश्त कर लेती हैं। इनकी सबसे बड़ी खासियत इनकी तीसरी आंख है। ये सूरज की रोशनी को पहचानने में मददगार होती है।

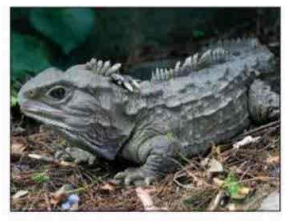

रंजीत रथ

ऑयल इंडिया के चेयरमैन होंगे

रंजीत रथ देश की दूसरी सबसे बड़ी सरकारी तेल कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड के नये चेयरमैन होंगे। सरकारी कंपनियों में बड़े अधिकारियों का चयन करने वाले सार्वजनिक उपक्रम चयन बोर्ड ने रथ का नाम ऑयल इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक पद के लिये चुना है। 50 वर्षीय रथ फिलहाल मिनरल एक्प्लोरेशन कॉर्पोरेशन के चेयरमैन हैं।

ट्वीटर

जल्द लायेगा क्रिएटर डैशबोर्ड नाम का नया टूल

माइक्रो ब्लागिंग साइट ट्वीटर अपने उपभोक्ताओं के लिये 'क्रिएटर डैशबोर्ड' नाम से नये टूल को पेश कर रही है, ताकि इससे एनालिसिस किया जा सके कि वे प्लेटफॉर्म पर कैसे पैसा कमाते हैं। नये टूल क्रिएटर डैशबोर्ड से सटीक एनालिसिस संभव हो सकेगा। इसका प्रयोगिक वर्जन सफल रहा। इसके टूल ने मॉनिटाइजेश फीचर्स के जरिये होने वाली आय का विश्लेषण भी आसानी से किया जा सकेगा।

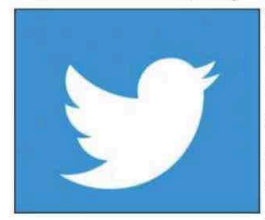

पैट्रियट वायु रक्षा प्रणाली इकाइयां

अमेरिका ने पोलैंड में तैनात कीं

अमेरिका यूरोपियन कमांड ने बताया है कि अमेरिका ने पोलैंड में पैट्रियट वायु रक्षा प्रणाली की दो इकाइयां तैनात की हैं। रक्षा मंत्री के निर्देश पर तथा पौलैंड सहयोगियों के नियंत्रण पर अमेरिकी यूरोपीय कमांउ के कमांडर जनरल वोल्टर्स ने अमेरिकी सेना को पोलैंड में दो पैट्रियट इकाइयां भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि यह दूरदर्शी सैन्य सुरक्षा उपाय है, जो अनुच्छेद 5 की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

नटराजन चंद्रशेखरन

एयर इंडिया के नये चेयरमैन बने

टाटा ग्रुप ने नटराजन चंद्रशेखरन को एयर इंडिया का नया चेयरमैन नियुक्त किया है। टाटा संस के निदेशक मंडल ने चंद्रशेखरन की नियुक्ति की पुष्टि की है। वर्तमान में चद्रशेखरन 100 से अधिक टाटा ऑपरेटिंग कंपनियों के प्रमोटर हैं।

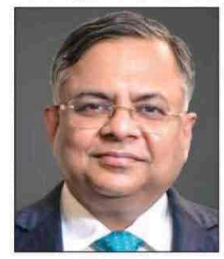

स्मृति शेष

ऑस्कर विनिंग अभिनेता विलियम हर्ट का निधन

ऑस्कर विनिंग एक्टर विलियम हर्ट का 72 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने 'किस ऑफ द स्पाइडर वूमेन', 'ब्लैक विडो', 'कैप्टन अमेरिका : सिविल वार' जैसी ब्लॉक बस्टर फिल्मों में अभिनय कर लोकप्रियता प्राप्त की थी।

सूअर का हृदय लगवाने वाले शख्स की मृत्यु

तकरीबन दो माह पूर्व अभूतपूर्व प्रयोग के तहत अमेरिका में डेविड बेनेट को सुअर का हृदय लगाया गया था। लेकिन उनकी मौत हो गई है, 57 वर्षीय डेविड यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड मेडिकल सेंटर में भर्ती थे। बेनेट की सर्जरी 7 जनवरी को हुई थी और उनका प्रत्यारोपित हृदय सामान्य रूप से धड़कना शुरू हो गया था। वे धीरे-धीरे स्वस्थ्य हो रहे थे। उनके प्रत्यारोपण प्रयोग से दुनियाभर में हृदय अंगों की कमी पूरी होने की उम्मीद जागी थी।

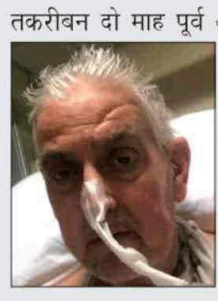

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

खेल विभाग पुलिस भर्ती में शारीरिक दक्षता परीक्षण के लिये करेगा अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित

भोपाल, ग्रामीण क्षेत्रों के युवा और महिलाएं जिन्होंने पुलिस आरक्षक भर्ती की लिखित परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, उन्हें शारीरिक दक्षता परीक्षण के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग प्रशिक्षित करेगा। इससे युवा अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन कर सकेंगे। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया की पहल पर स्कूल शिक्षा और उच्च शिक्षा विभाग की सहमति के बाद ऐसे अभ्यर्थियों की सहायता के लिए उन्हें प्रशिक्षण एवं अभ्यास की सुविधा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। प्रमुख सचिव खेल एवं युवा कल्याण श्रीमती दीप्ती गौड़ मुखर्जी ने बताया कि पुलिस विभाग में आरक्षकों की भर्ती के लिखित परीक्षा परिणाम घोषित हो चुके हैं। अगले चरण में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का शारीरिक दक्षता परीक्षण किया जाएगा। प्रायः यह देखने में आया है कि अधिकांश अभ्यर्थी विशेषकर ग्रामीणों क्षेत्रों के निवासी को खेल विधाओं जैसे दौड़, लम्बी कूद, शॉटपुट की सही तकनीकी जानकारी नहीं होती। पर्याप्त प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के वे अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा इनके सही तकनीक और प्रशिक्षण की व्यवस्था करेगा। श्रीमती मुखर्जी ने बताया कि जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में पुलिस अधीक्षक, जिला शिक्षा अधिकारी तथा महाविद्यालय के प्राचार्य की समिति गठित की जाएगी। जिला खेल अधिकारी समिति के सचिव होंगे। समिति अभ्यर्थियों के अभ्यास के लिए स्थान, प्रशिक्षण की व्यवस्था आदि उपलब्ध कराने का निर्णय लेगी। यदि आवश्यक हो तो समिति शॉटपुट, लांग जम्प खेल के लिए स्थान एवं सामग्री के लिए जन-भागीदारी के माध्यम से व्यवस्था कर सकती है।

श्रीमती मुखर्जी ने बताया कि जिले में अभ्यर्थियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए जिला स्तर पर जिला स्तरीय खेल परिसर के अतिरिक्त संभागीय मुख्यालयों में स्थित विश्वविद्यालय, जिला मुख्यालयों पर महाविद्यालय, हायर सेकेण्डरी विद्यालय के खेल मैदान इस प्रयोजन के लिए चिन्हांकित किये जायेंगे। आवश्यकतानुसार विकासखण्ड मुख्यालय के हायर सेकेण्डरी विद्यालय को भी सम्मिलित किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि खेल विधाओं का प्रशिक्षण विश्वविद्यालय के खेल निदेशक, महाविद्यालयों के खेल अधिकारी तथा हायर सेकेण्डरी विद्यालय के पीटीआई के साथ अन्य प्रशिक्षकों द्वारा भी दिया जा सकेगा। प्रत्येक खेल मैदान के लिए प्रशिक्षक को नामांकित कर उनके नाम, पद नाम, ई-मेल एवं मोबाइल नम्बर की सूची तैयार कर जिला स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की सूची पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्राप्त होने पर संबंधित को एसएमएस के माध्यम से यह जानकारी दी जाएगी कि यदि वे प्रशिक्षण सुविधा का लाभ लेने के इच्छुक हों तो सीधे संबंधित खेल मैदान के प्रभारी प्रशिक्षक से सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं। जिलास्तर पर चिन्हांकित खेल मैदान एवं प्रत्येक स्थल के प्रशिक्षण प्रभारी के नाम और अन्य जानकारी संबंधित विभागों तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग को 31 मार्च 2022 तक प्रेषित किये जाने के निर्देश दिए गए हैं। यह जानकारी विभागीय वेबसाइट पर भी प्रदर्शित होगी।

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
REGIONAL OFFICE, 101, First Floor, ATULYA IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, Indore-452007 (M.P.), Ph. : (O) 2970611, 2971311, 2974363
Fax No. : 0731-2972629, E-mail : ed.roind@mpidc.co.in Website : www.invest.mp.gov.in
GSTN : 23AACCM6080D2ZT, CIN : U45203MP1981SGC001850
No. MPIDC/R.O./IND/2022/18910 Date : 21.03.22

NOTICE INVITING TENDER (Third Call)

Tender for the following work have been proceeded on the e-procurement system– **http://www.mptenders.gov.in** & **www.mpakvnindore.com** as mention below -

S. No.	Name of work	PAC (Rs. in Lacs)	Cost of tender form	EMD	Last Date of Sub-mission
1.	Strengthening and up gradation of road, paver block, chamber cover, concertina coil fencing wire, boundary wall & Entrance gate at I/A Electronic complex, Distt. Indore.	Rs. 339.30 Lacs	Rs. 17700/- i/c GST	Rs. 339302/-	01.04.2022
2.	Strengthening and up gradation of road, paver block, chamber cover, concertina coil fencing wire, retaining wall & Entrance gate at I/A Readymade Garment complex, Distt. Indore.	Rs. 321.70 Lacs	Rs. 17700/- i/c GST	Rs. 321707/-	01.04.2022

Detailed NIT along with other details can be viewed on above mentioned portals.
M.P. Madhyam/104097/46816/2022 **EXECUTIVE ENGINEER**

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय

कोलार रोड, भोपाल-462016 (म.प्र.)
Tel. : 0755-2424660, 0755-2492093, 0755-2492096
Website : http://mpbou.edu.in

क्र. 3703 भोपाल, दिनांक 23.03.2022

अध्यापन कार्य हेतु आमंत्रण

विश्वविद्यालय में विशेष शिक्षा में शिक्षण सत्र 2022-23 के लिए शैक्षणिक कार्य हेतु अतिथि शिक्षक के रूप में कार्य करने हेतु इच्छुक एवं अर्हताधारी उम्मीदवारों से निर्धारित प्रपत्र में **दिनांक 18.04.2022 तक** आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। **शैक्षणिक अर्हता-** भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा निर्धारित मापदण्ड के अनुसार यथा: 1. Master's Degree with M.Ed. (Special Education) in any Category (full time course) from a RCI recognized institute with minimum of 55% marks. 2. Minimum 05 years of experience in teaching/research in the field of rehabilitation. **Desirable :** Ph.D. in related field of rehabilitation of persons with Disabilities.

रिक्तियों का विवरण-

पद	विशेषज्ञता	संख्या
अतिथि शिक्षक	Visual Impairment (VI)	03
	Hearing Impairment (HI)	01
	Intellectual Disability (ID)	02
	Learning Disability (LD)	03

पद संख्या (आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय है) एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमानुसार मानदेय प्रदान किया जायेगा। विस्तृत जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट **http://mpbou.edu.in** का अवलोकन करें।
म.प्र. माध्यम/104114/46817/2022 **कुलसचिव**

समूह -3 उपयंत्री, मानचित्रकार, समयपाल एवं समकक्ष पदों की भर्ती हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा -2022 के संबंध में सूचना

आवेदन पत्र भरने की तिथि : 09 अप्रैल 2022 से 23 अप्रैल 2022 तक

आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि: 09 अप्रैल 2022 से 28 अप्रैल 2022 तक

ऑनलाइन परीक्षा पद्धति समय सारणी

परीक्षा दिनाँक एवं दिन	परीक्षा की पाली	अभ्यर्थियों के लिए रिपोर्टिंग समय	महत्वपूर्ण निर्देश पढने का समय	उत्तर अंकित का समय
06 जून 2022 से प्रारंभ	प्रथम	प्रातः 07:00 से प्रातः 08:00 बजे तक	प्रातः 08 :50 से प्रातः 09:00 बजे तक (10 मिनिट)	प्रातः 09:00 से दोपहर 12:00 बजे तक (3 घंटे)
	द्वितीय	दोपहर 12:30 से दोपहर 01:30 बजे तक	दोपहर 02:20 से दोपहर 02:30 बजे तक (10 मिनिट)	दोपहर 02:30 से शाम 05:30 बजे तक (3 घंटे)

परीक्षा शहर :- भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, नीमच, रतलाम, मंदसौर, सागर, सतना, खंडवा, सीधी, रीवा

आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया एवं महत्वपूर्ण निर्देश :-

1. परीक्षा की विस्तृत नियमपुस्तिका बोर्ड की वेबसाइट www.peb.mp.gov.in पर उपलब्ध रहेंगी, जिसमें उल्लेखित समस्त नियमो / जानकारी का अध्ययन करके ही आवेदन पत्र भरा जावे|
2. वेबसाईट www.peb.mponline.gov.in के माध्यम से आवेदन पत्र भरा जा सकता है |
3. परीक्षा शुल्क

अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए	रू.500/- प्रति प्रश्न पत्र
अनुसूचित जाति /अनुसूचित जनजाति /अन्य पिछड़ा वर्ग / दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए (केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासियों के लिए)	रू.250/- प्रति प्रश्न पत्र
सीधी भर्ती - बैकलॉग	कोई शुल्क नहीं
कियोस्क के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एम.पी. ऑनलाइन का पोर्टल शुल्क	रू.60/-
रजिस्टर्ड सिटिजन यूजर के माध्यम से लागिन कर फार्म भरने पर पोर्टल शुल्क	रू.20/-

विशेष निर्देश :

1. अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है |
2. बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षाओं में मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा| मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के रूप में अभ्यर्थी मतदाता पहचान पत्र, पेनकार्ड, ड्रायविंग लायसेंस, आधार कार्ड तथा पासपोर्ट में से कोई एक को चयनित कर सकता है| यू.आई.डी.ए.आई.(UIDAI) के द्वारा सत्यापित(verify) होने पर ही ई आधार मान्य होगा| मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के अभाव में परीक्षार्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित किया जाएगा |
3. अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में विनिश्चित मूल परिचय पत्र के अतिरिक्त अपना आधार कार्ड/ई –आधार कार्ड की छायाप्रति / आधार नंबर/ आधार VID की जानकारी लाना अनिवार्य है |
4. परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है| अतः जिन अभ्यर्थियों का आधार नंबर लॉक हैं वह परीक्षा दिनाक को परीक्षा केंद्र पर उपस्थिति के पूर्व आधार आनलॉक करवाना सुनिश्चित करें |
5. परीक्षार्थियों को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी| इसके पश्चात विलम्ब से आने पर अभ्यर्थियों की प्रवेश की पात्रता नहीं होगी |
6. परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस यथा मोबाईल फोन, कैलकुलेटर, लॉग टेबल्स, एवं नकल पर्चा आदि का उपयोग पूर्णतः वर्जित है |
7. ऑनलाइन आवेदन-पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश-पत्र प्राप्त कर सकते हैं| अतः आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभाल कर रखे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी |
8. परीक्षा केंद्र पर आवेदक को काला बाल प्वाइंट पेन तथा परीक्षा हाल में प्रवेश हेतु पीईबी की वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश-पत्र साथ लाना अनिवार्य है |
9. किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात परीक्षा समाप्ति तक परीक्षा कक्ष छोड़ने की अनुमति नही होगी |
10. आवेदन–पत्र भरते समय उम्मीदवारों के किसी भी प्रमाण पत्र का परीक्षण पी.ई.बी. द्वारा नही किया जाकर नियुक्त प्रकिया के दौरान सम्बंधित विभाग द्वारा किया जाता है| अतः कंप्यूटर आधारित Online परीक्षा में उम्मीदवारों की पात्रता (Eligibility) पूर्णतः प्रावधिक (Provisional) होगी |
11. उपरोक्त सभी पदों के लिये अभ्यर्थी का मध्यप्रदेश राज्य के रोजगार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य होगा |
12. मध्यप्रदेश के विशेष आदिम जनजाति समुदाय जैसे बैगा, सहारिया/सहरिया एवं भारिया अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को अकार्यपालिक पदों के लिए अपने आवेदन पत्र समस्त आवश्यक प्रमाण-पत्र संलग्न करते हुये हार्डकॉपी में निर्धारित आवेदन-पत्र भरने की अंतिम तिथि तक पी .ई.बी. को न भेजते हुये सीधे संबंधित विभाग को पृथक-पृथक पद अनुसार पृथक-पृथक आवेदन प्रेषित करना होगा| पी.ई.बी. को प्रेषित आवेदन पत्र अमान्य माना जायेगा |
13. कुछ विभाग के पद कार्यपालिक होने की स्थिति में भर्ती हेतु आदिम जनजाति (बैगा, सहारिया/सहरिया एवं भारिया) के अभ्यर्थियों को परीक्षा से छूट का प्रावधान नही होगा. वे अभ्यर्थी अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी के रूप में परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन करे (ऐसी स्थित में नियम पुस्तिका की बैगा, सहारिया एवं भारिया से सम्बंधित सभी कण्डिकाये विलोपित मान्य होगी)|
14. कोविड -19 महामारी के परिपेक्ष्य में शासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा |

विशेष नोट : बोर्ड अपनी सुविधानुसार परीक्षा तिथि / परीक्षा पाली / शहरो / केन्द्रों एवं अन्य बिन्दुओं में परिवर्तन कर सकता है|

विज्ञापन क्र. 07 / 2022 संचालक
M.P.Madhyam/104149/2022 **प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड**
"चयन भवन " मेन रोड नं .1, चिनार पार्क (ईस्ट), भोपाल 462011 फोन नं. : +91-0755-2578801-02, FAX : +91-0755-2550498, website : www.peb.mp.gov.in
R-46826/2022

BM Group of Institutions

Recognized and approved by AICTE/ BCI/NCTE (New Delhi) & DTE /DHE (Bhopal)
Affiliated To Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

REQUIREMENTS

(Under College Code 28)
Principal / Professor / Associate Professor / Assistant Professor / Librarian / Sports Officer
REQUIRED FOR COURSES
MBA, MSW, BBA, B.Com., B.Sc., B.Ed., B.A. LL.B.,
Eligibility as per UGC / BCI / AICTE / NCTE and State Govt. norms

BM College of Technology (MBA Deptt.)	BM College of Management & Research	BM Institute of Professional Studies

Apply within 5 days at: **info@bmcollege.ac.in**
Campus : Near Chokhi Dhani, Khandwa Road, Indore

R-46820/2022

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड, संभाग क्रमांक-02, भोपाल
Mobile No. 9425601534, E-mail : bhopaldivision2@gmail.com
क्र.-मप्रपुआअविनि/174/पयं/भोपाल-02/तशा/2022 भोपाल, दिनांक 25.03.2022

प्रेस विज्ञप्ति

"जिला चिकित्सालय राजगढ़ का 300 से 500 बिस्तर पर उन्नयन/निर्माण कार्य में HT एवं LT लाईन शिफ्टिंग के कार्य हेतु निविदा क्रमांक-15/2021-22) ऑनलाइन निविदा क्रमांक-MPPHCL/TENDER No. 2022_MPPHC_193293_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 06.04.2022 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं, विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/104137/46827/2022 **परियोजना यंत्री**

टेलीकम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी में कॅरियर के मौके

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुये आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

जहां कोविड-19 की चुनौतियों के बीच टेलीकम्युनिकेशन (दूरसंचार) क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ा है, वहीं वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट के तहत टेली-कम्युनिकेशन सेक्टर के लिए किए गए अभूतपूर्व बजट आवंटन के कारण टेलीकम्युनिकेशन सेक्टर में कॅरियर के मौके लगातार बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। टेलीकम्युनिकेशन में डेटा को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भेजा जाता है। टेलीफोन नेटवर्क, रेडियो, ब्रॉड कास्टिंग सिस्टम, कम्प्यूटर नेटवर्क और इंटरनेट इसके उदाहरण हैं।

टेलीकम्युनिकेशन सेक्टर की नई तकनीकों ने बनाई है नई डिजिटल दुनिया

गौरतलब है कि बीते हुए दो वर्षों 2020 और 2021 में जब कोरोना संक्रमण

फैलने के डर से दुनियाभर में कई महीनों तक लॉकडाउन था। तब कई महीनों तक शैक्षणिक संस्थाएं और उद्योग कारोबार बंद थे और लोग भी घरों में थे। लेकिन टेलीकम्युनिकेशन ने सभी को डिजिटली कनेक्ट कर रखा था। टेलीफोन का आविष्कार करने वाले ग्राहम बेल ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि उसका संचार से जुड़ा यह आविष्कार एक-एक कदम आगे बढ़ता हुआ अपनी नई तकनीकों से समूचे विश्व के करोड़ों लोगों के जीवन में कोविड-19 की अप्रत्याशित मानवीय और आर्थिक निराशाओं को कम करते हुए ई कॉमर्स, वर्चुअल मीटिंग, वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन पेमेंट, ऑनलाइन क्लॉसेज, ऑनलाइन एंटरटेनमेंट जैसी सुविधाओं का नया परिदृश्य निर्मित करेगा।

टेलीकॉम सेक्टर में रोज़गार के मौके

देश में टेलीकॉम सेक्टर में कॅरियर के मौके तेजी से बढ़ने के कई कारण हैं। टेलीकॉम सेवाओं के बाद इसके कलपुर्जों की मैन्युफैक्चरिंग में भी देश को ग्लोबल हब बनाने के लिए सरकार तेजी से आगे बढ़ी है। केंद्र सरकार ने 12,195 करोड़ रुपये के दूरसंचार उपकरण निर्माण के लिए उत्पाद संबंद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को मंजूरी दी है। इससे देश में टेलीकम्युनिकेशन सेक्टर में रोज़गार के अवसर तेजी से बढ़ेंगे।

निःसंदेह कोरोना महामारी ने बड़ी संख्या में लोगों को डिजिटली अभ्यस्त बना दिया है। इससे डाटा का उपयोग कई गुना बढ़ गया है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के द्वारा मोबाइल उपभोक्ता, इंटरनेट संबंधी नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक देश में ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या लगाकर बढ़ते हुए जून 2021 में 79 करोड़ हो गई है। भारत टेलीकम्युनिकेशन में चीन के बाद विश्व में दूसरा सबसे बड़ा बाजार बन गया है।

इन विभिन्न कारणों से टेलीकॉम सेक्टर में अब रोज़गार कितनी तेजी से बढ़ेंगे, इसका अनुमान टेलीकॉम सेक्टर स्किल काउंसिल के द्वारा प्रस्तुत नवीनतम आंकड़ों से लगाया जा सकता है। इसके मुताबिक भारत में वर्ष 2030 तक प्रतिवर्ष टेली कॉम सेक्टर में छोटी-बड़ी लगभग 10 लाख नौकरियां सृजित होंगी।

टेलीकम्युनिकेशन सेक्टर में कॅरियर के मौके कहां-कहां?

टेलीकॉम सेक्टर में रोज़गार और स्वरोज़गार के बहुआयामी कॅरियर के मौके हैं। टेलीकॉम इंडस्ट्री में सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट सेक्टर, रेलवे, एयरोस्पेस इंडस्ट्री, मोबाइल इंडस्ट्री में बतौर सॉफ्टवेयर इंजीनियर, टेस्ट इंजीनियर, कस्टमर सपोर्ट स्टाफ, प्रोडक्ट मैनेजर, पॉवर डिस्ट्रीब्यूटर्स, पॉवर रिएक्टर ऑपरेटर, डिजाइन डेवलपर, सेल्स तथा मार्केटिंग, क्वालिटी एंश्योरेंश मैनेजर के रूप में रोज़गार के अवसर हैं। विदेशों में भी टेलीकम्युनिकेशन के क्षेत्र में रोज़गार के अवसर हैं। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारतनेट, पीएम-वाणी जैसे भारत सरकार के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के तहत इन दिनों सबसे अधिक टेलीकॉम नेटवर्क का काम हो रहा है, पूरे देश में कनेक्टिविटी के लिए ऑप्टिकल फाइबर की लाइन बिछायी जा रही है। इन सबके कारण इस सेक्टर में कॅरियर के मौके तेजी से बढ़ेंगे।

टेलीकम्युनिकेशन सेक्टर से संबंधित कोर्स

देश के विभिन्न संस्थानों में टेली-कम्युनिकेशन के क्षेत्र में अंडरग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट और डिप्लोमा के रूप में कोर्सेज संचालित हो रहे हैं, जिसे पीसीएम विषयों से 12वीं एवं ग्रेजुएशन के बाद किया जा सकता है। टेलीकम्युनिकेशन क्षेत्र में चार वर्षीय बैचलर (बीई/बीटेक) कोर्स में प्रवेश

पाने के लिए छात्र को बारहवीं परीक्षा फिजिक्स, कैमिस्ट्री तथा मैथ्स के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है, जबकि दो वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स के लिए उसी स्ट्रीम में बीई/बीटेक की डिग्री आवश्यक है।

टेलीकम्युनिकेशन में तीन वर्षीय पॉलीटेक्निक डिप्लोमा के लिए छात्र का गणित विषय के साथ 10वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। टेलीकम्युनिकेशन से जुड़े जो प्रमुख कोर्स देश में उपलब्ध हैं, वे हैं- बीई/बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेली-कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, बीई/बीटेक टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, एमई/एमटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, एमटेक नेटवर्क एंड टेलीकम्युनिकेशन, एमबीए इन टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन टेलीकम्युनिकेशन, डिप्लोमा इन टेलीकम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, डिप्लोमा इन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेली-कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग।

टेलीकम्युनिकेशन सेक्टर में कॅरियर की जरूरी स्किल्स

गौरतलब है कि टेलीकम्युनिकेशन सेक्टर में फोन, मोबाइल, टेलीविजन, रेडियो, कंप्यूटर इत्यादि इलेक्ट्रॉनिक और कम्युनिकेशन उपकरण बनाए अथवा डिजाइन किए जाते हैं। साथ ही टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियर सेटेलाइट के उपकरण को भी डिजाइन किया जाता है और उसे बनाया जाता है, जिससे हमारे टेलीविजन, टेलीफोन और इंटरनेट सर्विस चलती है। अतएव टेलीकम्युनिकेशन सेक्टर में कॅरियर के लिए शोध व नवाचार सहित तकनीकी गुण आवश्यक होते हैं। इसके साथ ही कम्युनिकेशन स्किल्स, टीम वर्क, कम्प्यूटर हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर की जानकारी, टेक्नीकल राइटिंग जैसे गुण भी कॅरियर को ऊंचाई देते हैं।

कहां से करें टेलीकम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी के कोर्स

देश के कोने-कोने में टेली-कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी का कोर्स कराने वाले कई प्रमुख संस्थान हैं। इनमें आईआईटी, एनआईटी सहित इंजीनियरिंग कॉलेज और टेक्नोलॉजी के कई कॉलेज हैं। इनमें से उपयुक्तता के अनुरूप किसी गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक संस्थान और टेलीकम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी के किसी उपयुक्त कोर्स का चयन करके अच्छे कॅरियर की राह पर आगे बढ़ा जा सकता है।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक, कॅरियर मार्गदर्शन के लिये लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये सामान्य ज्ञान - खेल

1. **ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में किस वर्ष ओलिंपिक खेल आयोजित किए जायेंगे?**
   (अ) वर्ष 2024 (ब) वर्ष 2028
   (स) वर्ष 2032 (द) वर्ष 2036
2. **वर्ष 2019 में इटैलियन ओपन में किस खिलाड़ी ने महिला एकल वर्ग का खिताब जीता था?**
   (अ) एश्ले बार्टी
   (ब) नाओमी ओसाका
   (स) गरबाइन मुगुरूजा
   (द) कैरोलिना प्लिस्कोवा
3. **सचिन तेंदुलकर ने अपना सौवां अंतर्राष्ट्रीय शतक किस देश के खिलाफ बनाया था?**
   (अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) बांग्लादेश
   (स) द. अफ्रीका (द) श्रीलंका
4. **कॉमनवेल्थ गेम्स-2018 में किस देश ने महिला हॉकी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है?**
   (अ) न्यूजीलैंड (ब) भारत
   (स) ऑस्ट्रेलिया (द) मलेशिया
5. **बजरंग लाल किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?**
   (अ) हॉकी (ब) नौकायन
   (स) तीरंदाजी (द) कबड्डी
6. **रोहित शर्मा ने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पहला शतक किस देश के खिलाफ बनाया था?**
   (अ) द. अफ्रीका (ब) श्रीलंका
   (स) इंग्लैंड (द) वेस्टइंडीज
7. **वर्ष 2018 में किस क्लब ने यूएफा चैम्पियंस लीग का खिताब जीता था?**
   (अ) लिवरपूल
   (ब) बायर्न म्युनिख
   (स) मैनचेस्टर सिटी
   (द) रियल मैड्रिड
8. **आईसीसी ने वर्ष 2021 में किस खिलाड़ी को सर्वश्रेष्ठ टी-20 खिलाड़ी चुना है?**
   (अ) मिशेल मार्श
   (ब) के.एल. राहुल
   (स) मोहम्मद रिजवान
   (द) टिम साउथी
9. **वरुण सिंह भाटी किस खेल में भारत के लिए पैरालिंपिक पदक जीत चुके हैं?**
   (अ) भाला फेंक
   (ब) ऊंची कूद
   (स) गोला फेंक
   (द) इनमें से कोई नहीं
10. **राष्ट्रमंडल खेल पहली बार किस देश में आयोजित किए गए थे?**
    (अ) इंग्लैंड (ब) ऑस्ट्रेलिया
    (स) कनाडा (द) आयरलैंड
11. **अनिर्बान लाहिड़ी किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?**
    (अ) टेनिस (ब) गोल्फ
    (स) शतरंज (द) एथेलेटिक्स
12. **टोक्यो ओलिंपिक में किस खिलाड़ी ने 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता है?**
    (अ) मार्सेल जैकब्स
    (ब) क्रिस्टियन कोलमैन
    (स) आंद्रे डि ग्रासी
    (द) यूसेन बोल्ट
13. **सउदी अरब ने कितने बार एएफसी एशियन कप का खिताब जीता है?**
    (अ) एक बार (ब) दो बार
    (स) तीन बार (द) चार बार
14. **वर्ष 2019 में किस खिलाड़ी ने इंडियन वेल्स मास्टर्स खिताब जीता है?**
    (अ) कैमरन नॉरी
    (ब) डोमिनिक थिएम
    (स) जुआन मार्टिन डेलपोत्रो
    (द) केविन एंडरसन
15. **इनमें से किस भारतीय मुक्केबाज ने एशियन गेम्स-2018 में स्वर्ण पदक जीता है?**
    (अ) शिव थापा
    (ब) मनीष कौशिक
    (स) अमित पंघल
    (द) गौरव सोलंकी
16. **इनमें से कौन-सी महिला टेनिस खिलाड़ी रूस के लिए नहीं खेलती हैं?**
    (अ) मारिया शारापोवा
    (ब) इलिना दिमिंतिएवा
    (स) स्वेतलाना कुजुनेत्सोवा
    (द) जेलेना ओस्तोपेंको
17. **इनमें से किस वर्ष भारत ने आईसीसी अंडर-19 वर्ल्डकप नहीं जीता है?**
    (अ) वर्ष 2010
    (ब) वर्ष 2012
    (स) वर्ष 2018
    (द) वर्ष 2022
18. **इनमें से किस वर्ष सबेस्टियन वेटन ने फॉर्मूला-वन चैम्पियनशिप नहीं जीती है?**
    (अ) वर्ष 2010 (ब) वर्ष 2012
    (स) वर्ष 2013 (द) वर्ष 2014
19. **वर्ष 2016 में किस देश ने एशियन हॉकी चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी?**
    (अ) भारत (ब) मलेशिया
    (स) जापान (द) द. कोरिया
20. **टोक्यो ओलिंपिक में किस देश ने वॉटर पोलो में पुरुष वर्ग का स्वर्ण पदक जीता है?**
    (अ) पुर्तगाल (ब) सर्बिया
    (स) स्पेन (द) हंगरी
21. **फॉर्मूला-वन रेसर चार्ल्स लेकलर्क किस देश का प्रतिनिधित्व करते हैं?**
    (अ) ब्राजील (ब) ब्रिटेन
    (स) जर्मनी (द) मोनाको
22. **भारत के लिए वन-डे क्रिकेट में पहला शतक किस महिला क्रिकेटर ने बनाया है?**
    (अ) अंजुम चोपड़ा
    (ब) मिताली राज
    (स) डायना इडुलजी
    (द) हरमनप्रीत कौर
23. **किस बल्लेबाज के नाम आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है?**
    (अ) सनथ जयसूर्या
    (ब) क्रिस गेल
    (स) सचिन तेंदुलकर
    (द) जैक कैलिस
24. **जयपुर का सवाई मानसिंह स्टेडियम किस खेल से संबंधित है?**
    (अ) क्रिकेट (ब) एथेलेटिक्स
    (स) फुटबॉल (द) हॉकी
25. **भारत ने ओलिंपिक खेलों में हॉकी में कितने बार स्वर्ण पदक जीता है?**
    (अ) सात बार
    (ब) आठ बार
    (स) ग्यारह बार
    (द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर

1. (स), 2. (द), 3. (ब), 4. (अ), 5. (ब), 6. (अ), 7. (द), 8. (स), 9. (ब), 10. (स), 11. (ब), 12. (अ), 13. (स), 14. (ब), 15. (स), 16. (द), 17. (अ), 18. (द), 19. (अ), 20. (ब), 21. (द), 22. (अ), 23. (ब), 24. (अ), 25. (ब)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

विश्व की खाद्य टोकरी बन रहा भारत जैविक निर्यात में हुई 51 फीसदी बढ़ोतरी

आज के दौर में भारतीय कृषि क्षेत्र न सिर्फ पूरे देश को पोषण प्रदान कर रहा है, बल्कि कई अन्य देश भी हमारी कृषि पर निर्भर हैं। आने वाले दिनों में भारतीय कृषि क्षेत्र में निर्यात स्तर बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं। आज पूरी दुनिया में जैविक उत्पादों की मांग बढ़ रही है। कोरोना महामारी के आने के बाद से अब लोग स्वास्थ्य के प्रति और अधिक सजग हो गए हैं। जिस भारत को कभी गेहूं और धान की अधिक पैदावार होने के चलते 'रोटी की टोकरी' के रूप में जाना जाता था, अब वही देश 'विश्व की खाद्य टोकरी' के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। कोरोनाकाल में भी विदेशी बाजारों में भारतीय जैविक उत्पादों, पौष्टिक औषधीय पदार्थों और स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों की मांग लगातार बढ़ रही है। महामारी के बावजूद भारत का जैविक निर्यात बढ़ा है। भारत के जैविक निर्यात में 2019-20 के स्तर से करीब 51 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। गौरतलब है कि भारत कृषि में शीर्ष 10 निर्यातक देशों में शामिल है और समग्र निर्यात अत्यंत महत्वपूर्ण दर से बढ़ता आ रहा है। भारतीय जैविक उत्पादों की अच्छी गुणवत्ता के चलते आज भारत का जैविक निर्यात पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गया है। भारत का जैविक निर्यात वर्ष 2020-21 में 8 लाख 88 हजार 180 मीट्रिक टन था। बागवानी और फूलों की खेती का उत्पादन 330 मिलियन टन तक पहुंच गया। जैविक उत्पादों के इस्तेमाल से शरीर स्वस्थ रहता है और कोई दुष्परिणाम भी नहीं होता, जबकि कीटनाशक और अन्य रासायनिक पदार्थों की मदद से उपजे उत्पादों से शरीर को नुकसान पहुंच सकता है।

जैविक खेती को मिल रहा है बढ़ावा

केंद्र सरकार देश में जैविक खेती को बढ़ाने पर काफी जोर दे रही है। इसके लिए जैविक एफपीओ (FPO) जैविक खाद की व्यवस्था करते हैं। सरकार का प्रयास है कि प्राकृतिक और जैविक खेती को व्यापक रूप से बढ़ावा दिया जाए, क्योंकि इससे रासायनिक उर्वरक पर निर्भरता कम होती है और किसानों की आय में वृद्धि होती है। एफपीओ के माध्यम से छोटे किसान सामूहिक शक्ति की ताकत को महसूस कर रहे हैं। छोटे किसानों के लिए एफपीओ के कई लाभ हैं। इन लाभों में मोलभाव की बढ़ी हुई शक्ति, बड़े स्तर पर व्यापार, नवाचार, जोखिम प्रबंधन और बाजार के हिसाब से बदलने की क्षमता शामिल है। एफपीओ के लाभों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार उन्हें हर स्तर पर बढ़ावा दे रही है। इन एफपीओ को 15 लाख रुपये तक की मदद दी जा रही है। इसी वजह से पूरे देश में जैविक एफपीओ, तिलहन एफपीओ, बांस क्लस्टर और शहद एफपीओ जैसे एफपीओ सामने आ रहे हैं। आज के दौर में हमारे किसान 'एक जिला, एक उत्पाद' जैसी योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। देश एवं वैश्विक स्तर के बाजार उनके लिए खुल रहे हैं। 11 हजार करोड़ रुपये के बजट वाले नेशनल पाम ऑयल मिशन जैसी योजनाओं से आयात पर निर्भरता कम हो रही है।

सरकार की मदद से कृषि उत्पादों को मिल रही विशेष पहचान

भारत के तमाम कृषि उत्पादों का निर्यात तेजी से पूरी दुनिया में बढ़ रहा है। इसका सबसे प्रमुख कारण है भारत का कृषि प्रधान देश होना। वहीं दूसरा प्रमुख कारण है केंद्र सरकार से किसानों को मिलने वाला प्रोत्साहन। इससे भारत को 'विश्व की खाद्य टोकरी' बनने में मदद मिल रही है। केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही तमाम योजनाओं के जरिए आज किसानों को आर्थिक मदद और उन्नत तकनीक मिल रही है, जिससे उनकी रुचि भी जैविक खेती की ओर बढ़ रही है। किसानों को कृषि क्षेत्र में दक्षता दिलाने में केंद्र सरकार अथक प्रयास कर रही है। वहीं भारतीय कृषि उत्पादों को विश्व में विशेष पहचान दिलाने के लिए केंद्र सरकार जैविक उत्पादों की खेती पर जोर दे रही है। देश के किसान भी सरकार की बातों को अमल में ला रहे हैं, जिसके बेहतर नतीजे आज हमारे सामने हैं। इसके अलावा केंद्र सरकार ने कामधेनु आयोग की स्थापना की है और डेयरी क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रही है। इस प्रकार जैविक खेती को बढ़ावा देने पर केंद्र सरकार सदैव जोर देती रही है। रसायन मुक्त खेती मिट्टी के स्वास्थ्य की रक्षा करने का एक प्रमुख तरीका है। जैविक खेती इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रत्येक किसान को जैविक खेती की प्रक्रियाओं और लाभों से अवगत कराने का जिम्मा केंद्र सरकार ने अपने कंधों पर लिया है और विभिन्न अभियानों के माध्यम से इस कार्य में जुट गई है।

अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्वपूर्ण योगदान

उभरते भारत में कृषि ही एक प्रमुख क्षेत्र है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है। भारत 15 कृषि-जलवायु क्षेत्रों, समृद्ध मिट्टी और खनिज युक्त पानी के साथ खेती में मात्रा, विविधता और गुणवत्ता को बढ़ाता आ रहा है और विश्व को अच्छी कृषि पद्धतियों के साथ खाद्य और पोषण सुरक्षा दोनों प्रदान कर रहा है। यही वजह है कि आज पूरी दुनिया ने इन पर विश्वास किया है और उन्हें अपनाया है।

जैविक खेती में अग्रणी रहा है मध्यप्रदेश

जैविक खेती के क्षेत्र में मध्यप्रदेश की बात करें तो प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्ष 2011 में ही जैविक कृषि नीति तैयार कर उस पर अमल शुरू कर दिया था। इसी का परिणाम है कि मध्यप्रदेश को न केवल जैविक कृषि लागू करने वाले देश के पहले प्रदेश, बल्कि देश में सर्वाधिक प्रमाणित जैविक कृषि क्षेत्र वाले प्रदेश होने का गौरव भी हासिल है। आज मध्यप्रदेश जैविक खेती के मामले में पहले स्थान पर है, देश में 40 प्रतिशत से अधिक जैविक खेती मध्यप्रदेश में हो रही है। वर्तमान में प्रदेश में 17.31 लाख हेक्टेयर में जैविक खेती की जा रही है, जिसमें से 16 लाख 38 हजार एपीडा से और 93 हजार हेक्टेयर क्षेत्र पीजीएस से पंजीकृत हैं। इस तरह पंजीकृत जैविक क्षेत्र के मामले में भी मध्यप्रदेश देश में अग्रणी है। प्रदेश ने पिछले वित्त वर्ष में 2 हजार 683 करोड़ रुपये के मूल्य के 5 लाख मी. टन से अधिक के जैविक उत्पाद निर्यात किये हैं। प्रदेश का जैविक उत्पाद निर्यात लगातार तेजी से बढ़ रहा है। वर्ष 2020-21 में प्रदेश में 5 लाख 41 हेक्टेयर में जैविक फसलों की बोनी की गई। अब भारत सरकार की सहायता से प्रदेश में प्राकृतिक कृषि पद्धति के अंतर्गत क्लस्टर आधारित कार्यक्रम शुरू किया गया है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर प्राकृतिक और जैविक कृषि की विस्तृत कार्य-योजना तैयार की जा रही है। नर्मदा के किनारे के सिंचित परन्तु अधिक रसायन के उपयोग वाले कृषि क्षेत्रों को चिन्हित कर प्रारंभिक तौर पर किसानों के कुल रकवे में से कुछ क्षेत्र में जैविक कृषि को प्रोत्साहन देने पर काम किया जायेगा। राज्य जैविक खेती विकास परिषद का पंजीयन भी किया गया है। प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में जैविक व प्राकृतिक खेती को शामिल करने की योजना है। प्रदेश में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2008 से अब तक के अरसे में राष्ट्रीय विकास योजना में भी 20 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इनमें प्रमुख रूप से नाडेप एवं वर्मी कम्पोस्ट पिट निर्माण, जैव उर्वरक एवं पोषक तत्व वितरण, जैविक खेती जागरूकता अभियान, नर्मदा नदी के किनारों के सभी जिलों के सभी विकासखण्डों में जैविक खेती कार्यक्रम, जैविक प्रक्षेत्रों की स्थापना, हरी खाद के लिए सहायता, जैव उर्वरकों की निर्माण इकाइयों की स्थापना, नर्मदा किनारे के गांवों में बायोगैस प्लांट का निर्माण और जैव उर्वरकों के परीक्षण के लिए प्रयोगशालाओं के निर्माण की इन परियोजनाओं से जैविक खेती को प्रदेश में गति मिली है।

आत्मनिर्भर भारत में अहम भूमिका निभाएंगे किसान

आने वाले दिनों में कृषक समुदाय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को हासिल करने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। इसके लिए केवल हमें अपने जैविक बागवानी उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और अपने निर्यात गंतव्यों का विस्तार करने के लिए वैश्विक प्लेटफार्मों का लाभ उठाने के लिए बहुत प्रयास करने की आवश्यकता है। वहीं हमें बागवानी क्षेत्र में भारत की महत्ता बनाए रखने के लिए निवेशकों के साथ जागरूकता और क्षमता निर्माण के बारे में बातचीत शुरू करनी होगी। अच्छी कृषि पद्धतियों को अपनाना, उन्नत फार्म गेट इंफ्रास्ट्रक्चर, अनुसंधान एवं विकास में उच्च निवेश और डिजिटल एकीकरण कुछ ऐसी रणनीतियां हैं, जो भारत के बागवानी निर्यात को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इस दिशा में भी भारत तेजी से कार्य कर रहा है। भारत ने 2030 तक वैश्विक फल और सब्जी बाजार में 10 प्रतिशत निर्यात हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा है।

- रश्मि रंजन

(लेखिका, समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

मध्यप्रदेश की जनजातियां - सामान्य परिचय

मध्यप्रदेश जनजाति बाहुल्य प्रदेश है। प्रदेश में 43 जनजातियां पाई जाती हैं। धार, झाबुआ और अलीराजपुर भील जनजाति बाहुल्य जिले हैं। मण्डला, डिंडौरी, शहडोल और अनूपपुर बैगा विशेष पिछड़ी जनजाति बाहुल्य जिले हैं। सीधी, सिंगरौली, सतना, रीवा और उमरिया जिले में कोल जनजाति पाई जाती है। छिन्दवाड़ा जिले के तामिया तहसील में विशेषकर पातालकोट में भारिया नामक विशेष पिछड़ी जनजाति पाई जाती है। अशोकनगर, गुना, शिवपुरी, श्योपुर मुरैना और ग्वालियर जिलों में सहरिया विशेष पिछड़ी जनजाति पाई जाती है। इसके अतिरिक्त रतलाम, खण्डवा, खरगोन, बड़वानी, होशंगाबाद, बैतूल, छिन्दवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, सीधी, सिंगरौली, उमरिया, बुरहानपुर जिले में भी जनजाति बहुतायत संख्या में पाई जाती है। गोंड जनजाति एकमात्र ऐसी जनजाति है, जो सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में पाई जाती है। रोज़गार और निर्माण के इस अंक में मध्यप्रदेश की जनजातियों से संबंधित विभिन्न उपयोगी जानकारियां प्रकाशित की जा रही हैं।

खान-पान

मध्यप्रदेश की जनजाति सामान्यतः जंगलों के सान्निध्य में निवास करती हैं, इसलिये वे प्रायः वनोपज और आखेट पर आश्रित होते हैं। महुआ, कंद-मूल-फल और वन्य पशु-पक्षी उनके मुख्य आहार हैं। कोदो, कुटकी, ज्वार, बाजरा, मक्का, सावां, चना, पिसी, चावल आदि भी उनके आहार में सम्मिलित हैं। पेज और शराब सभी आदिवासियों के प्रिय पेय पदार्थ हैं। इसके अलावा उपलब्धता के आधार पर ताड़ी का सेवन भी आदिवासी करते हैं।

शराब आदिम जनजातियों की संस्कृति का प्रमुख अंग है। कोई भी पर्व, उत्सव, पूजा या अनुष्ठान बिना महुये की शराब के पूर्ण नहीं माना जाता। जंगल में पशु-पक्षियों का शिकार करते हैं। मत्स्याखेट भी प्रायः सभी जनजाति का शौक है। परेवा आदि गोत्र के अनुसार कुछ पशु-पक्षी आदिवासियों के लिये पूज्य होने के कारण अखाद्य हैं।

भारिया जनजाति के लोग धवई, भाड़का, मौसिया, छितावर तथा राजगिरा आदि भाजियों और गिलकी, तुरई, लौकी, कद्दू, सेमी, बरोटी, चना, बरबटी, मैनहर, कातुल एवं टिण्डे आदि सब्जियों का उपभोग मौसम के अनुरूप करते हैं। आलू भी वे स्वयं उगाते हैं। नंदमाती, सेतकंद, कड़ुकंद, बरहाकंद, बेचांदी, मैजी, गोहलारी, भैरों, ठेंगी, तीखुर, शहरकंद, मछारिया, खटवी, महुंल, सुआरूख, चिकनाकंद, चौल, बनसिंघाड़ा और बन अदरक आदि कंद-मूल भी आहार के रूप में भारियाओं द्वारा खाये जाते हैं। त्योहारों में ये मक्का, ज्वार, पिसी के आटे की रोटी तथा इस आटे में महुआ मिलाकर ठेठरा (मीठा पकवान) बनाते हैं।

कभी-कभी चावल और गुड़ की खीर भी पकाई जाती है। भात और पेज नियमित भोजन तथा महुआ एवं आम की बीजी की रोटी इनका बरसाती आहार है। सहरिया जनजाति भी ज्वार, बाजरा, मक्का और चने का उपयोग नियमित भोजन में करते हैं। कंदमूल-फल तथा हरी सब्जियों का आहार इन्हें प्रिय लगता है। वनस्पतियों का ज्ञान सहरिया जनजाति को विरासत में मिलता है। विभिन्न प्रकार की चटनी बनाने में सहरिया स्त्रियों को महारत हासिल है। रोटी के साथ कढ़ी इन्हें पसंद है। त्योहार पर बेसन-बाटी विशेष रूप से बनायी जाती है। मद्यपान, मांसाहार, मत्स्याखेट चाव से करते हैं।

गोंड जनजाति का मुख्य आहार कोदो का भात और पेज हैं। त्योहार पर खिचड़ी, दाल-रोटी तथा मीठा चावल बनाते हैं। ये कंदमूल को सुखाकर फिर भूनकर खाते हैं। सब्जी-भाजी, मांसाहार तथा जंगली फल-फूल इनके भोजन में शामिल होते हैं। दुर्भिक्ष में सेमर-सरई फूल तथा कठ मोहिला की छाल उबालकर खाते हैं।

पशुपालन और आखेट

जनजाति जीवन में पशुपालन का महत्व हमेशा रहा है। परम्परागत खेती में भी बैलों का उपयोग होता रहा है। जनजाति समाज आमतौर पर बछड़ों के लिए गाय पालते हैं। वे गाय को दुहते नहीं हैं। दूध बछड़ों के लिए छोड़ देते हैं, ताकि वे हष्ट-पुष्ट बैल बन सकें। श्रम के लिए भैंसें भी पाली जाती हैं। आज कल दूध के व्यापार के लिए भी जनजाति समाज के कुछ लोग गाय-भैंस पालने लगे हैं।

उत्सव-त्योहारों में मांसाहार के बिना आनन्द अधूरा माना जाता है। इसलिए गाय-भैंस के बाद मुर्गी और बकरी पालन को वे अधिक महत्व देते हैं। मुर्गा लड़ाई आदिवासियों का प्रिय खेल है। लड़ाकू मुर्गे तैयार करने के लिए प्रत्येक आदिवासी परिवार बड़े शौक से मुर्गी पालता है। आदिम जनजातियों में बतख, सुअर और अन्य वन्य पशु एवं पक्षियों को पालने का भी प्रचलन है। शिकार के लिए आदिवासी कुत्ते भी पालते हैं।

आखेट जनजातियों का परम्परागत शौक है। वे आहार के लिए पशु-पक्षियों और मछलियों का शिकार करते हैं। वे इसके लिए पारम्परिक हथियारों, जालों, फन्दों और विषैली औषधियों का प्रयोग करते हैं। आदिवासी खतरनाक वन्य जन्तुओं के शिकार के लिए सामूहिक व्यूह-रचना करते हैं। सहरिया जनजाति के लोग शिकार की संभावना वाले स्थान को घेर लेते हैं और हांका लगाकर शिकार को मार गिराते हैं। वे आखेट के लिए कुल्हाड़ियों का उपयोग करते हैं। चिल्ला, गूलर या बेल का भूसा पानी पर छिड़क कर ये मछली पकड़ते हैं। भारिया जनजाति प्रायः पानी उलीचकर मत्स्याखेट करते हैं। पशु-पक्षियों के शिकार के लिए ये विभिन्न प्रकार के फन्दों का उपयोग करते हैं।

गोंड जनजाति के लोग शिकार में अत्यन्त कुशल होते हैं, वे पक्षियों का आखेट गुलेल लासा या गोफन के माध्यम से करते हैं। बांस, लकड़ी तथा सूत की सहायता से गोंड कई प्रकार के जाल और फन्दे भी तैयार करते हैं। लबेदा से खरगोश का तथा घोटरी फन्दे से बड़े पशुओं का शिकार किया जाता है। चूहा फन्दा, चोप और मुर्गी फन्दे से चूहे, पक्षी एवं जंगली मुर्गियां फंसाते हैं। बड़े जानवरों के लिए तीर-कमान तथा मछलियों के लिए बंसी, झिटका तथा अन्य जाल और फन्दों का उपयोग किया जाता है। धागा को बांधकर मछलियों को टटोलकर पकड़ने की पद्धति भी गोंड जनजाति में पाई जाती है। अन्य जनजातियों में भी आखेट के इसी प्रकार के तरीके प्रचलित हैं।

कृषि, वनोपज एवं औषधियां

प्रदेश में उन्नत कृषि, ज्ञान की कमी तथा साधनों के अभाव के कारण अधिकांश जनजाति समुदाय पहले स्थाई खेती नहीं करते थे, वे जंगल काट-काटकर कृषि भूमि बदलते रहते थे, लेकिन अब वे सीमित साधनों से भी स्थाई कृषि करने की ओर प्रवृत्त हुये हैं। बैगा जनजाति भी वर्तमान में 'बेवर खेती' नहीं करते हैं। वे ढलानों में स्थाई खेती करने लगे हैं।

छिन्दवाड़ा जिले के तामिया तहसील के पातालकोट में पहले डहिया खेती का प्रचलन था। डहिया खेती में हल नहीं चलाया जाता है, बल्कि खुरपी का उपयोग किया जाता है। पातालकोट में समतल भूमि नहीं है, इसलिए पहाड़ पर सीढ़ीनुमा एवं नालीदार खेती की जाती है। भारिया जनजाति समाज का यह मानना है कि धरती उनकी मां के समान है, इसलिए हल चलाकर उसका हृदय चीरा नहीं जा सकता है। समय के साथ-साथ उनके खेती करने के तरीके में परिवर्तन आ रहा है।

मध्यप्रदेश के प्रायः सभी आदिवासी कोदो कुटकी, मॉडिया और मक्के की फसल अनिवार्य रूप से लेते हैं। उनके नियमित भोजन, भात और पेज के लिए ये अनाज आवश्यक हैं। इनके अलावा ज्वार, बाजरा, अरहर, मूंग, उड़द, कुल्थी और विभिन्न प्रकार के तिलहन भी वे पैदा करते हैं। जनजातियों द्वारा मुख्यतः खरीफ और रबी की दो फसलें ली जाती हैं, लेकिन सहरिया जनजाति के लोग वर्षा के आधार पर साल

(शेष अगले पृष्ठ पर)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

हिन्दी साहित्य

1. इनमें से कौन सी रचना तुलसीदास की है?
(अ) रामध्यान मंजरी
(ब) राम सतसई
(स) कृष्णगीतावली
(द) श्री रामार्चन पद्धति
उत्तर - (स) कृष्णगीतावली

2. रीतिकाल के उस कवि का नाम जिसने वीर रस में कविता की है?
(अ) घनानंद (ब) देव
(स) भूषण (द) ग्वाल
उत्तर - (स) भूषण

3. अपभ्रंश साहित्य को हिन्दी साहित्य से अलग सर्वप्रथम किसने माना?
(अ) जॉर्ज ग्रियर्सन ने
(ब) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने
(स) मिश्रा बन्धुओं ने
(द) शिव सिंह सेंगर
उत्तर - (ब) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने

4. निम्नलिखित में से कौन सी रचना मैथलीशरण गुप्त की नहीं है -
(अ) जयद्रथवध
(ब) पंचवटी
(स) भारत भारती
(द) कनुप्रिया
उत्तर - (द) कनुप्रिया

5. राजस्थानी भाषा का उद्भव जिस क्षेत्रीय अपभ्रंश से हुआ, उसका नाम है?
(अ) मागधी अपभ्रंश
(ब) शौरसैनी अपभ्रंश
(स) महाराष्ट्री अपभ्रंश
(द) ब्राचड़ अपभ्रंश
उत्तर - (ब) शौरसैनी अपभ्रंश

6. चौपाई के प्रत्येक चरण में कितनी मात्राएं होती हैं?
(अ) 11 (ब) 13
(स) 16 (द) 15
उत्तर - (स) 16

7. मलिक मुहम्मद जायसी ने अपनी किस काव्य कृति में कयामत का वर्णन किया है?
(अ) मसलानामा
(ब) अखरावट
(स) आखिरी कलाम
(द) कहरानामा
उत्तर - (स) आखिरी कलाम

8. लक्षण ग्रंथ लिखने वाले कवि कहे जाते हैं?
(अ) रीतिवद्ध
(ब) रीतिसिद्ध
(स) रीतिमुक्त
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर - (अ) रीतिबद्ध

9. कादम्बिनी के सम्पादक का नाम बताइए?
अ) प्रेमचन्द
(ब) राजेन्द्र यादव
(स) राजेन्द्र अवस्थी
(द) अज्ञेय
उत्तर - (स) राजेन्द्र अवस्थी

10. 'रास पंचाध्यायी' के रचयिता कौन हैं?
(अ) नन्ददास
(ब) परमानन्द दास
(स) हरीराम व्यास
(द) ध्रुवदास
उत्तर - (अ) नन्ददास

11. बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है? यह कथन किसका है?
(अ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(ब) गजानंद माधव मुक्तिबोध
(स) रामचन्द्र शुक्ल
(द) हजारी प्रसाद द्विवेदी
उत्तर - (स) रामचन्द्र शुक्ल

12. राजा लक्ष्मण सिंह ने 'अभिज्ञान शाकुन्तलम्' का अनुवाद कब किया था?
(अ) 1863 ई. (ब) 1880 ई.
(स) 1876 ई. (द) 1851 ई.
उत्तर - (अ) 1863 ई.

13. रक्त है या है नसों में क्षुद्र पानी, जांच कर तू सीस दे देकर जवानी, प्रस्तुत पंक्तियों के रचयिता हैं?
(अ) माखनलाल चतुर्वेदी
(ब) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(स) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
(द) सुभद्राकुमारी चौहान
उत्तर - (अ) माखनलाल चतुर्वेदी

14. 'आत्मा कबूतरी' किसकी रचना है?
(अ) मृदुला गर्ग
(ब) गीतांजलि श्री
(स) मैत्रेयी पुष्पा
(द) चित्रा मुद्गल
उत्तर - (स) मैत्रेयी पुष्पा

15. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए?
(अ) अध्येता (ब) अधियेता
(स) अध्यात (द) अध्ययेता
उत्तर - (अ) अध्येता

16. निम्नलिखित में से कौन भारोपीय परिवार की भाषा नहीं है?
(अ) मराठी (ब) गुजराती
(स) मलयालम (द) हिन्दी
उत्तर - (स) मलयालम

17. तुलसीदास की भक्ति किस प्रकार की है?
(अ) सरत्य भाव
(ब) दास्य भाव
(स) पुष्टि मार्ग
(द) माधुर्य भाव
उत्तर - (ब) दास्य भाव

18. जयप्रकाश भारती किस बाल पत्रिका के सम्पादक रहे हैं?
(अ) नन्दन (ब) पराग
(स) रविवार (द) दिनमान
उत्तर - (अ) नन्दन

19. माखनलाल चतुर्वेदी के सम्पादकत्व में निकलने वाला पत्र कौन सा था?
(अ) जागरण (ब) मतवाला
(स) कर्मवीर (द) समन्वय
उत्तर - (स) कर्मवीर

20. प्रसिद्ध साहित्यिक पत्रिका 'कल्पना' कहां से प्रकाशित होती थी -
(अ) कोलकाता (ब) त्रिवेन्द्रम
(स) मुम्बई (द) हैदराबाद
उत्तर - (द) हैदराबाद

21. कहानी 'उसने कहा था' के मुख्य पात्र का नाम है?
(अ) खालसा सिंह
(ब) करतार सिंह
(स) लहना सिंह
(द) परमिंदर सिंह
उत्तर - (स) लहना सिंह

22. 'बसो मेरे नैनन में नन्दलाल' किसकी पंक्ति है?
(अ) सूरदास (ब) नन्ददास
(स) मीरा बाई (द) कृष्णदास
उत्तर - (स) मीरा बाई

23. निम्नलिखित में से अष्टछाप के कवि कौन नहीं हैं?
(अ) मलूक दास
(ब) सूरदास
(स) परमानंद दास
(द) कुम्भन दास
उत्तर - (अ) मलूक दास

24. सही वर्तनी का चयन कीजिए?
(अ) शारीरिक (ब) शारीरीक
(स) शरीरिक (द) सारीरिक
उत्तर - (अ) शारीरिक

25. 'बीजक' में किस कवि की रचनाएं संकलित हैं?
(अ) सूरदास (ब) तुलसीदास
(स) कबीरदास (द) रामानन्द
उत्तर - (स) कबीरदास

26. आगरा से निकलने वाले 'साहित्य संदेश' के सम्पादक कौन थे?
(अ) डॉ. रामविलास शर्मा
(ब) सच्चिदानंद वात्स्यायन अज्ञेय
(स) बाबू गुलाब राय
(द) डॉ. रांगेय राघव
उत्तर - (स) बाबू गुलाब राय

27. इनमें से गलत जोड़ा छांटकर अलग कीजिए?
(अ) प्रभा - बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
(ब) देवनागर - उमापतिदत्त शर्मा
(स) हंस - प्रेमचन्द
(द) मर्यादा - रामचन्द्र शुक्ल
उत्तर - (द) मर्यादा - रामचन्द्र शुक्ल

28. शिवपालगंज किस उपन्यास से संबंधित है?
(अ) विश्रामपुर का संत
(ब) राग दरबारी
(स) आधागांव
(द) मैला आंचल
उत्तर - (ब) राग दरबारी

29. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के इतिहास ग्रंथ का नाम बताइए?
(अ) हिन्दी साहित्य का इतिहास
(ब) हिन्दी साहित्य का अतीत
(स) रस मीमांसा
(द) हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास
उत्तर - (अ) हिन्दी साहित्य का इतिहास

30. इनमें से सुमेलित कौन सा युग्म नहीं है?
(अ) प्रभा - कानपुर
(ब) सुधा - लखनऊ
(स) मतवाला - पटना
(द) विशाल भारत - कलकत्ता
उत्तर - (स) मतवाला - पटना

31. अनन्त देवी जयशंकर प्रसाद के किस नाटक की पात्र है?
(अ) राज्य श्री
(ब) स्कन्द गुप्त
(स) ध्रुवस्वामिनी
(द) विशारद
उत्तर - (ब) स्कन्द गुप्त

32. छायावाद के प्रवर्तक कवि का नाम है?
(अ) सुमित्रानन्दन पंत
(ब) श्रीधर पाठक
(स) मुकुटधर पाण्डेय
(द) जयशंकर प्रसाद
उत्तर - (द) जयशंकर प्रसाद

33. 'तोड़ती पत्थर' कविता के कवि हैं?
(अ) सुभद्राकुमारी चौहान
(ब) महादेवी वर्मा
(स) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
(द) माखनलाल चतुर्वेदी
उत्तर - (स) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

34. निम्नलिखित रसों को उनके स्थायी भावों के साथ सुमेलित कीजिए?
(अ) रौद्र - 1. जुगुप्सा
(ब) वीभत्स - 2. विस्मय
(स) अद्भुत - 3. क्रोध
(द) शान्त - 4. शोक
5. निर्वेद

	(A)	(B)	(C)	(D)
A -	4	5	3	1
B -	3	1	2	5
C -	4	3	2	5
D -	2	5	4	3

उत्तर - B - 3, 1, 2, 5

35. अपभ्रंश का मुख्य छंद है?
(अ) दोहा (ब) बरवै
(स) कुंडलियां (द) सवैया
उत्तर - (अ) दोहा

36. राहुल सांकृत्यायन ने इनमें से किस कवि को हिन्दी का पहला कवि माना है?
(अ) स्वयंभू (ब) सरहपा
(स) पुष्पडंत (द) गोरखनाथ
उत्तर - (ब) सरहपा

37. निम्नलिखित में से कौन सा कहानी संग्रह प्रेमचन्द का नहीं है?
(अ) प्रेमपचीसी
(ब) प्रेम द्वादशी
(स) मुहब्बत की राहें
(द) सप्त सरोज
उत्तर - (स) मुहब्बत की राहें

38. 'एकांत संगीत' किसकी रचना है?
(अ) श्रीधर पाठक
(ब) हरिवंश राय बच्चन
(स) रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'
(द) महादेवी वर्मा
उत्तर - (ब) हरिवंश राय बच्चन

39. मृणाल किस उपन्यास की पात्र है?
(अ) निर्वासित (ब) परख
(स) त्यागपत्र (द) अंतराल
उत्तर - (स) त्यागपत्र

40. बंबई के मजदूर संगठनों के जीवन-संघर्ष पर आधारित उपन्यास है?
(अ) आवाँ (ब) समरांगण
(स) अनित्य (द) अंतर्वशी
उत्तर - (अ) आवाँ

41. इनमें से कौन सा विराम चिन्ह ऐसा है जो हिन्दी में अंग्रेजी से नहीं लिया गया है?
(अ) , (ब) ;
(स) ? (द) ।
उत्तर - (द) ।

42. प्रयत्न के आधार पर 'ल' किस प्रकार की ध्वनि है?
(अ) पार्श्विक (ब) उत्क्षिप्त
(स) प्रकंपित (द) संघर्षहीन
उत्तर - (द) संघर्षहीन

43. निम्नलिखित में से कौन सा शब्दालंकार नहीं है?
(अ) श्लेष (ब) वीप्सा
(स) उपमा (द) वकोक्ति
उत्तर - (स) उपमा

44. 'रानी केतकी की कहानी' के रचयिता हैं?
(अ) वृन्दावन लाल वर्मा
(ब) किशोरीलाल गोस्वामी
(स) माधवराव सप्रे
(द) इंशा अल्ला खाँ
उत्तर - (द) इंशा अल्ला खाँ

45. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है?
(अ) सोहनलाल द्विवेदी, श्याम नारायण पाण्डेय, रामधारी सिंह दिनकर, सियारामशरण गुप्त
(ब) श्याम नारायण पाण्डेय, सोहनलाल द्विवेदी, रामधारी सिंह दिनकर, सियारामशरण गुप्त
(स) सियारामशरण गुप्त, सोहनलाल द्विवेदी, श्याम नारायण पाण्डेय, रामधारी सिंह 'दिनकर'
(द) रामधारी सिंह दिनकर, सियाराम शरण गुप्त, सोहनलाल द्विवेदी, श्यामनारायण पाण्डेय
उत्तर - (स) सियारामशरण गुप्त, सोहनलाल द्विवेदी, श्याम नारायण पाण्डेय, रामधारी सिंह 'दिनकर'

46. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित पत्र-पत्रिकाओं का सही अनुक्रम है?
(अ) हरिश्चन्द्र मैगजीन, आनंद कादंबिनी, नागरी प्रचारिणी पत्रिका, सरस्वती
(ब) आनन्द कादंबिनी, नागरी प्रचारिणी पत्रिका, सरस्वती, हरिश्चन्द्र मैगजीन
(स) नागरी प्रचारिणी पत्रिका, आनन्द कादंबिनी, हरिश्चन्द्र मैगजीन, सरस्वती
(द) सरस्वती, हरिश्चन्द्र मैगजीन, नागरी प्रचारिणी पत्रिका, आनंद कादंबिनी
उत्तर - (अ) हरिश्चन्द्र मैगजीन, आनंद कादंबिनी, नागरी प्रचारिणी पत्रिका, सरस्वती
व्याख्या- हरिश्चन्द्र मैगजीन (काशी 1873)
आनंद कादंबिनी (मिर्जापुर 1881)
नागरी प्रचारिणी पत्रिका (काशी 1896)
सरस्वती (इलाहाबाद 1900)

47. निम्नलिखित दैनंदिनियों (डायरियों) का सही कालानुक्रम है?
(अ) मेरी कॉलेज डायरी, प्रवास की डायरी, दैनंदिनी, डायरी के कुछ पन्ने
(ब) प्रवास की डायरी, दैनंदिनी, डायरी के कुछ पन्ने, मेरी कॉलेज डायरी
(स) दैनंदिनी, डायरी के कुछ पन्ने, मेरी कॉलेज डायरी, प्रवास की डायरी
(द) डायरी के कुछ पन्ने, मेरी कॉलेज डायरी, प्रवास की डायरी, दैनंदिनी
उत्तर - (स) दैनंदिनी, डायरी के कुछ पन्ने, मेरी कॉलेज डायरी, प्रवास की डायरी

- डॉ. राम मनोहर उपाध्याय
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं।)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

में एक बार ही फसल लेते हैं, वह भी बदल-बदल कर, एक साल खरीफ की तो दूसरे साल रबी की। कृषि, कार्य में सहरिया स्त्रियां और बच्चे भी बराबर हिस्सा लेते हैं।

मध्यप्रदेश के आदिवासी मौसम के अनुरूप महुआ, तेंदुपत्ता, लाख, गोंद, हर्रा, आंवला, भिलावा, तीखुर, अचार, (चिरोंजी), बेचांदी, गुल्ली, कोसा आदि वनोपज इकट्ठा करते हैं। वनोपज आदिवासियों का आधार है। इनके संग्रहण में पूरा परिवार उत्साह के साथ शामिल होता है।

वनों के संसर्ग में रहने वाले आदिम जनजातियों को वनस्पतियों की गहन पहचान होती है। वे प्रत्येक पादप के गुण-धर्म को बखूबी जानते हैं। उन्हें यह ज्ञान परम्परागत रूप से विरासत में तथा वनस्पतियों के सतत् संपर्क, जिज्ञासा, प्रयोग, अभ्यास और अनुभव से प्राप्त होता है। जनजाति समाज अपने इस ज्ञान का उपयोग चिकित्सा में करते हैं। वे रोग के लक्षणों के आधार पर जंगल से जड़ी-बूटी लाते हैं और उनकी औषधि बनाकर रोगी को देते हैं। इस परम्परागत चिकित्सा पद्धति में बैगा जनजाति को महारत हासिल है।

शेष-अवशेष

मध्यप्रदेश की आदिम जनजातियों के सांस्कृतिक वैभव और उनकी अनूठी जीवन शैली को रेखांकित करते हुये अनायास ही इनके राज्य-कौशल तथा स्थापत्य कलाभिरुचि का उल्लेख महत्वपूर्ण हो उठता है। स्वतंत्रता से पूर्व मध्यप्रदेश में अनेक छोटी-बड़ी रियासतों में विभिन्न आदिवासी शासकों का प्रभुत्व रहा है। भारतीय इतिहास पर दृष्टि डालें तो देश के एक बड़े भू-भाग पर शताब्दियों तक गोंड राजाओं का आधिपत्य था। 'गोंडवाना' के रूप में विख्यात उनका वह साम्राज्य स्थापत्य के अवशेषों के मार्फत न केवल गोंड जनजातीय इतिहास के सुनहरे पृष्ठ खोलता है, बल्कि उनकी बुद्धिमत्ता, युद्ध-कौशल, कूटनीति, राज्य-प्रबंध और कलादृष्टि के सूत्र भी देता है।

मध्यप्रदेश के सांस्कृतिक परिदृश्य में पुरावशेषों का विशेष महत्व है, जिनमें जबलपुर का मदन महल, गढ़मण्डला, गढ़करंगा तथा संग्रामपुर का किला जनजाति धरोहर के गौरव स्तंभ हैं। जनजाति-सत्ता के प्रतीक रूप में आज भी जो महल और किले मध्यप्रदेश की सीमा में अपने निर्माताओं का यशोगान कर रहे हैं, उनमें जबलपुर के आठ, मण्डला के चार, दमोह के चार, नरसिंहपुर के तीन, सागर के नौ, रायसेन के तीन, सिवनी-पन्ना-भोपाल के दो-दो तथा बालाघाट, कटंगी, गाडरवाड़ा, टीकमगढ़ और औबेदुल्लागंज के एक-एक गढ़-महल उल्लेखनीय हैं। आदिम जनजातियों के जातीय गौरव के रूप में शेष ये अवशेष आदिवासियों के सामाजिक सम्मान, राजनैतिक सूझबूझ तथा उनकी नेतृत्व-क्षमता के प्रतीक हैं।

- लालजीराम मीना
(लेखक, आदिवासी अनुसंधान विशेषज्ञ हैं)

OBJECTIVE QUESTIONS FOR COMPETITIVE EXAMINATION

Subject : GENERAL ENGLISH

Fill in the blanks with suitable articles. (Question Nos. 1 to 5)

1. Raja drinks ..... milk daily at the morning.
(a) a (b) an
(c) the (d) no article

2. Bananas are sold fifty rupees ..... dozen.
(a) an (b) a
(c) the (d) no article

3. Jagdish was ..... assistant director in that film.
(a) a (b) an
(c) the (d) no article

4. He has recently bought ..... car.
(a) a (b) an
(c) the (d) no article

5. She is reading ..... novel on politics.
(a) a (b) an
(c) the (d) no article

Fill in the blank spaces with suitable prepositions. (Question Nos. 6 to 12)

6. My friends were tired ..... wandering in the forest.
(a) at (b) to
(c) for (d) of

7. Cycling is good ..... health.
(a) to (b) by
(c) in (d) for

8. You should rewrite the conclusion ..... your thesis.
(a) with (b) in
(c) of (d) for

9. Do you believe ..... miracles?
(a) of (b) into
(c) in (d) with

10. I apologize ..... my fault.
(a) with (b) at
(c) to (d) for

11. He is confident ..... cracking the competitive examination.
(a) for (b) in
(c) to (d) of

12. He rides his bike ..... full speed.
(a) into (b) in
(c) on (d) at

Fill in the blanks with suitable form of the verb. (Question Nos. 13 to 18)

13. I ..... two new movies on OTT Platform this week.
(a) seen
(b) had saw
(c) saw
(d) have seen

14. She ..... in small village since her birth.
(a) is living
(b) has lived
(c) lived
(d) has been living

15. NAAC Peer team ..... the college next month.
(a) will have visit
(b) will visit
(c) visit
(d) have visited

16. My brother ..... two tickets for new movie yesterday.
(a) was booking
(b) had booked
(c) has booked
(d) booked

17. Drinking alcohol ..... to health.
(a) is being injurious
(b) is injurious
(c) has injurious
(d) was injurious

18. Seema ..... money, sweets and clothes to poor people every year in Deewali.
(a) donated
(b) donates
(c) had donated
(d) is donating

Change the Voice. (Question Nos. 19 to 25)

19. He doesn't like Chinese food.
(a) Chinese food was not liked by him.
(b) Chinese food doesn't like him.
(c) Chinese food is not liked by him.
(d) Chinese food is not like by him.

20. Does she cook food?
(a) Is cooking food by her?
(b) Does food cooked by her?
(c) Is food cooked by her?
(d) Does cooking food by her?

21. He did not solve my problem.
(a) My problem was not being solved by him.
(b) My problem was not solved by him.
(c) My problem was easily solved by him.
(d) My problem solved not by him.

22. The admission committee approves the admission form.
(a) The admission form approves the admission committee.
(b) The admission form is approved by the admission committee.
(c) The admission form was approved by the admission committee.
(d) The admission form must be approved by the admission committee.

23. I clean the house every Sunday.
(a) The house on every Sunday was cleaned by me.
(b) The house is cleaned by me every Sunday.
(c) Every Sunday my house is cleaned.
(d) The house is cleaned to me by every Sunday.

24. The guests enjoyed the party.
(a) The party was being enjoyed by the guests.
(b) The party enjoyed the guests.
(c) The party was enjoyed by the guests.
(d) The party is enjoyed by the guests.

25. Learn the music.
(a) The music is learned.
(b) You must learn the music.
(c) Let you learn the music.
(d) Let the music be learned.

Idioms and phrases. (Question Nos. 26 to 30)

26. Between the devil and the deep sea
(a) Out of the two dangers
(b) No scope for any dangers
(c) Between two dangers
(d) Between no dangers

27. Come off with flying colours
(a) Come with colourful items
(b) Be highly successful
(c) Be highly unsuccessful in life
(d) Ready for fighting in war

28. The gift of the gab
(a) Talent for listening and writing
(b) The gift for any event
(c) Talent for speaking
(d) The huge gift to human being

29. Keep someone at arm's length
(a) Keep social distancing
(b) Avoid becoming friendly with someone
(c) Become friendly with anyone easily
(d) To follow norms of society

30. Drive a hard bargain
(a) Argue hard to get a favourable deal
(b) Bargain meaninglessly
(c) Hard argument for driving a vehicle
(d) Hard gain with efforts

Choose the word opposite to the meaning of the given word. (Question Nos. 31 to 35)

31. Calamity
(a) Catastrophe
(b) Blow
(c) Fortune
(d) Mishap

32. Fallacy
(a) Myth (b) Veracity
(c) Belief (d) Delusion

33. Hazard
(a) Danger (b) Security
(c) Peril (d) Exposure

34. Impair
(a) Revive (b) Diminish
(c) Decline (d) Harm

35. Prompt
(a) Timely (b) Punctual
(c) Agile (d) Negligent

Synonym (Question Nos. 36 to 40)

36. Quell
(a) Agitate
(b) Exacerbate
(c) Disturb
(d) Subdue

37. Savage
(a) Docile
(b) Refined
(c) Civilized
(d) Uncivilized

38. Displease
(a) Please (b) Satisfy
(c) Offend (d) Gratify

39. Grip
(a) Loose (b) Leave
(c) Hold (d) Behold

40. Dilute
(a) Concentrate
(b) Muse
(c) Strength
(d) Weaken

One word substitutions. (Question Nos. 41 to 45)

41. An intense fear of travelling.
(a) Cynophobia
(b) Phobia
(c) Homophobia
(d) Hodophobia

42. The sounds of owls.
(a) Whine (b) Hoot
(c) Honk (d) Quack

43. A list of books.
(a) Epilogue
(b) Index
(c) Catalogue
(d) Bibliography

44. Anything that leads to death.
(a) Fatal (b) Morose
(c) Vice (d) Demon

45. One who is for pleasure of eating and drinking.
(a) Fastidious
(b) Hungry
(c) Epicure
(d) Dilettante

In each of the following questions, find out the correctly spelt word. (Question Nos. 46 to 50)

46. (a) Hundred
(b) Handrad
(c) Hyndred
(d) Hundrad

47. (a) Consensus
(b) Consansus
(c) Consensas
(d) Consensues

48. (a) Accomodate
(b) Accommodate
(c) Acommodate
(d) Accomoddate

49. (a) Jewellry (b) Jewelry
(c) Jewellary (d) Jewlary

50. (a) Definatly
(b) Definitely
(c) Definately
(d) Deffinately

Answers

1. d, 2. b, 3. b, 4. a, 5. a, 6. d, 7. d, 8. c, 9. c, 10. d, 11. d, 12. d, 13. d, 14. d, 15. b, 16. d, 17. b, 18. b, 19. c, 20. c, 21. b, 22. b, 23. b, 24. c, 25. d, 26. c, 27. b, 28. c, 29. b, 30. a, 31. c, 32. b, 33. b, 34. a, 35. d, 36. d, 37. d, 38. c, 39. c, 40. d, 41. d, 42. b, 43. c, 44. a, 45. c, 46. a, 47. a, 48. b, 49. b, 50. b.

Explanation

1. No article is used before the material noun. Milk is material noun hence no article is required in the blank space.

- Prafulkumar Prakash Vaidhya
(Assistant Professor in English
Sardar Patel Mahavidyalaya,
Chandrapur)

अर्थाभाव में कोई भी विद्यार्थी पढ़ाई से नहीं रहेगा वंचित - मुख्यमंत्री

भोपाल, जिन विद्यार्थियों में टेलेंट है, जो पढ़ाई में अच्छे हैं और प्रतिभा सम्पन्न हैं, वे पैसे की कमी के कारण पढ़ाई से वंचित नहीं रहेंगे। राज्य सरकार ने ऐसे बच्चों को पढ़ाई के हर स्तर पर मदद करने के लिए विभिन्न योजनाएं बनाई हैं। संबल योजना भी इसी उद्देश्य से बनाई गई है, जिससे हमारे गरीब परिवारों के प्रतिभाशाली बच्चे भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपना सपना साकार कर सकें। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में दो लाख 40 हजार विद्यार्थियों के खातों में 331 करोड़ रुपये की पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति सिंगल क्लिक से अंतरित करने के बाद विद्यार्थियों से वर्चुअली संवाद करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि भविष्य के प्रति सकारात्मक रहना और अपने लक्ष्य के प्रति उत्साह से प्रयास करने से ही सफलता प्राप्त होती है। यह वास्तविकता है कि किसानों की आय इतनी अधिक नहीं होती कि वे पढ़ाई-लिखाई पर अधिक खर्च कर सकें। मजदूर परिवारों से आए बच्चों के सम्मुख भी यह समस्या है। आप मेहनत करें, लक्ष्य के प्रति समर्पित रहें, राज्य सरकार आपका साथ देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष 703 करोड़ रुपये स्कॉलरशिप के रूप में दिये जायेंगे। कोरोना काल में व्यवस्था प्रभावित हुई थी, लेकिन अब विद्यार्थियों को समय पर छात्रवृत्ति की राशि प्राप्त होगी।

श्री चौहान से वर्चुअल संवाद में पीएचडी कर व्याख्याता बनने की इच्छुक एम.ए. अर्थशास्त्र की सीधी जिले की छात्रा सुश्री सोनिका यादव ने कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं के परिणामस्वरूप ही हम यहां तक पढ़ाई कर पाए हैं। सीहोर जिले के बुधनी में लकड़ी के खिलौने बनाने वाले श्री सुजान विश्वकर्मा के पुत्र श्री शुभम विश्वकर्मा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) कोलकाता से एमबीए कर रहे हैं। राज्य शासन द्वारा उनकी 11 लाख 54 हजार 500 रुपये की फीस का भुगतान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री से संवाद में शुभम के पिता श्री सुजान विश्वकर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की सहायता के बिना शुभम का यह सपना साकार नहीं हो पाता।

मुख्यमंत्री को मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा कर रहे देवास के श्री अभिषेक विश्वकर्मा ने बताया कि उनके पिता मजदूर हैं। राज्य शासन से प्राप्त छात्रवृत्ति के भरोसे ही उनकी बी.ई. करने की योजना है। उज्जैन की सुश्री पल्लवी बैरागी बीएससी सांख्यिकी की छात्रा हैं। वे यूपीएससी की परीक्षा देकर आईएएस बनना चाहती हैं। श्री चौहान ने सुश्री पल्लवी से कहा कि जो लक्ष्य तय कर समर्पित भाव से मेहनत करते हैं, उन्हें सफलता अवश्य मिलती है। मंडला जिले के किसान परिवार की सुश्री अंजलि यादव नर्सिंग का कोर्स कर रही हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सुश्री अंजलि को इस सेवाभाव के कार्य में जाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा बड़ा संकल्प है। खूब सेवा करें और यशस्वी हों।

पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग प्रतिवर्ष लगभग छह लाख से अधिक विद्यार्थियों को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का वितरण करता है। यह छात्रवृत्ति, स्नातक, स्नातकोत्तर तथा तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को दी जाती है। छात्रवृत्ति विद्यार्थियों के एकल बैंक खातों में जारी की जाती है। जिन विद्यार्थियों के माता-पिता और अभिभावकों की समस्त स्रोतों से वार्षिक आय 3 लाख रुपये से कम है, वे छात्रवृत्ति के लिए पात्र हैं। साथ ही लगभग 32 लाख से अधिक बच्चों को प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति का वितरण किया जाता है।

खेल चर्चा

जय शाह वर्ष 2024 तक बने रहेंगे एसीसी के अध्यक्ष

कोलंबो, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह का एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष के तौर पर कार्यकाल एक वर्ष के लिये बढ़ा दिया गया है। जय शाह अब वर्ष 2024 तक एसीसी के अध्यक्ष बने रहेंगे। एशियाई क्रिकेट परिषद की वार्षिक बैठक के दौरान जय शाह का बतौर अध्यक्ष कार्यकाल बढ़ाने का निर्णय लिया गया। जनवरी 2021 में बांग्लादेश के नजमूल हसन की जगह जय शाह एसीसी के अध्यक्ष चुने गये थे। जय शाह ने वार्षिक बैठक में कहा कि एसीसी का उद्देश्य एशिया में क्रिकेट के विकास को आगे बढ़ाना है।

ईसीबी ने जेसन रॉय पर लगाया दो मैच का प्रतिबंध

लंदन, इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय पर दो मैचों का प्रतिबंध लगाया है। ईसीबी ने कहा कि जेसन रॉय का आचरण क्रिकेट के हितों के अनुकूल नहीं था और उसमें क्रिकेट, ईसीबी तथा स्वयं जेसन की छवि को ठेस पहुंची है। ईसीबी ने कहा कि क्रिकेट अनुशासन समिति के पैनल ने जेसन रॉय के खिलाफ अपना फैसला सुनाया है। जेसन ने अपने ऊपर लगे आरोपों को स्वीकार किया है कि उन्होंने ईसीबी के निर्देश 3.3 का उल्लंघन किया है। जेसन पर अभी सिर्फ दो मैच का प्रतिबंध है, लेकिन अगर उनका बर्ताव नहीं बदला तो उन्हें 12 महीने के लिये निलंबित भी किया जा सकता है। जेसन पर प्रतिबंध के अलावा 2500 पाउंड का जुर्माना भी लगाया गया है। ईसीबी ने जेसन रॉय पर कार्रवाई की वजह नहीं बताई है।

चार्ल्स लेकलर्क ने जीती वर्ष 2022 की पहली रेस

साखिर, मोरक्को के युवा कार रेसर चार्ल्स लेकलर्क ने वर्ष 2022 की पहली फॉर्मूला-वन रेस अपने नाम की है। लेकलर्क ने बहरीन ग्रांप्री में शानदार प्रदर्शन करते हुये जीत दर्ज की। टीम फेरारी के लेकलर्क ने 57 लैप की इस रेस को 1 घंटा 37 मिनट 33.584 सेकेंड में पूरा किया। रेस में लेकलर्क के टीम साथी कार्लोस सेंज दूसरे, मर्सिडीज के लुई हैमिल्टन तीसरे, जॉर्ज रसेल चौथे और टीम हॉस के केविन मैग्नसेन पांचवें स्थान पर रहे। पिछले वर्ष के चैंपियन और रेडबुल के रेसर मैक्स वर्स्टापेन रेस को खत्म नहीं कर पाये और 19वें स्थान पर रहे। ये लेकलर्क के फॉर्मूला-वन कॅरियर की तीसरी जीत है। लेकलर्क ने वर्ष 2019 में बेल्जियन ग्रांप्री और इटैलियन ग्रांप्री का खिताब जीता था।

स्टोक्स ने टेस्ट क्रिकेट में पूरे किये पांच हजार रन

बारबाडोस, इंग्लैंड के अनुभवी ऑल राउंडर बेन स्टोक्स ने टेस्ट क्रिकेट में पांच हजार रन पूरे कर लिये हैं। स्टोक्स ने यह उपलब्धि वेस्टइंडीज दौरे पर दूसरे टेस्ट मैच के दौरान हासिल की। स्टोक्स ने मैच की पहली पारी में 128 गेंदों में 11 चौकों और छह छक्कों की मदद से 120 रनों की पारी खेली। ये स्टोक्स के टेस्ट कॅरियर का 11वां शतक है। इसके साथ ही स्टोक्स गैरी सोबर्स, कपिल देव, इयॉन बॉथम और जैक कैलिस के एलीट क्लब में शामिल हो गये हैं। स्टोक्स के अलावा इन सभी खिलाड़ियों ने टेस्ट क्रिकेट में पांच हजार या इससे अधिक रन बनाने के साथ 150 से अधिक विकेट भी लिये हैं।

ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप

लक्ष्य सेन को हराकर एक्सेलसन बने चैंपियन

बर्मिंघम, भारत के युवा शटलर लक्ष्य सेन बर्मिंघम में आयोजित ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप में इतिहास रचने से महज एक कदम से चूक गये। लक्ष्य ने टूर्नामेंट के पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में जगह बनाई, लेकिन वे फाइनल में ओलिंपिक चैंपियन विक्टर एक्सेलसन की चुनौती को पार नहीं कर पाये। एक्सेलसन ने यह मुकाबला 21-10 और 21-15 से अपने नाम किया।

एक्सेलसन ने सेमीफाइनल में चोऊ टिएन चेन को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी, जबकि लक्ष्य ने सिंगापुर के ली जी जिया को सेमीफाइनल में हराया था। पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट का फाइनल खेल रहे लक्ष्य के सामने एक्सेलसन अनुभवी और चैंपियन खिलाड़ी की तरह नजर आये। मैच के पहले गेम में एक्सेलसन के शानदार खेल के सामने लक्ष्य असहज नजर आये। एक्सेलसन ने लक्ष्य की गलतियों का फायदा उठाते हुये यह गेम 21-10 से अपने नाम किया।

लक्ष्य ने पहले गेम से सबक लेते हुये एक्सेलसन के खिलाफ अटैकिंग नीति अपनाई। लक्ष्य की इस नीति से एक्सेलसन भी प्रभावित हुये। दूसरे गेम में एक्सेलसन को लक्ष्य ने कड़ी टक्कर दी। लक्ष्य के प्रभावी प्रदर्शन के बावजूद एक्सेलसन यह गेम 21-15 से जीतने में कामयाब रहे।

- विक्टर एक्सेलसन ने दूसरी बार जीती है ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप।
- एक्सेलसन वर्ष 2020 में भी बने हैं चैंपियन।
- अकाने यामागुची ने पहली बार जीता है यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट।
- लक्ष्य सेन ने पिछले वर्ष दिसम्बर में बीडब्ल्यूएफ बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप में जीता था कांस्य पदक।

लक्ष्य ने स्विस ओपन से वापस लिया नाम

पिछले कई दिनों से लगातार प्रोफेशनल टूर्नामेंट खेल रहे लक्ष्य ने स्विस ओपन से हटने का फैसला किया है। लक्ष्य ने इस वर्ष जनवरी में अपना पहला सुपर 500 खिताब इंडिया ओपन जीता था। इसके बाद लक्ष्य जर्मन ओपन में भी उपविजेता रहे थे। लक्ष्य ने कहा कि आगामी बड़े टूर्नामेंट की तैयारी के लिये उन्होंने स्विस ओपन से अपना नाम वापस लिया है।

यामागुची बनीं महिला वर्ग की विजेता

ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप में महिला एकल वर्ग का खिताब जापान की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी अकाने यामागुची ने जीता। महिला एकल वर्ग के फाइनल में यामागुची ने दक्षिण कोरिया की एएन को 21-15, 21-15 से हराया। फाइनल मुकाबले में यामागुची सियंग पर पूरी तरह हावी नजर आईं। यामागुची ने यह मैच आसानी से जीत लिया।

भारतीय महिला आइस हॉकी टीम बनी उपविजेता

दुबई, भारतीय महिला आइस हॉकी टीम दुबई में आयोजित यूनियन लेडीज हॉकी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुये उपविजेता बनी है। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुये पहली बार फाइनल में जगह बनाई थी। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम को आबुधाबी टीम के हाथों 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। यह पहला अवसर है, जब भारतीय महिला आइस हॉकी टीम ने किसी अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है। इससे पहले भारतीय टीम ने वर्ष 2019 में आईआईएचएफ चैलेंज कप ऑफ एशिया में कांस्य पदक जीता था। भारतीय आइस हॉकी संघ ने भारतीय महिला टीम के प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त की है।

एश्ले बार्टी ने टेनिस से लिया संन्यास

मेलबर्न, विश्व की नंबर वन महिला टेनिस खिलाड़ी एश्ले बार्टी ने प्रोफेशनल टेनिस से संन्यास लेने की घोषणा की है। बार्टी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुये अचानक संन्यास लेने की बात कही। बार्टी ने कहा कि मैं मानसिक और शारीरिक तौर पर आगे और खेल जारी नहीं रख पाऊंगी। मैं इस फैसले के लिये पहले से तैयार थी। बार्टी पिछले 114 सप्ताह से डब्ल्यूटीए महिला एकल रैंकिंग में पहले स्थान पर हैं। बार्टी ने अपने कॅरियर में 15 डब्ल्यूटीए खिताब जीते हैं। बार्टी तीन बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन भी बनी हैं। बार्टी ने वर्ष 2019 में फ्रैंच ओपन, वर्ष 2021 में विम्बलडन और वर्ष 2022 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता है।

पंकज आडवाणी ने आठवीं बार जीता एशियाई बिलियर्ड्स खिताब

दोहा, भारत के दिग्गज खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने एक बार फिर बिलियर्ड्स खेल में अपनी बादशाहत सिद्ध करते हुये एशियाई बिलियर्ड्स चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया है। पंकज ने कतर की राजधानी दोहा में आयोजित 19वीं एशियाई बिलियर्ड्स चैंपियनशिप के फाइनल में अपने हमवतन खिलाड़ी ध्रुव सितवाला को 6-2 से हराया।

टूर्नामेंट के खितावी मुकाबले में पंकज ने पहला फ्रेम आसानी से जीत लिया। दूसरे फ्रेम में पंकज ने सेंचुरी ब्रेक से जीत दर्ज कर अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। तीसरे फ्रेम में भी पंकज का दबदबा रहा। चौथे फ्रेम में ध्रुव ने शानदार पलटवार किया और फ्रेम अपने नाम किया। इसके बाद पंकज ने पांचवें और छठवें फ्रेम में जीत दर्ज कर अपनी बढ़त 5-1 कर दी। ध्रुव ने सातवां फ्रेम जीता, वहीं पंकज ने आठवां फ्रेम जीत खिताब पर 6-2 से कब्जा कर लिया। पंकज ने इससे पहले सेमीफाइनल

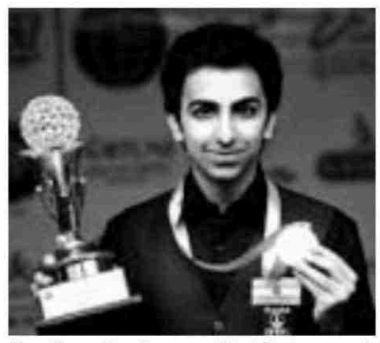

में म्यांमार के पॉक सा को कठिन मुकाबले में 5-4 से हराया था।

- पंकज आडवाणी ने आठवीं बार एशियन बिलियर्ड्स चैंपियनशिप जीती है।
- पंकज के कॅरियर का 12वां एशियाई खिताब है।
- ध्रुव सितवाला भी दो बार एशियाई बिलियर्ड्स चैंपियनशिप के विजेता बन चुके हैं।

हैदराबाद एफसी ने पहली बार जीता आईएसएल का खिताब

मडगांव, भारतीय फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का खिताब हैदराबाद एफसी ने अपने नाम किया है। हैदराबाद ने टूर्नामेंट के फाइनल में केरेला ब्लास्टर्स को पेनाल्टी शूट आउट में हराया।

हैदराबाद की जीत के हीरो गोलकीपर लक्ष्मीकांत कटिमनी रहे। कटिमनी ने मैच में बेहतरीन गोलकीपिंग की। फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के बीच रोमांचक भिड़ंत देखने को मिली। मैच के पहले हाफ में दोनों टीमों ने गोल करने के कई प्रयास किये, लेकिन कोई भी टीम गोल करने में कामयाब नहीं हुई। मैच के 68वें मिनट में केरेला ब्लास्टर्स को सफलता मिली। केरेला ब्लास्टर्स के के.पी. राहुल ने गोलकीपर कटिमनी को छकाते हुये शानदार गोल किया। 1-0 से पिछड़ने के बाद हैदराबाद एफसी ने भी आक्रमण तेज कर दिया। मैच के अंतिम मिनटों में हैदराबाद के हालिचरण नाजरी ने

गोल करने का मौका बनाया और साहिल टवोरा को पास दिया। टवोरा ने गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा कर हैदराबाद को बराबरी दिलाई। निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 से बराबर रहने के बाद मैच अतिरिक्त समय में गया। अतिरिक्त समय में भी दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं तो विजेता का फैसला पेनाल्टी शूट आउट से हुआ। पेनाल्टी शूट आउट में हैदराबाद के लिये जाओ विक्टर, खासा कमारा और हालिचरण नाजरी ने गोल किये। हैदराबाद एफसी ने मैच 3-1 से जीता।

इंडियन वेल्स मास्टर्स

नडाल को हराकर फ्रिट्ज बने चैंपियन

कैलिफोर्निया, अमेरिका के युवा टेनिस खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज ने इंडियन वेल्स मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। फ्रिट्ज ने टूर्नामेंट के पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में दिग्गज खिलाड़ी राफेल नडाल को हराया। इस जीत के साथ फ्रिट्ज ने नडाल का लगातार 20 मैचों से चला आ रहा विजय अभियान भी रोक दिया है।

फाइनल मुकाबले से पहले सेमीफाइनल में आंद्रे रूबलेव के खिलाफ मैच के दौरान फ्रिट्ज के टखने में चोट लग गई थी। फ्रिट्ज के कोच ने उन्हें जोखिम नहीं लेने और मैच से हट जाने की सलाह दी, लेकिन फ्रिट्ज ने हार नहीं मानी और नडाल के खिलाफ कोर्ट में उतरे। फाइनल मुकाबले में फ्रिट्ज ने धीमी शुरुआत की, लेकिन वे जल्द ही नडाल के खिलाफ लय में आ गये। फ्रिट्ज ने पहले सेट में नडाल को आसानी से 6-3 से हरा दिया। दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर

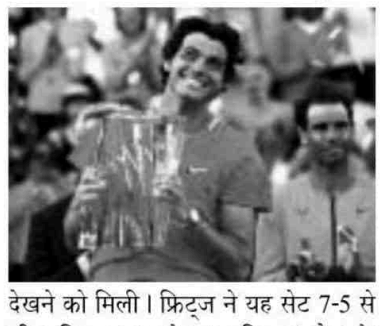

देखने को मिली। फ्रिट्ज ने यह सेट 7-5 से जीत खिताब अपने नाम किया। मैच के दौरान नडाल भी चोटिल हो गये हैं।

महिला वर्ग में स्वितेक बनीं चैंपियन

इंडियन वेल्स मास्टर्स टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग में पोलैंड की इगा स्वितेक चैंपियन बनीं। स्वितेक ने स्पर्धा के फाइनल में ग्रीस की मारिया सकारी को आसान मुकाबले में 6-4, 6-1 से हराया। दोनों ही खिलाड़ी पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थीं। फाइनल में स्वितेक के दमदार खेल के सामने मारिया टिक नहीं पाईं। टूर्नामेंट में पुरुष युगल वर्ग का खिताब जैक सोक्स और जॉन इस्नर की जोड़ी ने जीता, वहीं महिला युगल वर्ग में चीन की जूयिफान और यांग झाउयुआन की जोड़ी चैंपियन बनीं।

- टेलर फ्रिट्ज ने पहली बार इंडियन वेल्स मास्टर्स टूर्नामेंट जीता है।
- फ्रिट्ज के टेनिस कॅरियर का ये दूसरा एटीपी खिताब है।
- फ्रिट्ज 21 वर्ष बाद इंडियन वेल्स मास्टर्स टूर्नामेंट जीतने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी हैं।
- इससे पहले वर्ष 2001 में आंद्रे अगासी ने जीता था यह खिताब।
- रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच ने सर्वाधिक 5-5 बार जीता है इंडियन वेल्स मास्टर्स खिताब।
- राफेल नडाल तीन बार बने हैं चैंपियन।

मार्सेल जैकब्स ने इंडोर चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

बेलग्रेड, इटली के ओलिंपिक चैंपियन फर्राटा धावक लेमोंट मार्सेल जैकब्स ने सर्बिया में आयोजित विश्व एथेलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते स्वर्ण पदक जीता है। जैकब्स ने 60 मीटर दौड़ में अमेरिकी धावक क्रिस्टियन कोलमैन को हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। जैकब्स ने 60 मीटर की रेस 6.41 सेकेंड में पूरी की, वहीं कोलमैन ने भी 6.41 सेकेंड में रेस पूरी की, लेकिन वे दशमलव की गणना में जैकब्स से पिछड़ गये। स्पर्धा का कांस्य पदक अमेरिका के मार्विन ब्रेसी ने जीता। जैकब्स टोक्यो ओलिंपिक में 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। इंडोर एथेलेटिक्स चैंपियनशिप में इथियोपिया ने 4 स्वर्ण, 3 रजत और 2 कांस्य सहित 9 पदक जीतकर पदक तालिका में पहला स्थान हासिल किया।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

संयुक्त सैन्य अभ्यास लामितिये

सेशेल्स पहुंचा भारतीय सैन्य दल

भारतीय सेना और सेशेल्स रक्षा बलों (एसडीएफ) के बीच 9वां संयुक्त सैन्य अभ्यास लामितिये- 2022, सेशेल्स रक्षा अकादमी (एसडीए) सेशेल्स में 22 से 31 मार्च 22 तक आयोजित किया जा रहा है। भारतीय सेना और सेशेल्स रक्षा बल दोनों की एक-एक इन्फैंट्री प्लाटून कंपनी मुख्यालय के साथ इस अभ्यास में भाग ले रही हैं। इस अभ्यास का उद्देश्य अर्ध-शहरी वातावरण में शत्रु बलों के खिलाफ विभिन्न अभियानों के दौरान प्राप्त किए गए अनुभवों को साझा करने और संयुक्त अभियान शुरू करने के लिए क्षमता में वृद्धि करना है। भारतीय सैन्य दल में 2/3 गोरखा राइफल्स समूह (पीरकंठी बटालियन) के सैनिक शामिल हैं। यह दल 21 मार्च, 2022 को सेशेल्स पहुंच गया था। यह अभ्यास एक द्विवार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जिसका 2001 से सेशेल्स में आयोजन किया जा रहा है। 10 दिनों तक चलने वाले इस संयुक्त अभ्यास में क्षेत्र प्रशिक्षण अभ्यास, युद्ध चर्चा, व्याख्यान, प्रदर्शन शामिल हैं।

बिप्लोबी भारत गैलरी का उद्घाटन

हेरिटेज टूरिज्म बढ़ाने के लिए भारत में चल रहा है राष्ट्रव्यापी अभियान : प्रधानमंत्री

शहीद दिवस (23 मार्च) के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विक्टोरिया मेमोरियल हॉल में बिप्लोबी भारत गैलरी का उद्घाटन किया। शहीद दिवस पर देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर-वीरांगनाओं को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान की गाथाएं देश के लिए दिन रात मेहनत करने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे अतीत की विरासतें हमारे वर्तमान को दिशा देती हैं, हमें बेहतर भविष्य गढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। इसलिए, आज देश अपने इतिहास को, अपने अतीत को, ऊर्जा के जाग्रत स्रोत के रूप में देखता है।

- **बिप्लोबी भारत गैलरी उस राजनीतिक और बौद्धिक पृष्ठ भूमि को दर्शाती है, जिसने क्रांतिकारी आंदोलन को गति दी।**
- **यह गैलरी क्रांतिकारी आंदोलन की शुरुआत, क्रांतिकारियों द्वारा महत्वपूर्ण संघों के गठन, आंदोलन के प्रसार, इंडियन नेशनल आर्मी का गठन, नौसेना विद्रोह के योगदान आदि को प्रदर्शित करती है।**

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी प्राचीन कलाकृतियों और धरोहरों को वापस लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 'निर्भीक सुभाष' के बाद बिप्लोबी भारत गैलरी के रूप में कोलकाता की समृद्ध विरासत में एक खूबसूरत मोती जुड़ गया है। बिप्लोबी भारत गैलरी पश्चिम बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों को संजोने और संवारने की सरकार की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। उन्होंने बताया कि राज्य के प्रतिष्ठित स्थलों जैसे विक्टोरिया मेमोरियल, प्रतिष्ठित गैलरियां, मेटकॉफ हाउस आदि को भव्य और सुंदर बनाने का काम करीब-करीब पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा, 'अपनी संस्कृति, अपनी सभ्यता की यह निशानियां, भारत की वर्तमान और भावी पीढ़ी को निरंतर प्रेरित करे, इस दिशा में यह एक बहुत बड़ा प्रयास है।' श्री मोदी ने बताया कि हेरिटेज टूरिज्म बढ़ाने के लिए भारत में एक राष्ट्रव्यापी अभियान चल रहा है। स्वदेश दर्शन जैसी कई योजनाओं के जरिए हेरिटेज टूरिज्म को गति दी जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दांडी मार्च की स्मृति में बना स्मारक हो या फिर जलियांवाला बाग स्मारक का पुनर्निर्माण हो, केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी हो या फिर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के स्मारक का निर्माण, बाबा साहेब मेमोरियल हो या भगवान बिरसा मुंडा मेमोरियल और अयोध्या- बनारस के घाटों का सुंदरीकरण हो या फिर देशभर में ऐतिहासिक मंदिरों और आस्था स्थलों का जीर्णोद्धार, हेरिटेज टूरिज्म नई संभावनाएं खोज रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के आंदोलन ने हमें हमेशा 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के लिए काम करने की प्रेरणा दी है। आजादी के मतवालों की क्षेत्रीयता अलग-अलग थी, भाषाएं-बोलियां भिन्न-भिन्न थीं। यहां तक कि साधन-संसाधनों में भी विविधता थी। लेकिन राष्ट्र सेवा की भावना और राष्ट्र भक्ति एकनिष्ठ थी। उन्होंने कहा, 'भारत भक्ति का शाश्वत् भाव, भारत की एकता, अखंडता, आज भी हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। आपकी राजनीतिक सोच कुछ भी हो, आप किसी भी राजनीतिक दल के हों, लेकिन भारत की एकता-अखंडता के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़, भारत के स्वतंत्रता सेनानियों के साथ सबसे बड़ा विश्वासघात होगा।' प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें नए भारत में नई दृष्टि के साथ ही आगे बढ़ना है। ये नई दृष्टि भारत के आत्मविश्वास की है, आत्मनिर्भरता की है, पुरातन पहचान की है, भविष्य के उत्थान की है। इसमें कर्तव्य की भावना का ही सबसे ज्यादा महत्व है।

रूस में

पुतिन के आलोचक एलेक्सी नावाल्नी को अदालत ने सुनाई 9 साल की सजा

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के मुखर आलोचक ऐलेक्सी नावाल्नी को एक रूसी अदालत ने धोखाधड़ी का दोषी करार दिया है। नावाल्नी पहले से जेल में बंद हैं और उन्हें नौ साल के कारावास की सजा सुनाई गई है। 45 साल के नावाल्नी मॉस्को के एक जेल शिविर में बंद हैं। वह पैरोल की शर्तों के उल्लंघन के लिए जेल में कैद हैं। उन्होंने कहा है कि उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को नाकाम करने के लिए उन पर झूठे आरोप लगाए गए हैं। ताजा मामले में उनकी सजा में 13 साल और जोड़े जा सकते हैं। इस मामले को भी उन्होंने राजनीति से प्रेरित बताया है। नावाल्नी को पिछले साल जर्मनी से वापस रूस पहुंचने के बाद जेल में बंद किया था। जर्मनी में

अपना इलाज करवा रहे थे। उन पर 2020 में साइबेरिया की यात्रा के दौरान सोवियत काल के एक नर्व एजेंट ने हमला किया था। उन्होंने हमले का पुतिन पर आरोप लगाया था। वहीं क्रेमलिन ने कहा था कि नावाल्नी को जहर दिए जाने का कोई सबूत नहीं मिला और अगर ऐसा हुआ भी था, तो उसमें रूस की कोई भी भूमिका नहीं है।

बड़ी उपलब्धि

एनएमडीसी ने लौह अयस्क के क्षेत्र में रचा इतिहास

राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड (एनएमडीसी) एक साल में 40 मिलियन टन (एमटी) से ज्यादा लौह अयस्क का उत्पादन करने वाली देश की पहली कंपनी बन गई है। 1969-70 में 4 मिलियन टन से शुरू होकर, एनएमडीसी ने 1977-78 में 10 मिलियन टन के आंकड़े को पार किया, 2004-05 तक इसने एक और दस मिलियन को जोड़ा, एक दशक के भीतर 30 मिलियन टन के आंकड़े को पार किया और अब 40 मिलियन का आंकड़ा भी के पार हो गया है। घरेलू लौह अयस्क की मांग में निरंतर वृद्धि के साथ तालमेल बिठाते हुए, कंपनी उत्पादन बढ़ाने की कोशिश में महत्वाकांक्षी विस्तार योजनाओं और पूंजीगत खर्च कर रही है। हाल के समय में एनएमडीसी ने अत्याधुनिक तकनीक को अपनाया है और कोविड के चलते आई सुस्ती और क्षेत्र में अस्थिरता को दूर करने के लिए एक परिवर्तनकारी डिजिटल बुनियादी ढांचा तैयार किया है। स्केल से स्ट्रेंथ तक आगे बढ़ते हुए, कंपनी ने बुनियादी सिद्धांतों और दूरदर्शी कार्यबल के सामर्थ्य से 40 मिलियन टन लौह अयस्क उत्पादन का मील का पत्थर तय किया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर टीम को बधाई देते हुए श्री सुमित देव, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, एनएमडीसी ने कहा, कंपनी की दृढ़ता और स्थिरता ने सफलता दिलाई है और मैं इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए टीम को बधाई देता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि हम देश के आत्मनिर्भर भारत के विजन को पूरा करने के लिए अपने रास्ते में कई और मील के पत्थर को पार करना जारी रखेंगे। यह उपलब्धि दर्शाती है कि हम 2030 तक 100 एमटीपीए वाली कंपनी बनने की राह पर हैं।' उल्लेखनीय है कि कंपनी ने 2030 तक 100 एमटीपीए कंपनी बनने का लक्ष्य रखा है।

चीन में

बोइंग 737 विमान दुर्घटनाग्रस्त, 132 लोग थे सवार

चीन में एक यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। चीन के सरकारी मीडिया ने कहा है कि चाइना ईस्टर्न एयर लाइन्स का एक विमान गुआंक्सी प्रांत में क्रैश हो गया है, विमान में 132 लोग सवार थे। फिलहाल हादसे में हताहतों की संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। सरकारी मीडिया ने कहा है कि बोइंग 737 जेट एक पर्वतीय इलाके में गिरा है। विमान गिरने के बाद दुर्घटनास्थल पर आग लग गई है। फ्लाइट एमयू 5735 स्थानीय समय के अनुसार कुनमिंग से शुरू होकर गुआंगझू की ओर जा रही थी। कहा जा रहा है कि विमान पहाड़ों से टकरा गया। जंगल में विमान क्रैश करने से बचाव दल को वहां पहुंचने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट्स के मुताबिक विमान करीब एक घंटा हवा में दिखा था, उसके बाद विमान वूजो प्रांत के टेंग जिले में गिरा। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने राहत और बचाव कार्यों में हरसंभव प्रयास का आदेश दिया है। वहीं भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने चीन में हुए विमान हादसे पर दुःख व्यक्त किया है। एविएशन सेफ्टी नेटवर्क के अनुसार चीन की आखिरी बार बड़ी विमान दुर्घटना 2010 में हुई थी। तब हेनान एयर लाइंस का एम्ब्रेयर ई-190 यात्री विमान कम विजिबिलिटी के कारण यिचुन हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसमें सवार 96 लोगों में से 44 की मृत्यु हो गई थी।

यूरोप में शरण मांगने वालों की संख्या बढ़ी

पहली बार जिन लोगों ने यूरोपीय संघ के किसी भी देश में शरण पाने लिए आवेदन किया है, उनकी संख्या में 2021 में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। यूरोस्टैट ने जानकारी दी है कि साल 2021 में 5 लाख 35 हजार ऐसे लोगों के आवेदन मिले जो यूरोपीय संघ के बाहर के देशों से आए थे और पहली बार शरण मांगी थी। यह आंकड़े यूरोपीय संघ के सभी 27 देशों से लिए गए हैं। इस तरह की तादाद इसके पहले सन 2014 में देखी गई थी। पिछले साल भी शरण मांगने वालों में सबसे बड़ा हिस्सा सीरियाई लोगों का ही रहा। पिछले करीब एक दशक से सीरियाई लोगों का हिस्सा इन आवेदनों में सबसे ज्यादा है। बीते साल यह करीब 18 फीसदी के आसपास था। इस समय यूक्रेन में जारी रूसी युद्ध के कारण भी लगातार लोगों का भागना जारी है। इसके मद्देनजर ऐसा मानना गलत नहीं होगा कि इस साल पिछले साल का रिकॉर्ड टूटना तय है। गौरतलब है कि युद्ध के एक महीने में ही यूक्रेन से 35 लाख लोग अपना घर छोड़ चुके हैं।

कनाडा में

जस्टिन ट्रूडो 2025 तक सत्ता में बने रहेंगे

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा है कि उनकी लिबरल पार्टी ने विपक्षी दल न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ समझौता किया है, जिससे उनकी पार्टी वर्ष 2025 तक सत्ता में बनी रहेगी। ट्रूडो ने कहा कि 'इसका मतलब यह है कि इस अनिश्चितता भरे वक्त में सरकार स्थिरता के साथ काम कर सकती है, बजट पेश और इसे लागू कर सकती है और कनाडा की जनता के लिए काम कर सकती है।' दोनों दलों से अब समितियों और हाउस ऑफ कॉमन्स में समन्वय करने की उम्मीद है, जहां एक साथ मतदान करने पर उन्हें कुल 184 मतों का सहज बहुमत प्राप्त होगा। 338 सदस्यीय सदन में बहुमत

- **लिबरल पार्टी ने विपक्षी दल न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ किया समझौता।**
- **ट्रूडो ने 2019 के आम चुनावों के ठीक दो साल बाद पिछले सितंबर में मध्यावधि चुनाव कराए थे।**
- **ट्रूडो की लिबरल पार्टी ने पिछले साल सितंबर में दोबारा हुए चुनाव में जीत दर्ज की थी, लेकिन संसद में बहुमत साबित करने में विफल रही थी।**

170 है और लिबरल पार्टी के पास अकेले 159 मत हैं।

ट्रूडो और एनडीपी नेता जगमीत सिंह द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि 'इस कठिन समय में कनाडाई हमसे उम्मीद करते हैं कि हम एक साथ आएं और उनके जीवन को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए काम करें। कनाडा की लिबरल पार्टी और कनाडा की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी ने कनाडा के लोगों के लाभ के लिए अगले तीन वर्षों में राजनीति में हमारे दृष्टिकोण में सुधार करने पर सहमति व्यक्त की है। समझौता तुरंत प्रभाव से लागू होता है और यह जून 2025 तक यथावत रहेगा। इस दौरान सरकार द्वारा चार बजट पेश करने की अनुमति दी जाएगी।'

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

19 मार्च

नागालैंड बनी देश की पहली पेपरलेस विधानसभा

● नागालैंड की विधानसभा ने देश में इतिहास रच दिया है। नागालैंड की विधानसभा पूरी तरह पेपरलेस हो गई है। नागालैंड विधानसभा में पूरी तरह से पेपरलेस होने के लिये राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन कार्यक्रम लागू किया गया। नागालैंड विधानसभा सचिवालय ने बजट सत्र के दौरान 60 सदस्यीय विधानसभा में हर सदस्य की टेबल पर टैबलेट या ई-बुक अटैच की है। अब सदस्य सदन की कार्यवाही में भाग लेने के लिये इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग कर सकते हैं। केंद्रीय संसदीय मामलों के मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी ने ट्वीट कर बताया कि नेशनल ई-विधान परियोजना को सफलतापूर्वक लागू करने वाली नागालैंड पहली विधानसभा है।

● आयकर विभाग ने अब तक का सबसे अधिक प्रत्यक्ष कर संग्रहण किया है। मौजूदा वित्त वर्ष में प्रत्यक्ष कर संग्रहण 48 प्रतिशत बढ़ा है। केंद्र सरकार ने बताया कि वित्त वर्ष 2021-22 में प्रत्यक्ष कर संग्रह 13 लाख 63 हजार करोड़ रुपये रहा। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर संग्रहण बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन जे.बी. महापात्रा ने बताया कि एक अप्रैल, 2021 से 16 मार्च, 2022 तक प्रत्यक्ष कर संग्रहण में 48 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह वित्त वर्ष 2020-21 में 9 लाख 18 हजार करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 13 लाख 63 हजार करोड़ रुपये हो गया है।

20 मार्च

सीबीएसई ने जारी किया बारहवीं कक्षा की टर्म-1 परीक्षा का परिणाम

● केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बारहवीं कक्षा की टर्म-1 परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। सीबीएसई ने कक्षा दसवीं की तरह बारहवीं कक्षा की टर्म-1 परीक्षा का परिणाम भी ऑफलाइन जारी किया है। सीबीएसई ने कहा कि विद्यार्थियों को अपना परिणाम जानने के लिये स्कूल जाना होगा। टर्म-1 परीक्षा में बोर्ड द्वारा सिर्फ थ्योरी अंक दिये गये हैं, प्रैक्टिकल परीक्षा या इंटरनल असेसमेंट के अंक स्कूल द्वारा दिये जायेंगे। सीबीएसई ने थ्योरी अंक ई-मेल के जरिये स्कूलों को भेज दिये हैं। सीबीएसई ने कहा कि अभी सिर्फ टर्म-1 परीक्षा के परिणाम जारी किये गये हैं। अंतिम परिणाम टर्म-2 परीक्षा के बाद घोषित किये जायेंगे।

● जापान अगले पांच वर्षों में भारत में 3.2 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। यह जानकारी जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने अपने भारत दौरे के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ शिखर वार्ता के बाद दी। फुमियो किशिदा ने बताया कि दोनों देशों के बीच स्वच्छ ऊर्जा में भागीदारी बढ़ाने सहित विभिन्न क्षेत्रों में छह करार किये गये हैं। इसके अलावा जापान ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिये सतत् विकास पहल की घोषणा भी की।

● सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने श्रीनगर-कारगिल-लेह मार्ग पर स्थित जोजिला दर्रा (पास) शुरू कर दिया है। बीआरओ ने 11 हजार 650 फीट ऊंचाई पर स्थित इस मार्ग को महज 73 दिन में ही चालू कर दिया है। पहले यह मार्ग बर्फबारी के कारण वर्ष में औसतन 135 दिन बंद रहता था। बीआरओ ने बताया कि जोजिला पास श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मार्ग है। ये लद्दाख में तैनात भारतीय सेना और अन्य सुरक्षा बलों के आवागमन तथा ऑपरेशनल तैयारियों के लिये बेहद जरूरी है।

21 मार्च

ईपीएफओ ने जनवरी माह में जोड़े 15.29 लाख नये सदस्य

● कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने जनवरी 2022 महीने में 15.29 लाख नये सदस्य जोड़े हैं। ये दिसम्बर 2021 (12.60 लाख) की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक हैं। यह जानकारी केंद्रीय श्रम मंत्रालय ने ईपीएफओ के अंतिम पेरोल आंकड़े जारी करते हुये दी। ईपीएफओ ने कहा कि योजना में शामिल होने वाले लोगों में सबसे ज्यादा संख्या (लगभग 45.11 प्रतिशत) 18 से 25 आयु वर्ग के युवाओं की है। जनवरी 2022 में शुद्ध आधार पर जोड़े गये नये 15.29 लाख सदस्यों में से 8.64 लाख नये सदस्यों को ईपीएफ और एमपी अधिनियम 1952 के सामाजिक सुरक्षा दायरे के तहत पंजीकृत किया गया है।

● देश में कोरोनारोधी वैक्सीन कोविशील्ड की दूसरी डोज 8 से 16 सप्ताह के बीच लगाने की सिफारिश की गई है। टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटागी) ने कहा कि वैश्विक आंकड़ों से तैयार वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर कोविशील्ड वैक्सीन के दो डोज के बीच अंतराल में बदलाव करने की सिफारिश की गई है। एनटागी ने बताया कि अभी देश में कोविशील्ड वैक्सीन की दूसरी डोज 12 से 16 सप्ताह के बीच लगाई जा रही है। समूह ने कहा कि 8 से 16 सप्ताह के बीच दूसरी डोज लगाने के बाद भी एंटीबॉडी का स्तर उसी तरह का होगा जैसा कि 12 से 16 सप्ताह के बीच डोज देने के बाद होता है।

22 मार्च

केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिये जुलाई में होगी सीयूईटी परीक्षा

● देश के सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश अब एक प्रवेश परीक्षा संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) से होगा। इस परीक्षा का आयोजन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) करेगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की है। देशभर के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में सीयूईटी के आधार पर ही प्रवेश मिलेगा। सीयूईटी परीक्षा 13 भाषाओं में आयोजित की जायेगी। यूजीसी ने वर्ष 2022-23 सत्र के लिये स्नातक पाठ्यक्रमों के लिये परीक्षा की अधिसूचना जारी की है। इस परीक्षा का रजिस्ट्रेशन अप्रैल से शुरू होगा, जबकि परीक्षा जुलाई में होगी। एनसीईआरटी पाठ्यक्रम पर आधारित होगी।

● चीन में यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद केंद्र सरकार ने भारत में उड़ान भर रहे बोइंग 737 विमानों को अतिरिक्त निगरानी में रखने को कहा है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के प्रमुख श्री अरुण कुमार ने बताया कि देश में स्पाइस जेट, विस्तारा और एयर इंडिया के बेड़े में बोइंग 737 विमान शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उड़ान सुरक्षा एक गंभीर मसला है, इसलिये हम सभी बोइंग 737 विमानों की अतिरिक्त निगरानी कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि चीन ने इस हादसे के बाद सभी बोइंग 737 विमानों की उड़ानें रद्द कर दी हैं।

23 मार्च

केंद्रीय विद्यालयों में पहली कक्षा में प्रवेश के लिये रजिस्ट्रेशन की समय-सीमा बढ़ी

● केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) ने देशभर के केंद्रीय विद्यालयों में पहली कक्षा में प्रवेश के लिये आवेदन करने की अंतिम तिथि आगे बढ़ा दी है। यह समय-सीमा पहले 21 मार्च, 2022 थी, जो अब बढ़ाकर 11 अप्रैल, 2022 की गई है। केवीएस ने बताया कि इस वर्ष केंद्रीय विद्यालयों की प्रवेश प्रक्रिया में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का पालन किया जा रहा है। नई शिक्षा नीति के तहत पहली कक्षा में प्रवेश के लिये विद्यार्थी की आयु एक मार्च, 2022 तक छह वर्ष पूर्ण होनी चाहिये। पहले यह आयु सीमा न्यूनतम पांच वर्ष थी। विद्यार्थी का दाखिला कराने के लिये अभिभावकों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना होगा।

● भारतीय रेलवे ने दिव्यांग, गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों और छात्रों सहित कुछ श्रेणियों को छोड़कर अन्य सभी श्रेणी के किराये में दी जा रही रियायत को खत्म कर दिया है। देश में अब 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को किराये में 50 प्रतिशत छूट भी नहीं मिलेगी। केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में यह जानकारी देते हुये बताया कि यात्री किराये में रियायत देने से रेलवे पर भारी लागत पड़ती है। रेलवे की घटती कमाई को ध्यान में रखते हुये वरिष्ठ नागरिक सहित अन्य श्रेणियों में किराये में रियायतें बढ़ाना फिलहाल मुमकिन नहीं है। उल्लेखनीय है कि भारतीय रेलवे ने मार्च 2020 के बाद कोरोना महामारी के कारण यात्री किराये में मिल रही सभी तरह की रियायतें खत्म कर दी थीं। अभी दिव्यांगजनों और मरीजों को किराये में रियायत मिलती है।

24 मार्च

देश में कोरोना संबंधी सभी पाबंदियां 31 मार्च से होंगी खत्म

● देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में लगातार गिरावट को देखते हुये केंद्र सरकार ने कोरोना की रोकथाम के लिये लगाई गई तमाम पाबंदियां खत्म करने की घोषणा की है। कोरोना संबंधी पाबंदियां 31 मार्च, 2022 से खत्म हो जायेंगी। केंद्र सरकार ने 24 मार्च, 2020 को आपदा प्रबंधन कानून 2005 के तहत पहली बार कोरोना की गाइडलाइंस जारी की थी। केंद्रीय गृह सचिव श्री अजय भल्ला ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में कोरोना पाबंदियों को खत्म करने की बात कही है। श्री भल्ला ने कहा कि पिछले 24 महीनों में महामारी प्रबंधन के लिये विभिन्न तरह की क्षमताएं विकसित की गई हैं। इनमें जांच, निगरानी, कांटेक्ट ट्रेसिंग, इलाज और टीकाकरण शामिल हैं। साथ ही आमजन में कोरोना के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है।

● भारत में मानव स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाला दूसरा सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण है। यह बात विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट-2022 में कही गई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में वायु प्रदूषण से प्रति वर्ष लगभग करोड़ों-अरबों रुपये का नुकसान होता है। वायु प्रदूषण का भारत में मानव स्वास्थ्य पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। ये कई बीमारियों की वजह बनता है। भारत में वायु प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों में वाहन उत्सर्जन, बिजली उत्पादन, औद्योगिक अपशिष्ट निर्माण क्षेत्र और फसल अपशिष्ट जलाना आदि शामिल हैं।

25 मार्च

उत्तर कोरिया ने किया बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण

● उत्तर कोरिया ने एक इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। ये पिछले कुछ वर्षों में उत्तर कोरिया द्वारा किया गया सबसे बड़ा मिसाइल परीक्षण है। उत्तर कोरिया ने मिसाइल परीक्षण की पुष्टि करते हुये कहा कि यह परीक्षण शासक किम जोंग उन के आदेशानुसार किया गया है। उत्तर कोरिया के अनुसार यह मिसाइल 67 मिनट में 680 मील यानी लगभग 1090 किलोमीटर की दूरी तक प्रहार कर सकती है। इसके अलावा ये मिसाइल 3880 मील की ऊंचाई पर भी वार करने में सक्षम है। माना जा रहा है कि उत्तर कोरिया के इस कदम का उद्देश्य अमेरिका और अन्य देशों पर उत्तर कोरिया को परमाणु शक्ति के तौर पर स्वीकार करने तथा उस पर लगाये गये विभिन्न प्रतिबंधों को हटाने के लिये दबाव डालना है। अमेरिका के साथ उत्तर कोरिया का लंबे समय से टकराव चल रहा है। अमेरिका से टक्कर लेने के लिये उत्तर कोरिया अपनी परमाणु क्षमता का विस्तार कर रहा है। अमेरिका ने कहा कि उत्तर कोरिया और बड़ी बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण कर सकता है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

18 वर्षों के अनुभव के साथ
JOIN CRASH COURSE
NEET/नर्सिंग
CET CUET IPM
9th 10th 11th 12th
बालाजी ट्यूटोरियल्स
(Since 2004)
ऑफिस: 221, वेदा बिल्डिंग, भँवरकुआ इन्दौर
98930-53653
R-46828/2022

नये बैच में प्रवेश प्रांरभ
दिनांक 28 मार्च 2022
NDA/CDS
SSB, NAVY
Group - X, Group - Y
• New Classes Started
• Demo Available
• Individual Class for different Courses.
Time : 12-6 Written
Physical - 6-8 Morning
कौटिल्य एकेडमी
भंवरकुंआ चौराहा, इन्दौर
0731-4226615, 9111888309
R-46821/2022

APPOINTMENTS
PROFESSOR, ASSOCIATE PROFESSOR & ASSISTANT PROFESSOR
For LAW, ENGLISH, HISTORY, POLITICAL SCIENCE, SOCIOLOGY, MANGEMENT, ECONOMICS COMMERCE, CHEMISTRY, PHARMACEUTICAL CHEMISTRY, BIOTECHNOLOGY, MICROBIOLOGY, COMPUTER SCIENCE, PSYCHOLOGY, PHYSICS, MATHEMATICS.
Interested candidates may send their CVs or email at aimsr@acropolis.in within 7 days. Qualification, experience & salary as per UGC/BCI norms. Faculty selection will be done under college code 28.
ACROPOLIS Enlightening Wisdom
Acropolis Institute of Management Studies & Research
Indore Bypass Road, Manglia Square, Near Toll Plaza, Indore - 453771 (M.P.) Ph: 0731-4730093, 4730187
R-46822/2022

साप्ताहिक
रोज़गार और निर्माण
में विज्ञापन के लिए दरें
टैरिफ

क्रमांक	ब्लैक एंड व्हाइट रेट प्रति वर्ग सेमी (sq Per cm)	रंगीन रेट प्रति वर्ग सेमी (sq Per cm)
1. डीएवीपी (DAVP) रेट	17.76	24.86
2. कॉन्ट्रैक्ट रेट	70.00	98.00
3. कमर्शियल रेट	80.00	112.00

फुल पेज का आकार

चौड़ाई	-	25 सेंटीमीटर
लंबाई	-	37 सेंटीमीटर
कुल वर्ग सेंटीमीटर	-	925 वर्ग सेंटीमीटर

संपर्क करें :
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
ई मेल : madhyam.rojgar@gmail.com Website : www.mpmadhyam.in
नोट : 1. 5% जीएसटी (GST) शुल्क अलग से देय होगा।
2. 4.5x5 सेमी (cm) से कम का विज्ञापन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वर्ष 39, अंक 13 28.03.2022 से 03.04.2022
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - राघवेन्द्र कुमार सिंह
● सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
● कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
● प्रभारी अधिकारी - नरेन्द्र कुमार बनवट (प्रसार एवं विज्ञापन)
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● आकल्पन - हेमंत वायंगणकर, आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सुरक्षित मातृत्व आश्वासन

सुमन

suman.nhp.gov.in

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मध्यप्रदेश शासन

NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

आदर सम्मान के साथ
मुफ्त उपचार
सुमन के साथ
मिलेंगी खुशियाँ अपार

श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

श्री शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

- ऐम्बुलेंस सेवा - 108
- कम से कम 4 प्रसव पूर्व जाँच सेवा
- डिलीवरी नार्मल या ऑपरेशन (सी-सेक्शन) से
- माँ के लिए लैब टेस्ट, दवाएं (गर्भावस्था के दौरान और प्रसव के 6 महीने बाद तक) और शिशु के लिए (1 साल तक)
- आदर सम्मान के साथ देखभाल
- शिकायत एवं सुझाव हेतु जिला सुमन हेल्प डेस्क की सुविधा जिला अस्पताल में उपलब्ध

सुरक्षित मातृत्व आश्वासन "सुमन" अभियान
के अंतर्गत निःशुल्क सुविधाओं का लाभ उठाएं।

शिकायत निवारण सुविधा
टोल-फ्री नंबर -104

अधिक जानकारी के लिए आशा कार्यकर्ता अथवा महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता से सम्पर्क करें।

M.P. Madhyam/114111/R-46818/2022

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक राघवेन्द्र कुमार सिंह, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।

सम्पादकीय

जल संरक्षण के लिये करने होंगे प्रयास

जल जीवन का मुख्य आधार है। हर व्यक्ति को स्वच्छ पेयजल मिले इसके लिये राज्य सरकार संकल्पित है। हैंडपंप के स्थान पर अब हर घर को नल से जल मिले, इसके लिये प्रदेश में जल जीवन मिशन के कार्य जारी हैं। सिंचाई का रकवा 43 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर 65 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाना है, लेकिन इन सबके लिये पानी चाहिये। वर्षा जल को हम कैसे सुरक्षित कर पाएं, इसके लिये हमें हरसंभव उपाय करने होंगे। उपरोक्त बातें मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहीं। मुख्यमंत्री विश्व जल दिवस पर प्रदेश में पानी बचाने के लिये आगामी समय में चलाई जाने वाली गतिविधियों की भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन में बुरहानपुर जिले के ग्रामीण अंचलों में 30 मार्च को हर घर में नल और हर नल में जल का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री बुरहानपुर में आयोजित जिला जल संसद में भी शामिल होंगे। जल जीवन मिशन में प्रत्येक घर में नल से जल प्रदाय सुनिश्चित करने के लिये गांवों में भू-जल आधारित स्रोत सृजित किये गये हैं। इन स्रोतों को संवहनीय बनाने के लिये जल संरक्षण और भू-जल रिचार्ज सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री जल शक्ति अभियान शुरू किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षा के जल को संग्रहित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। जलाभिषेक अभियान में विभिन्न जल संरचनाओं जैसे स्टॉप डैम, चेक डैम आदि के निर्माण का लक्ष्य यही था कि वर्षा जल का अधिक से अधिक संरक्षण हो। नदियों को पुनर्जीवित करने का कार्य भी व्यापक स्तर पर शुरू किया गया था। कोविड काल में ये गतिविधियां थम गई थीं। लेकिन अब पुनः पानी बचाने के क्षेत्र में व्यापक स्तर पर कार्य करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षा जल को संरक्षित रखने के लिये रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने के साथ शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिये जल संरचनाएं बनाने का आंदोलन शुरू किया जायेगा। जन अभियान परिषद इन गतिविधियों को अभियान के रूप में संचालित करने के उद्देश्य से स्वयंसेवी संस्थाओं और जन सामान्य को जोड़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनभागीदारी से जल संरक्षण की गतिविधियां संचालित की जायेंगी। जनसहयोग को प्रोत्साहित करने के लिये जल बचाने की भावना को विकसित करने के उद्देश्य से जनजागरण अभियान संचालित किया जायेगा। जल का अनावश्यक व्यय न हो, इस पर भी लोगों को शिक्षित किया जायेगा। कृषि में नहर के स्थान पर स्प्रिंकलर और ड्रिप से सिंचाई को प्रोत्साहित किया जायेगा। पानी बचाने की इन गतिविधियों के लिये लोगों को जागरूक करना होगा। जल संरक्षण के लिये जल संरचनाओं का निर्माण कर नदियों को पुनर्जीवित करने के लिये अभियान चलाया जायेगा। वन क्षेत्रों में भी स्टॉप डैम और चेक डैम बनाये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षा ऋतु आरंभ होने पर विस्तृत रूप से वृक्षारोपण अभियान संचालित किया जायेगा। वर्षा जल को संरक्षित करने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका है। वृक्ष, जल अवशोषित करते हैं। वृक्षों में अवशोषित जल से ही नर्मदा जी जैसी नदियां जीवित रहती हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि जल जीवन मिशन में ग्रामों और बसाहटों को जिन जल स्रोतों से जल आपूर्ति की जायेगी, उनकी निरंतरता और संवहनीयता का विशेष ध्यान रखा जाये। मध्यप्रदेश में जल बचाने और वर्षा जल के संरक्षण के लिये जल-जन जागरण अभियान चलाया जायेगा। इस वर्ष जलाभिषेक अभियान के अंतर्गत पुरानी जल संरचनाओं के पुनर्जीवन के लिये पुष्कर धरोहर समृद्धि अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत समाज की सहभागिता और विभिन्न शासकीय योजनाओं के माध्यम से वर्षा जल संरक्षण और भू-जल संवर्धन के नवीन कार्य, भू-जल रिचार्ज, नदी पुनर्जीवन कार्य, वन क्षेत्रों में जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य, वृक्षारोपण, निजी खेतों में जल संग्रहण और ड्रिप एवं स्प्रिंकलर से सिंचाई को प्रोत्साहन जैसी गतिविधियां संचालित की जायेंगी।

पौधे कर सकते हैं घर का प्रदूषण कम

लोग अपने घर के अंदर पौधे लगाते हैं। यह घर की सुंदरता बढ़ाते हैं, लेकिन हाल ही हुये शोध में यह बात सामने आयी है कि इनसे घर के अंदर का प्रदूषण भी कम होता है। जैसा कि हम जानते ही हैं कि घर के बाहर प्रदूषण होता है। घर के अंदर हम सुरक्षित रहते हैं, लेकिन हमें ऐसा नहीं मानना चाहिये कि घर के अंदर प्रदूषण नहीं है। यह प्रदूषण बाहर व्याप्त प्रदूषण से ज्यादा खतरनाक होता है। खास बात यह है कि इसे घर के अंदर लगे पौधों से कम किया जा सकता है। एक शोध में दावा किया गया है कि घर के अंदर पौधों को लगाकर 20 फीसदी तक प्रदूषण को कम किया जा सकता है। यह शोध बर्मिंघम विश्वविद्यालय के नेतृत्व में किया गया। शोधकर्ताओं ने कहा कि लोग घर के अंदर की खूबसूरती बढ़ाने के लिये पौधे लगाते हैं, उन्हें पता नहीं होता कि इससे घर के अंदर का प्रदूषण भी खत्म किया जा सकता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि पीस लिली, कॉर्न प्लांट और फर्न अरूम तीन पौधों को अध्ययन में शामिल किया गया। तीनों पौधों को सबसे व्यस्ततम सड़क किनारे स्थित एवं कार्यालय में रखा गया और प्रतिदिन इसकी निगरानी की गई। इसमें पाया गया कि तीनों पौधे कार्यालय के अंदर से नाइट्रोजन डाइऑक्साइड के स्तर को कम करने में सक्षम थे। डॉक्टर क्रिश्चियन ने कहा कि हमारे शोध में जिन पौधों का चयन किया, वे सभी एक-दूसरे से बहुत अलग थे। बावजूद सभी पौधे कार्यालय के वातावरण को ठीक करने में सक्षम थे। उन्होंने कहा कि तीनों पौधों में कार्यालय के अंदर से नाइट्रोजन डाइऑक्साइड हटाने की समान क्षमता थी। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक सामान से निकलने वाली गैस और खाना पकाते समय निकलने वाले धुएं से भी घर के अंदर की हवा की गुणवत्ता खराब होती है। विशेषज्ञों ने बताया कि पीपल, बरगद, जामुन, नीम, हरसिंगार, अशोक, अर्जुन, महुआ, कनेर आदि पारंपरिक पेड़ पॉल्युशन टॉलरेंट होते हैं। इन पौधों को सड़कों के दोनों ओर और रिहायशी इलाकों में लगाने से ये पेड़ धूल के महीन कणों को सोख लेते हैं। ये पौधे वायु को शुद्ध कर प्रदूषण को काफी हद तक रोकते हैं।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

विश्व रंगमंच दिवस 27 मार्च

समाज का दर्पण है रंगमंच

साहित्यकार और नाटककार शेक्सपियर की प्रसिद्ध पंक्तियां हैं, जिंदगी एक रंगमंच है और हम सब उसकी कठपुतलियां हैं। रंगमंच सिर्फ अभिनय या मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि जीवन को जीने का, सही ढंग सिखाने वाला गुरु है। रंगमंच कलाकार बनाने के पहले एक तजुर्बेदार इंसान बनने में आपकी मदद करता है। इसके अलावा और भी कई चीजें हैं, जो हम अपने जीवन में रंगकर्म के माध्यम से सीखते हैं। 27 मार्च को पूरे विश्व में वर्ल्ड थियेटर डे या विश्व रंगमंच दिवस मनाया जाता है। इस विधा के प्रति लोगों को जागरूक करने और इसे जीवन्त रखने के लिए यह दिन समर्पित है।

60वें साल का जश्न मना रहा विश्व रंगमंच दिवस

सन् 1961 में सबसे पहले हेलसिंकी और फिर वियना में अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान (आगे चलकर आईटीआई, इंटरनेशनल थियेटर इंस्टीट्यूट) के नौवें विश्व सम्मेलन के दौरान संस्थान के तत्कालीन अध्यक्ष अर्वी किविमा ने 'विश्व रंगमंच दिवस' की स्थापना किए जाने का प्रस्ताव रखा था। आईटीआई के फिनलैंड स्थित केंद्र की ओर से रखे इस प्रस्ताव का स्कैन्डिनेवियाई केंद्रों ने समर्थन किया। विश्व के अन्य केंद्रों ने इसका जोरदार समर्थन किया। 27 मार्च, 1962 को पहली बार औपचारिक तौर पर अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच दिवस मनाया गया। पेरिस में 'थियेटर ऑफ नेशन्स' सीजन की शुरुआत का भी यह दिन है। तब से अब तक 100 से अधिक राष्ट्रों में स्थापित आईटीआई केंद्रों में इसे व्यापक और विविध रूपों में मनाया जाता है। भारत में इंटरनेशनल थियेटर इंस्टीट्यूट का सेंटर पुणे में स्थित है। सन् 1948 में यूनेस्को और विश्व के ख्यातनाम रंगकर्मियों ने मिलकर अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान (आईटीआई) की स्थापना प्राग (चेक गणराज्य) में की। इसका मुख्यालय वर्तमान में पेरिस में है। आईटीआई परफॉर्मिंग आर्ट के क्षेत्र में काम करने वाला एक महत्वपूर्ण अशासकीय संगठन है, जो औपचारिक रूप से यूनेस्को से सम्बद्ध है। यूनेस्को कला प्रदर्शन की बेहतरी और सुधार के लिए समर्पित संस्था है। इस वर्ष विश्व रंगमंच दिवस अपने 60 बरस पूरे कर रहा है। 60वें वर्ष का यह आयोजन पेरिस से संचालित किया जाएगा। इस वर्ष विश्व रंगमंच दिवस का समारोह अगली पीढ़ी, युवाओं और उभरते कलाकारों पर केंद्रित किया जाएगा। विश्व रंगमंच दिवस के दिन थियेटर से संबंधित कई ग्रुप खास पेशकश करते हैं।

2022 का संदेश देंगे पीटर सेलर्स

हर साल रंगमंच से जुड़ी किसी एक असाधारण प्रतिभा को रंगमंच और अंतर्राष्ट्रीय सद्भाव पर अपने विचार और अनुभव बांटने के लिए आईटीआई द्वारा आमंत्रित किया जाता है। आमंत्रित हस्ती के विचारों को अंतर्राष्ट्रीय संदेश के रूप में जाना जाता है। यह संदेश इस वर्ष प्रसिद्ध अमेरिकी ओपेरा, थियेटर और फेस्टिवल डायरेक्टर पीटर सेलर्स द्वारा दिया जायेगा। वे लॉस एंजिल्स में स्थित कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं, जहां वे सिखाते हैं कि Art as Social Action and Art as Moral Action अर्थात् सामाजिक क्रिया के रूप में कला और नैतिक क्रिया के रूप में कला।

तकनीक ने बढ़ाया आपसी संवाद

तकनीकी बदलावों ने देशों के मध्य आपसी आदान-प्रदान में और संवाद करने की क्षमता में गुणात्मक बढ़ोत्तरी कर दी है। अब दूसरे मुल्कों के रंगमंच से परिचित होने का अवसर दिल्ली के अतिरिक्त छोटे शहरों को भी मिलने लगा है। दुनिया में विदेश नीति में कल्चर 'सॉफ्ट पावर' के रूप में पहचाना जाने लगा है। कहा जाता है कि अंग्रेजों के साम्राज्य विस्तार के दौरान

सांस्कृतिक वर्चस्व कायम करने में शेक्सपीयर के नाटकों का भी उपयोग किया गया था। हाल ही में आयोजित 'थियेटर ओलिंपिक' एक ऐसा आयोजन था, जिसमें विश्व के अनेक देशों ने अपने रंगमंच का प्रदर्शन किया। इससे कुछ साल पहले जद्दोजहद कर रहे फिलीस्तीनी जनता के प्रतिरोध थियेटर से देश के लोगों को परिचित होने का मौका मिला था।

भारतीय भाषा में रंगमंच

रंगमंच वह स्थान है, जहां नृत्य, नाटक आदि होते हैं। रंगमंच शब्द रंग और मंच दो शब्दों से मिलकर बना है। एक रंग जिसके तहत दृश्य को आकर्षक बनाने के लिए दीवारों, छतों और पर्दों पर विविध प्रकार की चित्रकारी की जाती है। साथ ही अभिनेताओं की वेशभूषा और सज्जा में भी विविध रंगों का प्रयोग होता है। दूसरा मंच- जिसके तहत दर्शकों की सुविधा के लिए रंगमंच का तल फर्श से कुछ ऊंचा रहता है। वहीं दर्शकों के बैठने के स्थान को प्रेक्षागार और रंगमंच सहित समूचे भवन को प्रेक्षागृह, रंगशाला या नाट्यशाला कहते हैं। पश्चिमी देशों में इसे थिएटर या ओपेरा के नाम से जाना जाता है। माना जाता है कि नाट्यकला का विकास सर्वप्रथम भारत में ही हुआ।

लोकनाट्य की परंपरा

हिंदी ही नहीं अहिंदी भाषी क्षेत्रों में भी परंपरागत लोकनाटक बड़ी संख्या में होते हैं। बिहार, राजस्थान, असम, मध्यप्रदेश, बंगाल समेत देश के बड़े हिस्से में ये कई रूप प्रचलित रहे हैं। उत्तर भारत में प्रचलित रामलीला और रासलीला, मध्यप्रदेश में विशेष तौर पर मालवा प्रांत में 'माच' नामक लोकनाट्य प्रसिद्ध है। राजस्थान में 'माच' 'ख्याल' के रूप से प्रचलित है। इसी प्रकार भारतवर्ष के हर प्रांत में भिन्न-भिन्न प्रकार के नाटक प्रचलित हैं।

जर्मनी के महान नाटककार बर्तोल्त ब्रेख्त ने 'एपिक थियेटर' नाम से नाट्य मंडली का गठन किया था। हिंदी में एपिक थियेटर को लोक नाटक के रूप में जाना जाता है। बर्तोल्त ब्रेख्त ने एपिक थियेटर की अवधारणा एशियाई देशों के पारंपरिक रंगमंच से ही की थी। ब्रेख्त कहा करते थे 'नाटक को कुछ इस प्रकार प्रस्तुत किया जाए दर्शक को नाटक के चरित्र से तारतम्य स्थापित करने से रोका जाए। चरित्रों के क्रियाकलापों के प्रति स्वीकार या इंकार का भाव दर्शकों की चेतना के स्तर पर हो न कि अवचेतन स्तर पर हो, जैसा कि पहले सोचा जाता था। यानी पाठक चरित्र के साथ डूबे नहीं, मुग्ध न हों, बराबर नाटक से अपने को अलग रखें। एपिक थियेटर भावना जगाने की बजाए चकित करने पर जोर देता है।'

रंगकर्म से हम सीखते हैं कई महत्वपूर्ण बातें

आत्मविश्वास में वृद्धि : रंगमंच (नाट्य कला) एक ऐसी विधा है, जिससे आपके भीतर का आत्मविश्वास बढ़ता है। दूसरों के विचारों और बातों को सुनने की सहनशीलता में वृद्धि होती है। यहां तक कि रंगमंच सबसे शर्मीले व्यक्ति को भी धीरे-धीरे आत्मविश्वास से भर देता है। कुछ ही सप्ताह के रंगकर्म के अभ्यास से व्यक्ति अपने अंदर बदलाव महसूस करने लगते हैं।

निरंतर कुछ नया करने का उत्साह : नाट्य विधा में आप सीखते हैं कि एक काम का पूरा होना ही अंत नहीं है। अगली बार कुछ नया और बेहतर करना है। ऐसा कई बार होता है कि आप कुछ नए की तलाश में होते हैं। यानी आप में निरंतर कुछ बेहतर करने का उत्साह रंगमंच भरता रहता है।

रचनात्मक सोच का विकास : रचनात्मक लोग चीजों को नए तरीकों से और विभिन्न दृष्टिकोणों से देख सकते हैं। अपनी कल्पना में कुछ नया सोच सकते हैं और नए विचार उत्पन्न कर सकते हैं। नाटक की दिशा का नेतृत्व करते हैं, भूमिका में समस्याओं के समाधान के साथ आते हैं। इस तरह रंगमंच में हिस्सा लेने से व्यक्ति के अंदर रचनात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलता है और कुछ नया सोचने और करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

सकारात्मक ढंग से जीना सीखते : कोई नाटक अच्छा होता है, तो मन में उत्साह भरता है, लेकिन यदि प्रदर्शन अच्छा न हो तब भी किस तरह खुद को दोबारा आगे बढ़ने के लिए तैयार करना है। यह भी रंगकर्म सिखाता है। रंगमंच से जीने का सही सलीका सीखते हैं और अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण करना सीखते हैं। जीवित और निर्जीव हर चीज की अहमियत करना भी हम थियेटर में सीखते हैं।

तनाव और डिप्रेशन को दूर करने में मददगार : अभिनय और नाटक में व्यक्ति भावनाओं को महसूस करना, व्यक्त करना, दूसरों की भावनाओं को समझना, भावनात्मक समस्याओं से निपटना सीखते हैं। रंगमंच सही वातावरण में मनुष्य के अंदर की आक्रामकता और तनाव को बाहर लाने में मदद करता है। युवाओं को जीवन जीने का ढंग सिखाता है और कठिन से कठिन स्थिति में भी हार न मानने के लिए प्रोत्साहित करता है। रंगमंच अवसाद से कहीं दूर ले जाता है। ये सकारात्मक ऊर्जा, अच्छी जीवन शैली और अनुशासन के महत्व से आपको रूबरू कराता है।

शारीरिक रूप से मजबूत बनाता : रंगमंच में जब हम किरदारों को आकार देते हैं तब हमको सबसे निष्क्रिय प्रदर्शन, लंबे समय तक काम करने की आवश्यकता होती है। रंगकर्म के अभ्यास से शरीर में लचीलापन, समन्वय, संतुलन और नियंत्रण बनता है।

याददाश्त बेहतर होती है : याददाश्त को बेहतर करने में भी रंगकर्म की भूमिका है, क्योंकि जब हम किसी भी नाटक की प्रस्तुति के पहले होने वाली प्रक्रिया यानी कि पूर्वाभ्यास करते हैं। संवाद को याद करते हैं तब हमारी याददाश्त में सुधार होता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि आपकी याददाश्त को मांसपेशियों की तरह ही व्यायाम की आवश्यकता होती है।

नेतृत्व क्षमता और विश्लेषणात्मक सोच: हमारे जीवन में शिक्षा में कला का होना भी बहुत महत्वपूर्ण और उपयोगी है क्योंकि रंगमंच से विश्लेषणात्मक सोच, जीवन कौशल, टीम वर्क और बहुत कुछ नया करने को मिलता है, रंगमंच विधा में वह सब है जो आपको निजी और सार्वजनिक जीवन में जानना आवश्यक है, क्योंकि शिक्षा में कला का प्रयोग बच्चों को अधिक रचनात्मक बनाता है।

पूरी दुनिया में रंगमंच की एक खास पहचान रही है कि वो मनोरंजन करने के साथ-साथ प्रतिरोध की भूमिका भी निभाता है। भारतीय रंगमंच के एक प्रमुख हस्ताक्षर रतन थियाम कहते हैं 'रंगमंच को लोगों के मनोविज्ञान में प्रवेश करने का प्रयास करना चाहिए। यह प्रतिरोध का संदेश लिए हुए रहती है। यह लोगों को सोचने पर मजबूर करेगा कि व्यवस्था में कुछ न कुछ गड़बड़ी है और इसमें बदलाव की आवश्यकता है। पिछले तीन हजार वर्षों में एक भी नाटक ऐसा नहीं लिखा गया है जिसमें प्रतिरोध न हो।'

सर्जना चतुर्वेदी

(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड विदिशा (म.प्र.)

Mail I.D. :- eephvid@mp.nic.in, Fax No. :- 07592-250663
Telephone No. :- 07592-250663 VIDISH-464001 (M.P.)

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 24/नि.प्र./खण्ड विदिशा/लोस्वायांवि/2021-22/विदिशा **दिनांक : 17.03.2022**

निविदा आमंत्रण सूचना

विदिशा जिले के विभिन्न विकासखण्डों के विभिन्न ग्रामों में "जल जीवन मिशन" के अंतर्गत आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी का निर्माण, सम्पवेल कम पम्प हाउस का निर्माण, पाइप लाइन, घरेलू नल कनेक्शन एवं विद्युत संयोजन आदि कार्य हेतु निविदा ऑनलाइन वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 04.04.2022** को सायं 17.00 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किये जा सकते हैं।
निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है :-

स. क्र.	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	विकास खण्ड	ग्रामों की संख्या	अनुमानित लागत (PAC) (रु. में)	धरोहर राशि (EMD) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्यपूर्ण करने की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
1.	2022_PHED_191748_1	बासौदा	04	26637606/-	266376/-	15000/-	06 माह वर्षाऋतु सहित	नवीन केन्द्रीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार
2.	2022_PHED_191767_1	बासौदा	06	23774580/-	237746/-	15000/-	05 माह वर्षाऋतु सहित	
3.	2022_PHED_191791_1	बासौदा	05	33876060/-	338760/-	15000/-	06 माह वर्षाऋतु सहित	

सदस्य सचिव, जिला जल एवं स्वच्छता मिशन एवं कार्यपालन यंत्री,
जी-24065/46801/2022 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड विदिशा (म.प्र.)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग खण्ड सागर (म.प्र.)

दूरभाष - 07582-224269, E-mail : eephe_sagar@yahoo.co.in

क्रमांक 1000/निविदा प्रकोष्ठ/का.यं./लो.स्वा.यां./खण्ड, सागर **दिनांक : 16.03.2022**

संक्षिप्त निविदा सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से जल जीवन मिशन के अंतर्गत सागर जिले के तालिका में उल्लेखित ग्रामों में शतप्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से जल प्रदाय हेतु नल जल योजना कार्य की ऑनलाइन निविदा **http://www.mptenders.gov.in दिनांक 31.03.2022** सायं 5.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक एवं दिनांक	ई-निविदा क्रमांक	ग्राम के नाम	विकास खण्ड	अनुमानित लागत रुपये (लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य रुपये में
1.	21/16.03.2022	2022_PHED_191367_1	बम्होरीमाफी	बण्डा	31.21	50000/-	5000/-
2.	22/16.03.2022	2022_PHED_191368_1	काछीपिपरिया	रहली	74.28	74280/-	10000/-
3.	23/16.03.2022	2022_PHED_131371_1	सालावार	देवरी	62.15	62150/-	10000/-

निविदा में संशोधन ऑनलाइन ही देखें जा सकेंगे।

कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग
जी-24028/46802/2022 एवं सदस्य सचिव जिला जल एवं स्वच्छता मिशन जिला सागर

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, उज्जैन परिक्षेत्र उज्जैन

दूरभाष नं. :- 0734-2524462, ई-मेल :- cepwdujjain@mp.nic.in

निविदा सूचना क्र. 12/सामान्य/मु.अ./2021-22/उज्जैन/ **उज्जैन, दिनांक : 16.03.2022**

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	जिला	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	कार्य का नाम	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	कार्य की समयावधि
1.	संभाग मंदसौर	2022_PWDRB_191587_pack1	बसई से कचनारा मार्ग का उन्नतीकरण कार्य कि.मी. 14 से 45/4 (अरनिया बसई सुवासरा मुख्य जिला मार्ग का भाग) कुल लंबाई 31.40 कि.मी.।	2408.11	24 माह वर्षाकाल सहित

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय एवं ऑनलाइन बिड सबमिशन की **अंतिम दिनांक 30.03.2022** सायं 5.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता
जी-24031/46803/2022 लोक निर्माण विभाग, उज्जैन परिक्षेत्र उज्जैन

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग-खण्डवा

क्र. 1019/निविदा/लोस्वायांवि/2021 **खण्डवा, दिनांक : 11.03.2022**

निविदा सूचना क्रमांक - 26/2021-22

जल जीवन मिशन अंतर्गत खण्डवा जिले के ग्रामों में स्थापित नलजल योजनाओं के पुनर्नवीनीकरण कार्य के क्रियान्वयन हेतु पाइप लाइन जोड़ना, बिछाना परीक्षण कार्य, आरसीसी उच्चस्तरीय टंकी, सम्पवेल निर्माण कार्य, मोटरपम्प स्थापना, घरेलू नल कनेक्शन प्रदाय एवं विद्युत कार्य मय 03 माह परीक्षण अवधि हेतु ऑनलाइन निविदाएं- टेण्डर आई.डी. क्रमांक 2022_PHED_190365_1 से 2022_PHED_190365_23 (23 समूह) में आमंत्रित की जाती है। जिनमें निविदा दर डालने की **अंतिम तिथि दिनांक 28.03.2022** समय दोपहर 17.30 बजे तक निर्धारित है। समस्त कार्यों की कुल अनुमानित लागत रु. 6115.72 लाख है। धरोहर राशि एवं अन्य विस्तृत विवरण ईटेण्डर पोर्टल **www.mptenders.gov.in/nicegp/app** पर देखी जा सकती है। निविदाओं में भविष्य में किये जाने वाले समस्त संशोधन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर ही प्रकाशित किये जावेंगे।

कार्यपालन यंत्री एवं सदस्य सचिव
जिला जल एवं स्वच्छता मिशन
जी-24046/46804/2022 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड खण्डवा

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, डिण्डौरी (म.प्र.)

नि.सू.क्र./150 से 158/व.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.यां./2022 **डिण्डौरी, दिनांक : 14.03.2022**

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नानुसार ई-टेण्डर ऑनलाइन डिजिटल मुहरबंद (Digitaly Scaled) डिण्डौरी जिले के अंतर्गत 1) Retrofiting Piped water supply scheme Under JJM Distt. -Dindori, 2) Piped water supply scheme Under JJM Distt. - Dindori (Sanctioned Under Quality affected Scheme head), And Work of Water Supply Arrangement in rural Government Institute (Likes School Aganwadi) हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। **https://www.mptenders.gov.in** जिसका अवलोकन वेबसाइट में किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र केवल ऊपर उल्लेखित वेबसाइट से ऑनलाइन क्रय किये जा सकते हैं। जिसके मूल्य का भुगतान कैश-कार्ड, ए.टी.एम., कम डेविट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग से किया जावेगा। निविदा दिनांक 16.03.2022 को सुबह 11.00 बजे से **दिनांक 04.04.2022** को शाम 17.30 बजे तक ऑनलाइन प्रस्तुत किये जा सकते हैं।
निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। जिसका पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं दिया जावेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र. एवं विवरण :- 1. Retrofitting work of JJM at Village - Atariya Ryt, Padariya-2 Block-Samnapur, and Village Pachgaon Ryt. Block- Bajag Distt. - Dindori Distt. - Dindori

ई-निविदा क्र.	नि.सू.क्र.	वि.खं.	अनु. लागत (PAC) (रु. लाख में)	धरोहर राशि (PAC) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	रिमार्क
2022_PHED_190522_1	150	विकासखण्ड समनापुर एवं बजाग	139.64	139640/-	12500/-	प्रथम आमंत्रण

स.क्र. एवं विवरण :- 2. Retrofitting work of JJM at Village - Bhamha, Mohara Kalan Mal, Imali Mal & Village Mohani Mal Block-Shahpura Distt. - Dindori

2022_PHED_190523_1	151	विकासखण्ड शहपुरा	234.63	234630/-	15000/-	प्रथम आमंत्रण

स.क्र. एवं विवरण :- 3. Quality Effected Village Kailwara & Boodhan Piped water Supply Scheme.

2022_PHED_190524_1	152	विकासखण्ड डिण्डौरी	152.63	152630/-	12500/-	सातवां आमंत्रण

स.क्र. एवं विवरण :- 4. Retrofitting work of JJM at Village - Khargahnamay Basaniya, Sidholi, Pipariya and Village Chandragadh Block - Amarpur Distt. - Dindori.

2022_PHED_190525_1	153	विकासखण्ड अमरपुर	258.28	258280/-	15000/-	प्रथम आमंत्रण

स.क्र. एवं विवरण :- 5. Retrofitting work of JJM at Village - Palki Ryt. & Village Ghundisarai Block - Shahpura Distt.-Dindori.

2022_PHED_190526_1	154	विकासखण्ड शहपुरा	118.77	118770/-	12500/-	प्रथम आमंत्रण

स.क्र. एवं विवरण :- 6. New Piped water supply scheme at village parsel Block - Karanjiya & Retrofitting work of JJM at Village Bhakhadongri, Bargaon Block Bajag Distt. Dindori.

2022_PHED_190527_1	155	विकासखण्ड करंजिया एवं बजाग	180.15	180150/-	12500/-	प्रथम आमंत्रण

स.क्र. एवं विवरण :- 7. Retrofitting work of JJM at Village - Sarangpur khajarwara & Mehandwani Block - Mehandwani Distt. - Dindori.

2022_PHED_190528_1	156	विकासखण्ड मेंहदवानी	368.85	368850/-	15000/-	प्रथम आमंत्रण

स.क्र. एवं विवरण :- 8. Retrofitting work of JJM at Village Singhwara, Sighanpuri, Bangwar and Madagaur Mal/Ryt. Block-Samnapur Distt. - Dindori.

2022_PHED_190529_1	157	विकासखण्ड समनापुर	210.38	210380/-	15000/-	प्रथम आमंत्रण

स.क्र. एवं विवरण :- 9. Work of Water Supply Arrangement in rural Government Institute (Like School Aganwadi) Block-Dindori Distt. - Dindori.

2022_PHED_190533_1	158	विकासखण्ड डिण्डौरी	116.48	116480/-	12500/-	तृतीय आमंत्रण

सदस्य सचिव, जिला जल एवं स्वच्छता मिशन कार्यपालन यंत्री
जी-24093/46806/2022 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड डिण्डौरी (म.प्र.)

मध्यप्रदेश राज्य उद्यानिकी मिशन
(संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी)

छठवीं मंजिल, विन्ध्याचल भवन, मध्यप्रदेश, भोपाल
दूरभाष क्रमांक - 0755-2576960, Email : midhhorti@mp.gov.in

क्रमांक/उद्यान/MIDH/लक्ष्य/2021-22/1201 **भोपाल, दिनांक : 15.03.2022**

विज्ञप्ति

संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी अंतर्गत संचालित एकीकृत बागवानी विकास मिशन (MIDH) में वर्ष 2021-22 हेतु योजना के घटक **बागवानी यंत्रीकरण के उपघटक ट्रैक्टर (Upto 20 PTO HP)** के अनुदान पर क्रय हेतु निम्न प्रावधानों के अंतर्गत **www.mpfsts.mp.gov.in** पर ऑनलाइन आवेदन दैनिक समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित दिनांक से **10 दिवस तक** आमंत्रित किये जाते हैं :-

क्र.	घटक	लागत मापदण्ड	भौतिक लक्ष्य (संख्या में)	अनुदान सहायता
1.	ट्रैक्टर (Upto 20 PTO HP) (सामान्य, अजजा. एवं अजा. वर्ग के लिये)	राशि रुपये 3.00 लाख	156	सामान्य, अजजा एवं अजा वर्ग के किसानों के लिये लागत का 25 प्रतिशत अधिकतम अनुदान राशि रुपये 0.75 लाख/इकाई
2.	ट्रैक्टर (Upto 20 PTO HP) (अजा. अजजा, लघु एवं सीमांत वर्ग के लिये)	राशि रुपये 3.00 लाख	100	अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिला, छोटे एवं कमजोर किसानों के लिये लागत का 35 प्रतिशत अधिकतम अनुदान राशि रुपये 1.00 लाख/इकाई

उक्त योजना का लाभ लेने हेतु इच्छुक हितग्राही को मिशन अंतर्गत चयनित 40 जिलों में विभागीय MPFSTS पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।
(आयुक्त द्वारा अनुमोदित)

सहायक संचालक उद्यान
जी-24088/46805/2022 म.प्र. राज्य उद्यानिकी मिशन भोपाल

कार्यालय अधीक्षण यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा नर्मदापुरम मण्डल नर्मदापुरम

Office Email ID - seresnarmda@mp.gov.in, Office Phone No. 07574-250166

क्र. 304/निविदा/ग्रायांसे/2022 **नर्मदापुरम, दिनांक : 15.03.2022**

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 07/2021-22 (प्रथम आमंत्रण)

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से ऑनलाइन मोहरबंद प्रतिशत दर पर निविदायें फार्म "ए" (Appendix 2.10) पर ग्रायांसे संभाग नर्मदापुरम जिला नर्मदापुरम की म.प्र. लोक निर्माण विभाग के केन्द्रीयकृत प्रणाली में समतुल्य/सक्षम श्रेणी में पंजीकृत सी श्रेणी ठेकेदारों से 2 कवर पद्धति में ग्रायांसे में प्रचलित एस.ओ.आर. दिनांक 04.01.2019 से तथा विद्युतीकरण कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग में प्रचलित एस.ओ.आर. दर दिनांक 01.12.2020 से एवं आंतरिक वाटर सप्लाय/सेनेटरी कार्य हेतु पी.एच.ई. विभाग में प्रचलित सी.एस.आर. दर दिनांक 03.07.2018 से क्रमशः प्रभावशील दर अनुसूची (निविदा विज्ञप्ति जारी होने की दिनांक तक संशोधित) के आधार पर अधीक्षण यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा नर्मदापुरम मंडल नर्मदापुरम के कार्यालय में ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम टेण्डर नं.	कार्य का नाम	निविदा की अनुमा. लागत (रु. लाख में)	अमानत राशि (रुपये में)	कार्य अवधि वर्षाकाल सहित (माह में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1.	2022_RES_185965	ग्राम कामती में आंगनवाड़ी भवन निर्माण कार्य केन्द्र क्र. 01, ग्रा.पं. कामती, वि.खं. बनखेड़ी	2325114/-	47000/-	06 माह	5000/-
2.	2022_RES_185967	ग्राम हनोतिया में आंगनवाड़ी भवन निर्माण कार्य, ग्रा.पं. मैंदाखेड़ा, वि.ख. बनखेड़ी।	2325114/-	47000/-	06 माह	5000/-
3.	2022_RES_185968	ग्राम चीचली में आंगनवाड़ी भवन निर्माण कार्य केन्द्र क्र. 01, ग्रा.पं. चीचली, वि.ख. सोहागपुर	2325114/-	47000/-	06 माह	5000/-
		योग -	**6975342/-**			
		शब्दों में उनहत्तर लाख पिचहत्तर हजार तीन सौ बयालीस रुपए मात्र।				

उपरोक्तानुसार निर्माण कार्य की निविदा आमंत्रण की निम्नानुसार तिथियां निर्धारित की जाती हैं :-

क्र.	विवरण	तिथि	समय
1.	निविदा ऑनलाइन प्रकाशित होने की तिथि	24.03.2022	17.30
2.	निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की प्रारंभिक तिथि	25.03.2022	17.30
3.	ऑनलाइन विड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि	26.03.2022	17.30
4.	ऑनलाइन विड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	**05.04.2022**	13.30
5.	ऑनलाइन निविदा खुलने की तिथि	06.04.2022	13.30

निविदा प्रपत्र (Tender Document) वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर ऑनलाइन प्रकाशित एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किए जाएंगे। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

अधीक्षण यंत्री

जी-24099/46808/2022 **ग्रामीण यांत्रिकी सेवा नर्मदापुरम मण्डल होशंगाबाद**

मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय भोपाल

(मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग)

संस्कृति भवन, आधार तल, वाणगंगा चौराहा, नार्थ टी.टी. नगर, भोपाल (म.प्र.) 462003

Email Id - 2mpdramaschool@gmail.com,

website - www.mpsd.co.in, Tel No. 0755-2660645, 4012403

सत्र 2022-23 के एक वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए विद्यार्थी चयन हेतु विज्ञापन

मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग के अंतर्गत संचालित मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय भोपाल द्वारा नाट्य विधा में प्रशिक्षण के लिए एक वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश के इच्छुक आवेदकों से भोपाल में माह मई/जून 2022 में प्रस्तावित प्रारंभिक चयन 2022-23 हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन करने हेतु नियम व शर्तें निम्नानुसार हैं।

1. आवेदक की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता स्नातक, तीन नाटकों में अभिनय अथवा रंगकर्म के क्षेत्र में दो वर्ष का अनुभव अनिवार्य है।
2. आयु 01.07.2022 को सामान्य वर्ग के लिये अधिकतम 30 वर्ष होनी चाहिए। आयु संबंधी आरक्षण शासन के नियमों के अधीन रहेंगे।
3. आवेदक को स्वयं के व्यय पर चयन में उपस्थित होने के लिए विद्यालय के पते पर आवेदन प्रेषित करना होगा। गैर स्नातक व वांछित योग्यता पूर्ण न करने वाले आवेदक कृपया आवेदन न करें।
4. यदि आवेदक द्वारा वांछित योग्यता पूर्ण ना होने की स्थिति के पश्चात भी आवेदन किया जाता है, तो वह स्वतः ही निरस्त माना जायेगा तथा बैंक ड्राफ्ट की राशि वापस नहीं की जायेगी।
5. स्क्रूटनी पश्चात योग्य आवेदक को प्रारंभिक चयन की तिथि व भोपाल में स्थल की सूचना केवल मेल के माध्यम से दी जायेगी। चयन हेतु आवेदन प्राप्त होने की **अंतिम तिथि 15.04.2022** को कार्यालयीन समय शाम 05.00 बजे तक होगी। अंतिम तिथि पश्चात किसी भी माध्यम से प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा। कृपया अपनी ई-मेल आई.डी. आवेदन पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेखित करें।
6. आवेदन के साथ शैक्षणिक योग्यता, न्यूनतम स्नातक उत्तीर्ण की मूल अंकसूची की प्रति, अनुभव, आयु सीमा के लिए 10वीं कक्षा की अंकसूची, मूल निवासी, जाति एवं अन्य आवश्यक प्रमाण पत्रों की स्वयं सत्यापित छायाप्रति तथा वर्तमान समय की दो पासपोर्ट साइज फोटो को स्वयं सत्यापित कर संलग्न करें। उपरोक्त दस्तावेज/जानकारी में कोई भी कमी पाये जाने पर आवेदन स्वतः ही निरस्त माना जाएगा। इसकी पृथक से कोई भी सूचना विद्यालय द्वारा नहीं दी जायेगी।
7. सामान्य संवर्ग के आवेदकों के लिए रु. 500/- तथा आरक्षित वर्ग के लिये रु. 300/- (क्रीमीलेयर को छोड़कर) का बैंक ड्राफ्ट निदेशक, मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल के नाम से देय होगा। बैंक ड्राफ्ट अप्राप्त होने की स्थिति में आवेदन निरस्त माना जावेगा।
8. प्रारंभिक चयन में साक्षात्कार हेतु उपस्थित होने के लिए किसी भी प्रकार का यात्रा व्यय, भोजन व्यवस्था, आवासीय व्यवस्था या स्थानीय परिवहन आदि का व्यय आवेदक को स्वयं वहन करना होगा। प्रारंभिक चयन हेतु विद्यालय द्वारा किसी भी प्रकार का भुगतान आवेदक को नहीं किया जायेगा। प्रारंभिक चयन से चयनित आवेदकों को भोपाल में माह मई/जून 2022 में आयोजित अंतिम चयन कार्यशाला में आमंत्रित किया जाएगा। चयनित आवेदकों को विद्यालय द्वारा निवास स्थान से भोपाल तथा वापसी का रेल का स्लीपर क्लास अथवा साधारण बस किराये का भुगतान टिकिट/रसीद प्रस्तुत करने पर किया जायेगा तथा भोपाल में आवास एवं भोजन की सुविधा प्रदान की जाएगी।

अंतिम चयन कार्यशाला में चयनित विद्यार्थी मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के सत्र 2022-23 में नियमानुसार एक वर्षीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश तथा प्रतिमाह नियमानुसार निर्धारित छात्रवृत्ति के पात्र होंगे। छात्रवृत्ति के अतिरिक्त किसी भी प्रकार की राशि किसी भी विद्यार्थी को प्रदाय नहीं की जायेगी। प्रशिक्षण के दौरान भोपाल में आवास, भोजन, आवागमन आदि की व्यवस्था चयनित विद्यार्थी को स्वयं करनी होगी। उपरोक्त व्यवस्था में विद्यालय का किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप/भुगतान नहीं होगा। विद्यालय द्वारा निर्धारित किये गये पाठ्यक्रम अनुसार ही समस्त चयनित विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। पाठ्यक्रम निर्धारण में किसी भी विद्यार्थी द्वारा किसी प्रकार का हस्तक्षेप मान्य नहीं होगा।

आवेदन के साथ सभी दस्तावेजों की छायाप्रति स्वहस्ताक्षरित संलग्न कर हार्डकॉपी निदेशक मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, संस्कृति भवन आधार तल, वाणगंगा चौराहा, नार्थ टी.टी. नगर, भोपाल (म.प्र.) 462003 के पते पर रजिस्टर्ड डाक द्वारा या सीधे विद्यालय में प्रेषित किये जावें। आवेदन पत्र का प्रारूप विद्यालय की वेबसाइट **www.mpsd.co.in** पर प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय के दूरभाष क्रमांक 0755-2660645 पर कार्यालयीन समय में संपर्क किया जा सकता है। आवेदन उपरोक्त विज्ञापन को अच्छी तरह से पढ़कर ही आवेदन प्रेषित करें। चयन प्रक्रिया पर अंतिम निर्णय का अधिकार निदेशक, मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल को होगा। उपर्युक्त संबंधी किसी भी तरह के वाद-विवाद का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल होगा।

जी-24222/46814/2022 **निदेशक, मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड छतरपुर

फोन नं. 07682-248252, mail : eephedcha@gmail.com and eephedcha@nic.in

नि.आ.सू.क्र. 59/नि.प्र./का.यं./लो.स्वा.यां./खण्ड/2021-22 **दिनांक : 16.03.2022**

प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों की निविदायें ई-टेण्डरिंग पद्धति से ऑनलाइन वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई हैं। निविदा प्रपत्र **दिनांक 31.03.2022** को सायं 5.30 बजे तक डाउनलोड, क्रय तथा निविदा दर ऑनलाइन प्रस्तुत की जा सकती है। निम्न वर्णित कार्यों की निविदायें क्रय हेतु इच्छुक ठेकेदार का नवीन केन्द्रीकृत पंजीयन प्रणाली म.प्र. में पंजीकृत होना आवश्यक है, निम्न कार्य की अवधि दस माह (300 दिन वर्षाकाल सहित होगी) निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

स. क्र.	ई-टेण्डर आई.डी. क्रमांक	कार्य का संक्षिप्त विवरण	योजना एवं ग्राम/ विकासखंड	कार्य की अनु. लागत (मूल्य रु. में)	अमानत की राशि (मूल्य रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)
1.	2022_PHED_191423_1	छतरपुर जिला के विकासखण्ड विजावर के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत सर्वेक्षण अनुसंधान, जल वितरण नलिकाओं का रूपांकन, रिट्रोफिट एवं एकल ग्रामीण नलजल योजनाओं का निर्माण जिसके अंतर्गत 75 किलो लीटर तथा 12 मी. स्टेजिंग की टंकी रूपांकन, निर्माण एवं सम्पवैल रूपांकन, निर्माण, विद्युत सबमर्सिबल पंपों की स्थापना, राइजिंग मैन व जल वितरण नलिकाओं को बिछाना, जोड़ना क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन करना एवं अन्य सहायक कार्य 90 दिवस का ट्रायल रन के साथ इत्यादि कार्य।	खैराकलां, कंदवारा, मझगुवाखुर्द, किशनगढ़ एवं शाहपुरा वि.खं. विजावर	29160649/-	291606/-	15000/-

निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक दस्तावेज ऑनलाइन ही Submit/Upload करने होंगे। निविदा का विस्तृत विवरण उक्त वेबसाइट पर देखा जा सकता है। निविदा में संशोधन की स्थिति में उक्त वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निवदा आमंत्रण सूचना, शर्तें व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री

जी-24115/46809/2022 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड छतरपुर (म.प्र.)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड बैतूल (म.प्र.)

दूरभाष (07141) कार्यालय 238320, Email - eephedbct@mp.nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक 890/लेखा/का.यं./लोस्वायांवि.खंड/बैतूल/दिनांक : 15.03.2022

निम्नलिखित कार्य की निविदाएं ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **https://mptenders.gov.in** पर बैतूल जिले के विकासखंड बैतूल एवं भैंसदेही के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत पाइप लाइन, घरेलू नल कनेक्शन एवं विद्युत संयोजन तथा आर.सी.सी. उच्चस्तरीय जल संग्रहण टंकी तथा आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण कार्य हेतु निविदा निम्नानुसार आमंत्रित की जाती हैं :-

स. क्र.	निविदा सूचना क्रमांक/ दिनांक	ऑनलाइन ई-टेण्डर क्रमांक	विकासखंड	ग्राम की संख्या	निविदा की कुल लागत रु. लाख में	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
1.	165/21-22/Dt. 15.03.2022	2022_PHED_190686_1	बैतूल	9	243.75	243750	15000	06 माह वर्षाकाल सहित	नवीन केन्द्रीकृत पंजीयन प्रणाली
2.	166/21-22/Dt. 15.03.2022	2022_PHED_190700_1	भैंसदेही	6	162.89	162890	12500		
3.	167/21-22/Dt. 15.03.2022	2022_PHED_190705_1	बैतूल	2	179.29	179290	12500		

ऑनलाइन निविदा फार्म क्रय करने की प्रारंभ तिथि	**16.03.2022**	**11.00 बजे**
ऑनलाइन निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि	**04.04.2022**	**17.30 बजे**
ऑनलाइन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि	**04.04.2022**	**17.30 बजे**
ऑनलाइन निविदा दर खोलने की तिथि	06.04.2022	11.00 बजे

निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेबसाइट पर (Online System) क्रेडिट कार्ड या ऑनलाइन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं। निविदा एवं उससे संबंधित जानकारी ऊपर दशाई गई वेबसाइट पर देखें।

कार्यपालन यंत्री

जी-24116/46810/2022 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड बैतूल (म.प्र.)**

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग

पश्चिम परिक्षेत्र, गायत्री मंदिर के पास, ओल्ड पलासिया, इंदौर

E-mail ID : cepwdwest@mp.nic.in, Phone No. : 0731-2491825

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 06/सा/40/निविदा/2021-22 **इंदौर, दिनांक : 17.03.2022**

"निविदा आमंत्रण सूचना"

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा तीन लिफाफा पद्धति में आमंत्रित की जाती है, उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है :

क्र.	पोर्टल क्रमांक	जिला	कार्य का नाम	अनुमानित राशि (रु. लाख में)	अमानत राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र की राशि (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की निर्धारित अवधि
1.	2022_PWDRB_191842	इंदौर	इंदौर शहर में एल.आई.जी. चौराहे से नवलखा चौराहा (ओल्ड एन.एच.-3 ए.बी. रोड) तक एलिवेटेड कोरिडोर निर्माण में बाधक विद्युत लाइन एवं ट्रांसफॉर्मर सबस्टेशन, स्ट्रीट लाइट पोल, हाई मास्ट एवं ट्रैफिक सिग्नल शिफ्टिंग कार्य (तृतीय आमंत्रण)।	1121.53	1000000/-	30,000/-	06 माह वर्षाकाल सहित

निविदा प्रपत्र उपरोक्त दर्शित वेबसाइट से निविदा का निर्धारित मूल्य ऑनलाइन भुगतान कर क्रय किये जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि एवं समय दि. 04.04.2022, 17:30 तक** निर्धारित है। निविदा की विस्तृत शर्तें एवं नियम उपरोक्त दर्शित पोर्टल पर देखी जा सकती हैं।

निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन, यदि हो तो उसे समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जाकर केवल वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जावेगा।

सभी दस्तावेज केवल ऑनलाइन वेबसाइट पर ही प्रस्तुत करें। भौतिक रूप से कोई भी दस्तावेज इस कार्यालय में न भेजे जावें।

मुख्य अभियंता

जी-24125/46812/2022 **लो.नि.वि., पश्चिम परिक्षेत्र, इंदौर**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, वि/यां संभाग ग्वालियर

ई-मेल : eepwdelecgwl@mp.nic.in, फोन नम्बर : 0751-2340749

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 14/व.ले.लि./टेण्डर/2021-22 **ग्वालियर, दिनांक : 17.03.2022**

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग वि/यां संभाग ग्वालियर के अंतर्गत निम्नलिखित कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डर के माध्यम से ऑनलाइन निविदा आमंत्रित करते हैं। विवरण निम्नानुसार है :

क्रमांक एवं कार्य का नाम :- 1. न्यू हाईकोर्ट कैम्पस ग्वालियर में 33 के.व्ही.ए. सब स्टेशन के मरम्मत का कार्य।

ई-टेण्डर आई.डी. क्र.	अनुमानित लागत रु.	अमानत राशि रु. + पोर्टल चार्ज	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि	दस्तावेज जमा करने का स्थान एवं दिनांक
2022_PWDRB_191627_1	7.50 लाख	15000/- + 2000/-	म.प्र. लोनिवि में केन्द्रीयकृत पंजीकृत 'अ' क्लास विद्युत ठेकेदार	12 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोनिवि वि/यां संभाग ग्वालियर दिनांक 29.03.22 समय 17:30 तक

2. जिला चिकित्सालय मुरार ग्वालियर में एच.टी. कनेक्शन की स्थापना का कार्य (वैलेंस वर्क)।

2022_PWDRB_191628_1	81.62 लाख	81620/- + 10000/-	म.प्र. लोनिवि में केन्द्रीयकृत पंजीकृत 'अ' क्लास विद्युत ठेकेदार	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोनिवि वि/यां संभाग ग्वालियर दिनांक 29.03.22 समय 17:30 तक

3. जी.आर.एम.सी. ग्वालियर के टी.बी. सी-डेस्ट लैब में 200 के.व्ही.ए. डीजल जनरेटर स्थापना का कार्य।

2022_PWDRB_191629_1	21.95 लाख	43900/- + 5000/-	म.प्र. लोनिवि में केन्द्रीयकृत पंजीकृत 'अ' क्लास विद्युत ठेकेदार	04 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोनिवि वि/यां संभाग ग्वालियर दिनांक 29.03.22 समय 17:30 तक

निविदा आमंत्रण की सम्पूर्ण शर्तें एवं अन्य जानकारी का विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://www.mptenders.gov.in** पर **दिनांक 17.03.2022 समय सुबह 10:30 से दिनांक 28.03.2022 समय सायं 17:30 तक** देखी जा सकती है। निविदा हेतु ऑनलाइन विड सबमिशन दिनांक 28.03.2022 समय सायं 17:30 तक प्रस्तुत की जा सकती है। मूल धरोहर राशि एवं अन्य दस्तावेज संबंधित कार्यालय में भौतिक एवं स्पीड पोस्ट के माध्यम से दिनांक 29.03.2022 को सायं 17:30 के पूर्व जमा होगी।

1. विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
2. निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं जावेगा, सिर्फ वेबसाइट पर ही किया जायेगा। आवंटन आने पर ठेकेदार का भुगतान किया जावेगा।
3. मूल धरोहर राशि एवं निविदा प्रपत्र राशि ऑनलाइन ही मान्य की जावेगी।

कार्यपालन यंत्री

जी-24126/46813/2022 **लोक निर्माण विभाग, वि/यां संभाग ग्वालियर**

कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक
लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू., ओल्ड पलासिया इन्दौर (म.प्र.)

ई-मेल apdpiuindore@gmail.com

क्र.एफ-1/2022/सामान्य/ए.पी.डी./एनआईटी-07/902 **इन्दौर, दिनांक : 17.03.2022**

विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 07/2022

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से 'लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू., परिक्षेत्र इंदौर के अंतर्गत निम्नांकित निर्माण कार्यों हेतु केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन व्यवस्था अंतर्गत सिविल श्रेणी में पंजीयन ठेकेदार से लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू., म.प्र. द्वारा दिनांक 01.12.2020 से प्रभावशील एसओआर एवं निविदा सूचना प्रकाशन तिथि संशोधित, निर्धारित तिथि (key-Date) अनुसार के आधार पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदा शासन के पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है जिसका विवरण निम्नानुसार है -

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. कन्या शिक्षा परिसर अलीराजपुर (आम्बुआ) जिला अलीराजपुर के शेष निर्माण कार्य।

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (माह में) वर्षाकाल सहित
2022_PWPIU_189864_1	अलीराजपुर	1657.71	16,58,000	30,000	12

क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. बोरी जिला अलीराजपुर में आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास भवन जोबट क्रमांक 03 एवं आदिवासी सीनियर बालिका छात्रावास भवन जोबट क्रमांक 01 का निर्माण कार्य।

2022_PWPIU_189438_1	अलीराजपुर	890.12	8,90,121	20,000	15

क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. कन्या शिक्षा परिसर राजपुर (नरावल) जिला बड़वानी का शेष निर्माण कार्य।

2022_PWPIU_190068_1	बड़वानी	114.53	1,14,530	12,500	2

क्र. एवं कार्य का नाम :- 4. कन्या शिक्षा परिसर निवाली (पुरुषखेड़ा) जिला बड़वानी का शेष निर्माण कार्य।

2022_PWPIU_190056_1	बड़वानी	208.16	2,08,160	15,000	4

क्र. एवं कार्य का नाम :- 5. कन्या शिक्षा परिसर पाटी (बुंदी) जिला बड़वानी का शेष निर्माण कार्य।

2022_PWPIU_190089_1	बड़वानी	269.32	2,69,320	15,000	6

क्र. एवं कार्य का नाम :- 6. मनावर जिला धार में संयुक्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय में फर्नीचर का कार्य।

2022_PWPIU_189213_1	धार	96.93	96,930	10,000	1.5

क्र. एवं कार्य का नाम :- 7. शासकीय मानसिक चिकित्सा एमजीएम इंदौर में फायर फाइटिंग का कार्य। (तृतीय आमंत्रण)

2022_PWPIU_190174_1	इंदौर	58.98	58,890	10,000	1

क्र. एवं कार्य का नाम :- 8. पीआईयू इंदौर अंतर्गत वैलेन्स, मेंटनेंस, माइनर एवं अंडर पीजी कार्य।

2022_PWPIU_190114_1	इंदौर	98.00	98,000	10,000	12

क्र. एवं कार्य का नाम :- 9. नवीन ओपीडी भवन एमजीएम मेडिकल कॉलेज इंदौर में फायर फाइटिंग सिस्टम की स्थापना।

2022_PWPIU_190039_1	इंदौर	86.80	86,800	10,000	4

क्र. एवं कार्य का नाम :- 10. खुरडुबडी जिला झाबुआ में नवीन शासकीय हा.से. स्कूल भवन निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)

2022_PWPIU_189435_1	झाबुआ	329.35	3,29,350	15,000	12

क्र. एवं कार्य का नाम :- 11. गुणावद ब्लॉक पेटलवाद जिला झाबुआ में नवीन शासकीय हा.से. स्कूल भवन निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)

2022_PWPIU_189442_1	झाबुआ	337.17	3,37,170	15,000	12

क्र. एवं कार्य का नाम :- 12. कन्या शिक्षा परिसर पेटलवाद जिला झाबुआ के शेष निर्माण कार्य।

2022_PWPIU_189453_1	झाबुआ	115.91	1,15,910	12,500	2

क्र. एवं कार्य का नाम :- 13. शासकीय हा.से. स्कूल भवन सिराली में 06 नग अतिरिक्त कक्ष एवं शासकीय हा.से. स्कूल भवन गौराडिया में 10 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)

2022_PWPIU_189840_1	खरगोन	374.96	3,74,960	15,000	12

क्र. एवं कार्य का नाम :- 14. संयुक्त तहसील कार्यालय भवन भीकनगांव जिला खरगोन का निर्माण कार्य।

2022_PWPIU_189847_1	खरगोन	461.33	4,61,330	15,000	18

क्र. एवं कार्य का नाम :- 15. उपस्वास्थ्य केन्द्र राजापुरामाताजी जिला रतलाम का निर्माण कार्य।

2022_PWPIU_189807_1	रतलाम	169.00	1,69,010	12,500	12

क्र. एवं कार्य का नाम :- 16. उपस्वास्थ्य केन्द्र कुंदनपुर जिला रतलाम का निर्माण कार्य।

2022_PWPIU_189791_1	रतलाम	156.84	1,56,850	12,500	12

क्र. एवं कार्य का नाम :- 17. लोक निर्माण विभाग पीआईयू सतना के विभिन्न भवनों का आर्किटेक्चरल डिजाईन एवं डीपीआर कंसल्टेंसी सर्विसेस कार्य।

2022_PWPIU_189745_1	रतलाम	40.00	50,000	5,000	24

निविदा संबंधित तिथियां (key-Date) :-

1. प्रपत्र क्रय करने की प्रारंभिक तिथि - 11.03.2022
2. बिड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि - 14.03.2022
3. बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - **29.03.2022**
4. बिड खोलने की तिथि - 31.03.2022

अतिरिक्त परियोजना संचालक

जी-24237/46815/2022 **लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू., इन्दौर**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बड़वानी (म.प्र.)

E-mail : eephedbar@nic.in, Tel. & Fax 07290-224203

नि.आ.सू.क्र./39/निविदा/का.यं./लोस्वायां/21-22 **बड़वानी, दिनांक - 16.03.2022**

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य की निविदाएं ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **https://www.mptenders.gov.on** पर बड़वानी जिले के विकासखण्ड सेंधवा के ग्राम धनोरा में जल जीवन मिशन के अंतर्गत रेट्रोफिटिंग कार्य अंतर्गत पाइप लाइन घरेलू नल कनेक्शन एवं विद्युत संयोजन एवं संबंधित कार्य हेतु निविदाएं निम्नानुसार आमंत्रित हैं।

सिस्टम टेण्डर क्रमांक	निविदा की कुल लागत (PAC) रु. लाख में	धरोहर राशि (EMD) रु. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. में	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
2022_PHED_190853_1	444.17	444179/-	15000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	नवीन केंद्रीयकृत पंजीयन प्रणाली में सी या श्रेणी में पंजीकृत

ऑनलाइन निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि :- **30.03.2022** **15.00 बजे**
ऑनलाइन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि :- **30.03.2022** **15.00 बजे**
ऑनलाइन निविदा दर खोलने की अंतिम तिथि :- **31.03.2022** **16.00 बजे**

निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेबसाइट (Online system) क्रेडिट कार्ड या ऑनलाइन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं। निविदा एवं उससे संबंधित जानकारी ऊपर दर्शायी गयी वेबसाइट पर जरूर देखें।

कार्यपालन यंत्री

जी-24265/46823/2022 **लो.स्वा.यां. खण्ड बड़वानी**

कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, भोपाल

ई-मेल : ceproc.encwrd.bpl@nic.in, फोन : 0755-2767635, फैक्स : 0755-255406

निविदा सूचना क्रमांक-889/2021-22/प्रमख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 17.03.2022**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई हैं। निविदा प्रपत्र **दिनांक 01.04.2022 को 17:30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2022_WRD_191736	**टर्न की पद्धति पर** : गुढ़ा स्टॉप डेम कम कॉजवे का निर्माण कार्य विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	दतिया	327.09
2.	2022_WRD_191737	**टर्न की पद्धति पर** : पाली स्टॉप डेम कम कॉजवे का निर्माण कार्य विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	दतिया	407.90
3.	2022_WRD_191738	**टर्न की पद्धति पर** : कुम्हर्रा स्टॉप डेम कम कॉजवे का निर्माण कार्य विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	दतिया	316.87

जी-24119/46811/2022 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड ग्वालियर (म.प्र.)

फोन नं. : 0751-2231257, ई-मेल : eephedgwa@nic.in

पत्र क्रमांक 957 दिनांक : 16.03.2022

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्न कार्यों हेतु निविदा ऑनलाइन वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। ऑनलाइन निविदा खुलने की दिनांक 06.04.2022 दोपहर 01:00 बजे से है। ऑनलाइन निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं दर प्रस्तुत करने का अंतिम दिनांक 04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक रहेगा।

निविदा संशोधन की सूचना अलग से प्रकाशित नहीं की जायेगी। संशोधन संबंधी सूचनायें केवल वेबसाइट पर ही अपलोड की जावेंगी।

सरल क्रमांक एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण : 1. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड मुरार के ग्राम अरौली, सुमावली, खेरियाकेसर एवं बस्तरी की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

नि.आ.सू. क्र./दिनांक	ई-टेण्डर आई.डी.	कार्य की अनु. लागत (PAC) रु. लाख में	प्रतिभूति राशि (EMD) रु. में	ऑनलाइन निविदा फार्म का मूल्य रु. में	आमंत्रण की संख्या	ऑनलाइन निविदा प्रपत्र क्रय करने का प्रारंभिक दि.	ऑनलाइन निविदा प्रपत्र क्रय करने का अंतिम दिनांक
90/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190537_1	161.16	161160/-	12500/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

2. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड भितरवार के ग्राम बैरनी की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

91/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190539_1	39.00	50000/-	5000/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

3. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड भितरवार के ग्राम भरथरी की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

92/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190540_1	90.39	90390/-	10000/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

4. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड भितरवार के ग्राम डडूमर, देवगढ़ की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

93/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190541_1	110.70	110700/-	12500/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

5. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड भितरवार के ग्राम फतेपुर की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

94/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190542_1	60.67	60670/-	10000/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

6. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड भितरवार के ग्राम गडीसालमपुर किशोरगढ़ की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

95/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190543_1	141.60	141600/-	12500/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

7. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड भितरवार के ग्राम किशनपुर, खुदपार, खैरवाया, लदवाया की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

96/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190544_1	184.62	184620/-	12500/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

8. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड भितरवार के ग्राम लोडी, घोवट, मूसाहारी, खोर की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

97/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_191230_1	134.37	134370/-	12500/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

9. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड भितरवार के ग्राम झाउवडी, मछरिया की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

98/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_191235_1	72.91	72910/-	10000/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

10. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड भितरवार के ग्राम नयागांव टंका, दुवही एवं उर्वा की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

99/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_191237_1	199.23	199230/-	12500/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

11. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड भितरवार के ग्राम शेखूपुर नौनकिसिराय की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

100/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190549_1	125.66	125660/-	12500/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

12. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड भितरवार के ग्राम रजउआ एवं सिकरौदा की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

101/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190550_1	62.92	62920/-	10000/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

13. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड भितरवार के ग्राम सहारन एवं श्यामपुर की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

102/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190551_1	150.17	150170/-	12500/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

14. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड भितरवार के ग्राम सोताखिरीया, सुखनाखिरीया, चरखा एवं छिरेंटा की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

103/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190553_1	190.62	190620/-	12500/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

15. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड डबरा के ग्राम लखिया एवं बैरू की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

104/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190555_1	104.28	104280/-	12500/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

16. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड डबरा के ग्राम बौना एवं चिरपुरा की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

105/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190556_1	112.01	112010/-	12500/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

17. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड मुरार के ग्राम भेलाकला, सोनी, भेलाखुर्द, उदयपुर, भवनपुरा, चपरौली, वीरमपुरा एवं खेडी की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

106/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190558_1	434.16	434160/-	15000/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

18. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड घाटीगांव के ग्राम चैत, रामपुरा, महारामपुरा, दुर्सेडी एवं घेघौली की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

107/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190561_1	331.91	331910/-	15000/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

19. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड भितरवार के ग्राम बाजना, जखवार, येलगडा एवं डोगरपुर की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

108/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190564_1	273.97	273970/-	15000/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

20. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड भितरवार के ग्राम बनियातोर, सिल्हा, नजरपुर, मघोंटा, जौरा एवं पलायछा की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

109/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190568_1	403.22	403220/-	15000/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

21. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड भितरवार के ग्राम भैगना, बेरखेड़ा, पैरा एवं पिपरो की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

110/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190571_1	222.35	222350/-	15000/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

22. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड भितरवार के ग्राम चीनौर की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

111/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190573_1	310.23	310230/-	15000/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

23. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड भितरवार के ग्राम करहिया की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

112/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190575_1	423.70	423700/-	15000/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

24. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड भितरवार के ग्राम खेड़ाटांका, रही, जतर्थी सिंघारन एवं स्याउ की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

113/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190576_1	364.40	364400/-	15000/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

25. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड भितरवार के ग्राम रमजीपुर, रापुसानी खडउआ एवं खेड़ा भितरवार की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

114/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190577_1	230.06	230060/-	15000/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

26. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड डबरा के ग्राम ऐंसी, किरौल, देवगढ़, छतरपुर एवं धमनिका की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

115/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190578_1	250.56	250580/-	15000/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

27. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड डबरा के ग्राम मसूदपुर, बाबूपुर, गतारी एवं छपरा की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

116/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190579_1	256.46	256460/-	15000/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

28. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड डबरा के ग्राम बरोआ, जतर्थी, किशोली, धिरोरा,, चितावनी एवं जरावनी की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

117/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190580_1	299.13	299130/-	15000/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

29. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड डबरा के ग्राम मसूदपुर, सिमरिया, भैंसनारी, नुन्नहारी, सुनवई, रजियावर एवं सिरसा की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

118/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190581_1	318.86	318860/-	15000/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

30. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड डबरा के ग्राम जंगीपुर, धवा, जनकपुर, घोंघा एवं करही की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

119/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190582_1	255.94	255940/-	15000/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

31. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड डबरा के ग्राम पथरियापुरा, भरोंली, निवी, झकोना एवं गोहिंदा की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

120/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190583_1	275.05	275050/-	15000/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

32. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड डबरा के ग्राम नाहटोली, सिली, कुम्हर्रा, सेमरी एवं सेमरा की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

121/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190585_1	248.05	248050/-	15000/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

33. जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड डबरा के ग्राम बीरमढंना, समूदन, चेतूपाडा, बड़ेराखुर्द, अकबई बडी एवं बडेराबुजुर्ग की नल जल प्रदाय योजना का कार्य।

122/2021-22 दिनांक 14.03.2022	2022_PHED_190586_1	480.22	480220/-	15000/-	प्रथम	21.03.2022 06:00 बजे से	04.04.2022 सायं 05:30 बजे तक

कार्यपालन यंत्री
लो.स्वा.यां. खण्ड ग्वालियर

जी-24094/46807/2022

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड छिन्दवाड़ा
निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा जारी करने का दिनांक : 16.03.2022

निम्नलिखित कार्य की निविदा प्रक्रिया ई-प्रोक्युरमेंट ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित है निविदाओं हेतु निविदा प्रपत्र डाउनलोड/क्रय करने की दिनांक 16 मार्च 2022 समय 10:30 बजे से प्रारंभ है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है :

कार्य का नाम : छिंदवाड़ा जिले के विकासखण्ड चौरई एवं पान्डुर्णा के विभिन्न ग्रामों में 'जल जीवन मिशन के अंतर्गत' विद्यमान (स्थापित) नलजल योजनाओं में, विभिन्न प्रकार एवं व्यास के पाइप लाइन बिछाने एवं जोड़ने रेडीमेट मिनी पंप हाउस, 50, 75, 100, 125 कि.ली. जल क्षमता आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी एवं 20 कि.मी. क्षमता आर.सी.सी. सम्पवैल निर्माण, बिक्र मेसोनरी वॉल्व चेम्बर, बाउण्ड्रीवॉल निर्माण, एम.एस. फेब्रिकेटेड रूम, पावर पंप स्थापना, विद्युतीकरण तथा रेट्रोफिटिंग कर शत-प्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन कार्य के माध्यम शुद्ध पेयजल व्यवस्था समस्त आवश्यक सामग्री सहित सम्पूर्ण कार्य, पूर्ण होने के पश्चात 90 दिन ट्रायल-रन कमिशनिंग कार्य। (**As per BOQ**)

ई-टेण्डर आई.डी. क्रमांक	निविदा क्रमांक दिनांक	विकास खण्ड	अनु. लागत (रु. लाख में)	अमानत राशि रुपये	निविदा प्रपत्र का मूल्य रुपये	निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि समय	निविदा खोलने की नियत दिनांक	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने समय अवधि
2022_PHED_190769	110/21-22 Dt. 16.03.22	चौरई	371.02	371020/-	15000/-	30.03.22 5:30 PM	31.03.22 5:30 PM	नवीन केन्द्रीयकृत पद्धति पर पंजीकृत	09 माह वर्षाकाल सहित
2022_PHED_191164	111/21-22 Dt. 16.03.22	चौरई	201.89	201890/-	15000/-	30.03.22 5:30 PM	31.03.22 5:30 PM	-तदैव-	-तदैव-
2022_PHED_191172	112/21-22 Dt. 16.03.22	चौरई	404.33	404330/-	15000/-	30.03.22 5:30 PM	31.03.22 5:30 PM	-तदैव-	-तदैव-
2022_PHED_191179	113/21-22 Dt. 16.03.22	चौरई	245.65	245650/-	15000/-	30.03.22 5:30 PM	31.03.22 5:30 PM	-तदैव-	-तदैव-
2022_PHED_191184	114/21-22 Dt. 16.03.22	चौरई	204.53	204530/-	15000/-	30.03.22 5:30 PM	31.03.22 5:30 PM	-तदैव-	-तदैव-
2022_PHED_191188	115/21-22 Dt. 16.03.22	चौरई	190.04	190040/-	12500/-	30.03.22 5:30 PM	31.03.22 5:30 PM	-तदैव-	-तदैव-
2022_PHED_191191	116/21-22 Dt. 16.03.22	पान्डुर्णा	269.72	269720/-	15000/-	30.03.22 5:30 PM	31.03.22 5:30 PM	-तदैव-	-तदैव-

निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क, केश-कार्ड, ए.टी.एम. कम डेविट कार्ड अथवा इंटरनेट बैंकिंग एकाउंट के माध्यम से उपरोक्त वेबसाइट पर भुगतान कर केवल ऑनलाइन पर ही क्रय किए जा सकते हैं।
विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त उल्लेखित वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
जी-24266/46825/2022 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, छिंदवाड़ा, म.प्र.**

BANSAL GROUP OF INSTITUTES

S.D. BANSAL COLLEGE
(SD Bansal College of Technology ISD Bansal College of Engineering)
Umaria, Near Ras- Mhow, A.B. Road, Indore - 453 331 (M.P)
Ph. 9669660055, 9669682255

APPOINTMENTS
(Under College Code - 28, DAVV, Indore)

Post	Qualification & Salary
Professor / Associate /Assistant Professor Department of Management (For MBA -FT Program)	As per AICTE Norms

Apply giving full details of Qualifications & Experience. Last Date of receiving application by post or e-mail within 15 days.

director@sdbc.ac.in , director@sdbce.ac.in

R-46829/2022

मुख्यमंत्री ने शहीद दिवस पर अमर शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को किया नमन

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को शहीद दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने निवास कार्यालय स्थित सभागार में शहीदों के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की।

अमर शहीद सरदार भगत सिंह को भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के सबसे प्रभावशाली क्रांतिकारियों में से एक माना जाता है। भगत सिंह एक अध्ययनशील विचारक, अच्छे वक्ता और लेखक भी थे। छोटी उम्र में भगत सिंह असहयोग आंदोलन से जुड़ गए। जलियांवाला बाग हत्याकांड ने उन पर बड़ा गहरा प्रभाव डाला। उन्होंने चंद्रशेखर आजाद के साथ मिलकर क्रांतिकारी संगठन तैयार किया। लाहौर षड़यंत्र मामले में लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए अंग्रेज पुलिस उप अधीक्षक जे.पी. सांडर्स को मौत के घाट उतारने में भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी की सजा सुनाई गई। सरदार भगत सिंह ने दिल्ली स्थित ब्रिटिश भारत की तत्कालीन सेंट्रल असेंबली के सभागार में 8 अप्रैल 1929 को अंग्रेज सरकार को जगाने के लिए बम और पर्चे फेंके थे। भगत सिंह को 23 मार्च 1931 की शाम 7 बजे सुखदेव और राजगुरु के साथ फांसी पर लटका दिया गया।

अमर शहीद सुखदेव स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख क्रांतिकारी थे। उन्होंने लाहौर में नौजवान भारत सभा आरंभ की। सुखदेव को भी लाहौर षड़यंत्र के अंतर्गत अंग्रेज पुलिस उप अधीक्षक जे.पी. सांडर्स को मौत के घाट उतारने के लिए राजगुरु और भगत सिंह के साथ मौत की सजा सुनाई गई। वे भी लाहौर सेंट्रल जेल में 23 मार्च 1931 को सायंकाल 7 बजे राजगुरु और भगत सिंह के साथ हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए।

श्री शिवराम हरी राजगुरु का जन्म 24 अगस्त 1908 को पुणे जिले के खेड़ा गांव में हुआ था। वाराणसी में विद्या अध्ययन करते हुए राजगुरु का संपर्क अनेक क्रांतिकारियों से हुआ। चंद्रशेखर आजाद से वे इतने अधिक प्रभावित हुए कि हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी से तत्काल जुड़ गए। राजगुरु एक अच्छे निशानेबाज भी थे। सांडर्स का वध करने में इन्होंने भगत सिंह तथा सुखदेव का पूरा साथ दिया। श्री राजगुरु ने 23 मार्च 1931 को भगत सिंह तथा श्री सुखदेव के साथ लाहौर सेंट्रल जेल में फांसी के तख्ते पर झूल कर अपने नाम को भारत के अमर शहीदों की सूची में प्रमुखता से दर्ज करा दिया।

कार्यालय कलेक्टर
जिला - बैतूल, मध्यप्रदेश
Phone No. : 07141-230034 (O)/07141-231033 (R)/Fax No. : 07141-230219
E-mail : dmbetul@nic.in

क्रमांक/निर्माण/4/2021-22/2061 **बैतूल, दिनांक : 15 मार्च, 2022**

ई निविदा विज्ञप्ति
निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 01/2021-22

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से निम्नांकित कार्य हेतु ऑनलाइन मोहरबंद प्रतिशत दर निविदायें फॉर्म 'ए' पर लोक निर्माण विभाग की केन्द्रीयकृत प्रणाली में समतुल्य/सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न तालिका में अंकित निर्माण कार्यों हेतु लोक निर्माण विभाग की भवन कार्य हेतु प्रचलित दर सूची जो कि 01.12.2020 से प्रभावशील है। निम्नांकित कार्यों की निविदा जारी की जाती है। कार्यालय सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग बैतूल (म.प्र.) में **दिनांक 31.03.2022 सायं 05:30 बजे तक** केवल ऑनलाइन पद्धति से बिड आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम	ठेके की अनु. राशि (लाख में)	अमानत राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य रुपये	कार्य पूर्णता अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
1.	2022_TAD_191496_1	सीनियर (अ.जा.) बालक छात्रावास शाहपुर में लघु निर्माण कार्य (सेनेटरी, पेयजल, छत, फर्श, दरवाजे, खिड़की, पुताई पेंटिंग कार्य)	7.50	15000/-	2000/-	3 माह (वर्षाकाल सहित)	लो.नि.वि. में नवीन केन्द्रीयकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु पंजीयन
2.	2022_TAD_191546_1	सीनियर (अ.जा.) बालक छात्रावास घोड़ाडोंगरी में लघु निर्माण कार्य (सेनेटरी, पेयजल, छत, फर्श, दरवाजे, खिड़की, पुताई पेंटिंग कार्य)	7.97	15940/-	2000/-	3 माह (वर्षाकाल सहित)	
3.	2022_TAD_191564_1	सीनियर (अ.जा.) कन्या छात्रावास बैतूल में लघु निर्माण कार्य (सेनेटरी, पेयजल, छत, फर्श, दरवाजे, खिड़की, पुताई पेंटिंग कार्य)	7.73	15460/-	2000/-	3 माह (वर्षाकाल सहित)	
4.	2022_TAD_191571_1	महाविद्यालयीन कन्या छात्रावास बैतूल में 252 मी. सीमेंट कांक्रीट नाली निर्माण कार्य	13.70	27460/-	2000/-	3 माह (वर्षाकाल सहित)	
5.	2022_TAD_191585_1	उ.मा. शाला जुवाड़ी में लघु निर्माण कार्य (छत, दरवाजे, खिड़की, पुताई पेंटिंग कार्य)	8.93	17860/-	2000/-	3 माह (वर्षाकाल सहित)	
6.	2022_TAD_191591_1	सीनियर बालक छात्रावास ढोडरामऊ में लघु निर्माण कार्य (छत, फर्श, दरवाजे, खिड़की, सेनेटरी, बाउण्ड्रीवॉल निर्माण कार्य)	14.94	29880/-	2000/-	3 माह (वर्षाकाल सहित)	
7.	2022_TAD_191600_1	सीनियर 'क' छात्रावास जुवाड़ी में लघु निर्माण कार्य (छत, फर्श, दरवाजे, खिड़की सेनेटरी, बाउण्ड्रीवॉल निर्माण कार्य)	14.92	29840/-	2000/-	3 माह (वर्षाकाल सहित)	
8.	2022_TAD_191605_1	सीनियर बालक छात्रावास दुनावा में लघु निर्माण कार्य (छत, फर्श, दरवाजे, खिड़की, सेनेटरी, बाउण्ड्रीवॉल निर्माण कार्य)	14.95	29900/-	2000/-	3 माह (वर्षाकाल सहित)	
9.	2022_TAD_191609_1	सीनियर बालक छात्रावास विजयग्राम में लघु निर्माण कार्य (छत, फर्श, दरवाजे, खिड़की, सेनेटरी, बाउण्ड्रीवॉल निर्माण कार्य)	12.30	24600/-	2000/-	3 माह (वर्षाकाल सहित)	
		योग	102.94 लाख रुपये				

निविदा प्रपत्र टेण्डर डॉक्यूमेंट **https://www.mptenders.gov.in** पर ऑनलाइन भुगतान कर क्रय एवं प्रस्तुत किये जा सकेंगे। निविदा प्रपत्र क्रय एवं प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि 31.03.2022 सायं 5:30 बजे तक** निर्धारित है। विस्तृत सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

KEY DATES -

S.No.	Particulars	Date & Time
1.	Document Download/Sale Start Date	17.03.2022, 10:30 am
2.	Bid Submission Start Date	17.03.2022, 10:30 am
3.	Bid and Document Submission End Date	31.03.2022, 05:30 pm
4.	Bid/Document Opening Date	04.04.2022, 11:00 am

ऑनलाइन निविदा की सामान्य शर्तें :-

1. कार्य संबंधी विवरण एवं निविदा की शर्तें आदि वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** या सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग बैतूल (म.प्र.) कार्यालय में देखी जा सकती हैं।
2. समस्त निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम दिवस की प्रतीक्षा न करें। शीघ्रातिशीघ्र बिड जमा करें। वेबसाइट में किसी प्रकार की असुविधा के लिए विभाग उत्तरदायी नहीं रहेगा।
3. वित्तीय प्रस्ताव किसी भी स्थिति में ऑफलाइन (हार्डकॉपी में) मान्य नहीं होगा।
4. ऑनलाइन निविदा प्रपत्र क्रय/भुगतान एवं अमानत राशि (ईएमडी) ऑनलाइन के माध्यम से ही जमा की जाना है।
5. निविदाकार को वर्ष 2020-21 का आयकर विवरणी को प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
6. ठेकेदार का नियमानुसार लो.नि.वि. में सिविल कार्य हेतु नवीन केन्द्रीयकृत पद्धति में वैध पंजीयन प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है।
7. ऑनलाइन निविदा प्रपत्र क्रय/भुगतान एवं अमानत राशि (ईएमडी) ऑनलाइन भुगतान की रसीद, केन्द्रीयकृत पद्धति में लोक निर्माण विभाग का पंजीयन प्रमाण पत्र, पैनकार्ड, जी.एस.टी. पंजीयन, शपथ पत्र एनेक्सर बी (स्टाम्प 100/-) तथा उपरोक्तानुसार आयकर विवरणी अपलोड किया जाना अनिवार्य होगा।
8. निर्माण कार्यों की सामग्री की रायल्टी ठेकेदार को स्वयं भुगतान करनी होगी।
9. निविदा की वैधता खोले जाने की दिनांक से 120 दिन तक रहेगी।
10. प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग म.प्र. भोपाल के आदेशानुसार निर्माण कार्यों में फ्लाई ऐश ब्रिक्स का उपयोग नियमानुसार किया जावेगा।
11. निर्माण कार्यों पर देखरेख हेतु ठेकेदार को नियमानुसार स्नातक सिविल इंजीनियर कार्यस्थल पर रखना अनिवार्य होगा। अनुबंध के पूर्व साइट इंजीनियर के अनुबंध की कापी इस कार्यालय में जमा करनी होगी।
12. निविदा स्वीकृति उपरांत सफल निविदाकार को अनुबंध के समय नियमानुसार परफारमेन्स राशि/अतिरिक्त परफारमेन्स राशि की एफ.डी.आर. एवं स्टाम्प शुल्क के साथ अनुबंध करना होगा, अन्यथा निविदा निरस्त कर धरोहर राशि राजसात की जावेगी।
13. निविदाकार या फर्म के द्वारा एक कार्य की एक से अधिक निविदा प्रस्तुत नहीं की जावेगी। प्रत्येक कार्य के लिए निविदाकार के द्वारा पृथक-पृथक निविदा प्रस्तुत की जावेगी।
14. निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन में केवल ऑनलाइन संशोधन ही किया जावेगा, समाचार-पत्र में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।
15. कार्य के देयकों का भुगतान आवंटन उपलब्ध होने पर किया जावेगा। समय-सीमा उपरांत आवंटन लैप्स होने पर कार्यों के भुगतान की जिम्मेदारी विभाग की नहीं होगी। वरिष्ठ कार्यालय से आवंटन प्राप्त होने पर ही भुगतान किया जावेगा।
16. निविदा को विना कारण बताए स्वीकृत/अस्वीकृत अथवा निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास सुरक्षित रहेगा।
17. निविदाकार को किसी भी विभाग से ब्लेक लिस्टेड होने एवं अन्य जानकारियां असत्य पायी जाने पर ठेकेदार की निविदा निरस्त की जावेगी।
18. निविदाकार द्वारा निर्माण कार्यों की सूची कार्यालयीन समय में निर्माण शाखा में देखी जा सकती है।

जी-24264/46824/2022 **कलेक्टर, जिला - बैतूल**

जमीनी सच्चाईयों से रूबरू होना ही अनुभव का सबसे प्रभावी तरीका

भोपाल, जमीनी सच्चाई से रूबरू होना ही अनुभव का सबसे प्रभावी तरीका है। उपलब्धियों की चमक के पीछे के कड़े परिश्रम और प्रयासों की जानकारी लेकर ही उनका अनुसरण किया जा सकता है। यह बात राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने भोपाल में राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के अध्ययन दल के सदस्यों से चर्चा करते हुये कही। दल में भारतीय और मित्र देशों के सैनिक, पुलिस और सिविल सेवा के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि देश की सर्वाधिक अनुसूचित जनजातीय आबादी, प्रचुर वन, प्राकृतिक संसाधन, शांति प्रिय नागरिक और सांप्रदायिक सौहार्द्र मध्यप्रदेश की पहचान है। मध्यप्रदेश ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भर है। पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, रोज़गार, स्वरोज़गार, खेलकूद, कृषि, ग्रामीण, शहरी विकास, उद्योग और सिंचाई सहित अधोसंरचना के सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रदेश को देश के स्वच्छ भारत सर्वेक्षण 2020-21 में तीसरा, इंदौर को पांचवीं बार पहला और भोपाल को स्वच्छ राजधानी का पहला पुरस्कार मिला है। नागरिकों की समस्याओं के ऑनलाइन समाधान के साथ ही लोक सेवा गारंटी अधिनियम को देश में लागू करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान आंतरिक सुरक्षा, सामरिक व्यवस्थाओं को असरदार बनाने के प्रयासों पर पारस्परिक चिंतन किया जाए। आंतरिक सुरक्षा, शांति और व्यवस्था की बाधाओं और उनके समाधान के प्रयासों पर अनुभवों को भी आपस में अवश्य साझा करें।

राज्यपाल को प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के संकाय सदस्य मेजर जनरल हरि बी. पिल्लई ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय द्वारा वर्ष 1960 में स्थापना के साथ ही प्रतिवर्ष भारत और मित्र देशों के लिए 47 हफ्तों का वार्षिक पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है।

इस 62वें प्रशिक्षण में 22 मित्र देशों सहित सेना और सिविल सेवा के 120 अधिकारी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि 15 प्रतिभागियों के आठ दल देश के विभिन्न अंचलों का भ्रमण कर रहे हैं। मध्यप्रदेश के भ्रमण पर आये दल में भारतीय प्रतिभागियों के साथ ही कोरिया, श्रीलंका, ओमान और उज्बेकिस्तान के अधिकारी शामिल हैं।

प्रशासन अकादमी की संचालक श्रीमती सोनाली पोंक्षे वायंगणकर ने बताया कि दल द्वारा भोपाल स्थित शौर्य स्मारक का भ्रमण कर लिया गया है। साँची, इंदौर और मंडला जिलों का भ्रमण किया जाना है।

मध्यप्रदेश में अगले 3 वर्षों में कोई भी कच्चे मकान में नहीं रहेगा - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुये।

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्यमंत्रित्व की चौथी पारी के दो वर्ष पूर्ण होने पर स्थानीय रवींद्र सभागम में उनका नागरिक अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य शासन द्वारा गत दो वर्ष में विभिन्न वर्गों के कल्याण के लिए उठाए गए कदमों का सेक्टरवार विवरण दिया। उन्होंने कई नवीन कल्याणकारी कार्यक्रम प्रारंभ करने की घोषणा की। श्री चौहान ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के किसी पद पर कार्यकाल को कितने वर्ष हो गए उससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि ये कार्यकाल कितना सार्थक रहा।

श्री चौहान ने कहा कि पूर्व सरकार ने आवास योजना के हितग्राहियों के साथ छलावा किया। हमारी सरकार ने इसके लिए 10 हजार करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान कर राज्य अंश प्रदान किया। एक वर्ष में एक लाख मकान बने। दूसरे वर्ष में भी 10 लाख बने। वर्तमान में 2 लाख 40 हजार आवास गृह बन चुके हैं। आने वाले 3 वर्ष में कोई भी कच्चे मकान में नहीं रहेगा, सबको जमीन और पक्के मकान बनाकर दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भू-आवासीय अधिकार योजना का क्रियान्वयन भी तेजी से किया जा रहा है। परिवारों का विस्तार होने से एक परिवार में अनेक सदस्य नहीं रह पाते, ऐसे प्रत्येक परिवार का एक अपना भूखंड होना चाहिए। इसके लिए रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। प्रदेश में 21 हजार एकड़ भूमि माफिया से मुक्त करवाई गई है, जिस पर गरीबों के मकान बनाए जाएंगे। श्री चौहान ने कहा कि आयुष्मान कार्ड के माध्यम से वार्षिक 5 लाख रुपये तक की राशि उपचार के लिए दी गई है।

मजबूत कानून व्यवस्था

मुख्यमंत्री ने बताया कि उनके प्रथम वार मुख्यमंत्री बनने के बाद सबसे बड़ी चुनौती प्रदेश में डकैतों का आतंक और असामाजिक तत्व का बोलबाला समाप्त करने की थी। पूर्व में राजनीतिक संरक्षण की वजह से असामाजिक तत्वों पर कार्यवाही नहीं होती थी। प्रदेश में अब कोई बड़ा सूचीबद्ध गिरोह नहीं है। अनेक डकैतों के खातमे के बाद सिमी का नेटवर्क समाप्त करने और अन्य असामाजिक तत्वों को नियंत्रित करने का कार्य किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्धन व्यक्ति की जमीन पर कब्जा करने वालों और अनैतिक गतिविधियों में लिप्त तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई है।

कोरोना नियंत्रण

श्री चौहान ने कहा कोरोना जैसी महामारी पर नियंत्रण के लिए प्रधानमंत्री ने अभूतपूर्व प्रयास किए। भारत में पहली बार वैक्सीन का निर्माण हुआ। पूर्व में अन्य देशों पर इस तरह की वैक्सीन के लिए निर्भर रहना होता था। ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए ऑक्सीजन एक्सप्रेस चलाई गई। टैंकर एयरफोर्स के माध्यम से भेजे गए। रेमडीसिविर जैसे जिंदगी बचाने वाले इंजेक्शन तुरंत भेज कर लाखों जिंदगियों को बचाया गया। मध्यप्रदेश सरकार ने कोरोना की तीसरी लहर को निष्प्रभावी बनाने के लिए प्रयास किए। इसमें वैक्सीन का भी बड़ा योगदान है। प्रदेश के ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता कोरोना के कारण नहीं रहे, उन्हें 5 हजार रुपये महीना पेंशन, शिक्षा की व्यवस्था और राशन की व्यवस्था की जा रही है। रोज़गार प्राप्ति तक उन्हें ये सुविधाएं दी जाएंगी। प्रदेश में ऐसे प्रकरणों में परिवार के सदस्यों को अनुकंपा नियुक्तियां भी दी गई हैं।

मध्यप्रदेश की बढ़ी विकास दर

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश की विकास दर 19.7 प्रतिशत हो गई है, जो भारत में सबसे ज्यादा है। फसल उत्पादन सहित समस्त आर्थिक गतिविधियों और उद्योग क्षेत्र के आकलन के बाद यह निर्णय लिया जाता है। मध्यप्रदेश में विकास की रफ्तार तेज है। प्रति व्यक्ति आय कुछ वर्ष पूर्व मात्र 13 या 14 हजार रुपये होती थी, जो अब 1 लाख 24 हजार रुपये अर्थात करीब सवा लाख सालाना हो चुकी है।

मध्यप्रदेश की 370 गौ-शालाओं में हो रहा है गौ-उत्पादों का उत्पादन

भोपाल, गौ-पालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड कार्यपरिषद के अध्यक्ष स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि ने बताया कि प्रदेश में लगभग 370 गौ-शालाओं में गौ-आधारित उत्पादों का निर्माण किया जा रहा है। गौ-शालाओं की बढ़ती आत्मनिर्भरता देश में गौ-वंश आधारित मॉडल स्थापित करेगी।

उल्लेखनीय है कि स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि द्वारा लगातार प्रदेश की गौ-शालाओं का भ्रमण कर अच्छे कार्यों के लिये प्रोत्साहित करने के साथ इनकी उन्नति के लिये विभिन्न तरह का मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है। नानाजी देशमुख गौ-विज्ञान चिकित्सा विश्वविद्यालय में अनुसंधान पर आधारित अनेक प्रकार के उत्पादन हो रहे हैं। ये अनुसंधान और नवाचार मध्यप्रदेश को देश में अग्रणी बनाएंगे। भोपाल के मदर बुल फार्म, आगर-मालवा जिले में कामधेनु गौ-अभ्यारण्य, रीवा जिले के बसावन मामा में गौ-वंश वन्य विहार, जबलपुर जिले में विज्ञान आश्रम काफी अच्छा कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री गौ-सेवा योजना में नव-निर्मित गौ-शालाओं में निराश्रित और बेसहारा गौ-वंश को आश्रय देने के साथ इन्हें विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। गौ-वंश से ग्रामीण क्षेत्रों में आय बढ़ाने के सफल प्रयास किये जा रहे हैं। साथ ही युवा वर्ग को शासकीय योजनाओं के माध्यम से डेयरी उद्योग के प्रति प्रोत्साहित किया जा रहा है।

सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिये राज्य सरकार प्रतिबद्ध - मुख्यमंत्री

भोपाल, सभी वर्गों के लिए सामाजिक समरसता के साथ, सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। गरीबी जाति देखकर नहीं आती, सामान्य वर्ग की पीड़ा और दर्द हम समझते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर होने पर भी इस वर्ग के लिए किसी से कुछ मांगना कठिन होता है। भारतीय संस्कृति में प्रत्येक विचार को स्वीकार करने, उसे सम्मान और स्थान देने की परंपरा रही है। हम सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में मध्यप्रदेश राज्य सामान्य वर्ग आयोग द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सामान्य वर्ग के कल्याण के लिए पूर्व में आयोग द्वारा दी गई अनुशंसाओं का क्रियान्वयन हुआ है। सामान्य वर्ग के गरीब बच्चों के लिए सामान्य निर्धन वर्ग छात्रवृत्ति योजना, स्वामी विवेकानन्द प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना, सुदामा शिष्यवृत्ति योजना, वीरांगना लक्ष्मीबाई साइकिल वितरण योजना और डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना संचालित हैं। साथ ही व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए विक्रमादित्य निःशुल्क शिक्षा योजना,

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में मध्यप्रदेश राज्य सामान्य वर्ग आयोग द्वारा आयोजित एक कार्यशाला का शुभारंभ करते हुये।

संदीपनि संस्कृत भाषा प्रसार योजना, आचार्य विद्यासागर गौ-संवर्धन योजना तथा उच्च शिक्षा ऋण गारंटी योजना का क्रियान्वयन भी जारी है।

श्री चौहान ने कहा कि नई परिस्थितियों में नई आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा, रोज़गार और अन्य सामाजिक व्यवस्थाओं के लिए विचार-विमर्श आवश्यक है। सामान्य वर्ग आयोग द्वारा कार्यशाला में विचार-विमर्श, चिंतन और संवाद के बाद प्रस्तुत सुझावों एवं अनुशंसाओं का क्रियान्वयन किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमें समाज को तोड़ने वाली ताकतों से सतर्क रहना होगा। जातियों को बांटने के लिए कई प्रकार की गतिविधियां चल रही हैं।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री ने समग्रता के साथ समाज को एक करने का कार्य किया है। लोगों को समेकित रूप से जोड़ने और अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं सामान्य वर्ग के प्रति कल्याणकारी भाव रखते हुए आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में उनका योगदान चिर-स्थाई रहेगा।

कम्पाउंडिंग शुल्क में 30 जून तक मिलेगी 20 प्रतिशत की छूट

भोपाल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि राज्य शासन द्वारा भवन अनुज्ञा से अतिरिक्त निर्माण एवं भवन अनुज्ञा के बगैर निर्माण के कम्पाउंडिंग के लिये सीमा 10 से बढ़ाकर 30 प्रतिशत की गई है। उन्होंने बताया कि राज्य शासन द्वारा नगरीय निकायों में 28 फरवरी, 2022 तक कम्पाउंडिंग (प्रशमन) प्रकरणों में शुल्क पर 20 प्रतिशत की विशेष छूट का प्रावधान किया गया था। इसकी अवधि बढ़ाकर अब 30 जून, 2022 कर दी गई है।

अनुज्ञा के बिना भवन निर्माण एवं भवन अनुज्ञा के विरुद्ध अधिक निर्माण के प्रशमन के लिये संचालनालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास के माध्यम से भवन अनुज्ञा के लिये संचालित ऑनलाइन सिस्टम एबीपीएएस (ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान एप्रूवल सिस्टम) में प्रकरणों के ऑनलाइन प्रशमन एवं ऑनलाइन शुल्क प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध है। नगरीय निकायों को प्रशमन के प्रकरणों का निराकरण ऑनलाइन एबीपीएएस के माध्यम से ही करने के निर्देश दिये गये हैं।

नगरीय निकायों ने अनुज्ञा के बिना या प्रदान की गई अनुज्ञा के उल्लंघन में निर्मित मकानों के कम्पाउंडिंग में अभी तक 12 हजार 407 प्रकरणों में कार्यवाही कर 144 करोड़ 47 लाख 58 हजार 318 रुपये की राशि शुल्क के रूप में प्राप्त की है। नगर निगम इंदौर को 75 करोड़ 54 लाख 3 हजार 528, भोपाल को 23 करोड़ 82 लाख 83 हजार 447, ग्वालियर को 13 करोड़ 41 लाख 8 हजार 467, जबलपुर को 7 करोड़ 95 लाख 3 हजार 241, रतलाम को 3 करोड़ 36 लाख 41 हजार 593, छिंदवाड़ा को 2 करोड़ 86 लाख 73 हजार 387, उज्जैन को 2 करोड़ 71 लाख 83 हजार 790, रीवा को 2 करोड़ 14 लाख 69 हजार 730, देवास को 1 करोड़ 29 लाख 7 हजार 667, सतना को 1 करोड़ 17 लाख 54 हजार 606, कटनी को 91 लाख 54 हजार 967, सिंगरौली को 83 लाख 97 हजार 362, सागर को 82 लाख 89 हजार 520, बुरहानपुर को 72 लाख 50 हजार 129, खंडवा को 67 लाख 50 हजार 591 और नगर निगम मुरैना को 47 लाख 27 हजार 772 रुपये की राशि कम्पाउंडिंग शुल्क के रूप में प्राप्त हुई है। अन्य नगरीय निकायों को कुल 5 करोड़ 72 लाख 58 हजार 520 रुपये का कम्पाउंडिंग शुल्क प्राप्त हुआ है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)